महानगर नई दिल्ली शुक्रवार 10 अप्रैल, 2020, रु. 5.00 (10 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

मास्क पहन कर ही बाहर निकलें, नहीं तो मुकदमा : केजरीवाल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल ।

दिल्ली सरकार ने कहा है कि घर से बाहर निकलने पर मास्क पहनना जरूरी है और इसका उल्लंघन करने पर आइपीसी की धारा 188 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इसके तहत एक से छह महीने तक की सजा या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। दिल्ली के मुख्य सचिव विजय देव ने गुरुवार को इस बाबत सख्त हिदायतें जारी कीं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी कहा कि दिल्ली में जब भी कोई व्यक्ति घर से बाहर निकलेगा या किसी मीटिंग में जाएगा, तो उसे मास्क पहनना जरूरी है। सरकारी आदेशों के हवाले से उन्होंने कहा कि जब पूरी दुनिया में कोरोना नया-नया आया था, तो कहा जाता था कि जिसको कोरोना हुआ है, उसे ही मास्क पहनने की जरूरत है। लेकिन अब यह विचार बदला है और कई देशों से यह सुनने को मिल रहा है कि यदि सभी लोग मास्क पहनने लगें, तो कोरोना का प्रसार **बाकी पेज 8 पर**

आदेश के उल्लंघन पर धारा 188 के तहत दर्ज होगा मामला। इसके तहत एक से छह महीने तक की सजा या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

15 हजार करोड़ रुपए की सहायता का एलान

केंद्र ने मंजूर किया राज्यों के लिए तीन चरणों का आपात पैकेज

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

कोरोना महामारी से मुकाबले के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए तीन चरणों का आपात पैकेज तैयार किया है। केंद्र सरकार ने 'भारत कोविड-19 आपात कार्रवाई और स्वास्थ्य व्यवस्था तैयारी' पैकेज के अंतर्गत 15 हजार करोड़ रुपए की सहायता की घोषणा की है। यह सौ फीसद केंद्रीय वित्तीय मदद का पैकेज है। पहले चरण में राज्यों को 7,774 करोड़ रुपए मुहैया कराए जाएंगे। बाकी रकम मध्यावधि सहायता (1 से 4 साल) के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। केंद्र सरकार का अनुमान है कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई लंबी चलेगी।

पहले चरण में परियोजना को जनवरी 2020 से जून 2020 तक, दूसरे चरण में जुलाई से मार्च 2021 तक और तीसरे चरण में अप्रैल 2021 से मार्च 2024 तक लागू किया जाएगा। इस बारे में प्रधानमंत्री कार्यालय की मंजूरी के बाद सभी राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के अतिरिक्त मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों और आयुक्तों (स्वास्थ्य) को लिखे पत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव ने कहा कि केंद्र द्वारा शत-प्रतिशत वित्तीय मदद वाला आर्थिक पैकेज जनवरी 2020 से मार्च 2024 तक तीन चरणों में लागू किया **बाकी पेज 8 पर**

सौ फीसद केंद्रीय वित्तीय मदद वाला पैकेज जनवरी 2020 से मार्च 2024 तक तीन चरणों में लागू होगा

पहले चरण में राज्यों को जारी किए जाएंगे 7,774 करोड़

महिलाओं के जनधन खातों में एक-एक हजार रुपए

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

महिला जनधन खाताधारकों के खातों में पहली किस्त के रूप में अप्रैल में 500 रुपए डाले गए हैं।

वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत महिला खाताधारकों के खातों में अगले दो माह के दौरान 500-500 रुपए की दो समान किस्तों में एक हजार रुपए डाले जाएंगे। महिला जनधन खाताधारकों के खातों में पहली किस्त के रूप में अप्रैल में 500 रुपए डाले गए हैं। इस योजना के तहत कुल खातों की संख्या 38.08 करोड़ है। इनमें से 20.60 करोड़ महिला खाताधारक हैं। एक अप्रैल तक पीएमजेडीवाई खातों में 1.19 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि जमा थी।

मंत्रालय ने लोगों से कहा है कि अगले दो महीने में दो किस्तें और डाली जाएंगी। वित्तीय सेवा विभाग ने ट्वीट में कहा है कि सरकार ने अप्रैल के लिए महिला जनधन **बाकी पेज 8 पर**

चिकित्सा उपकरणों पर सीमा शुल्क, स्वास्थ्य उपकर से छूट

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (भाषा)।

सरकार ने गुरुवार को कोरोना महामारी से लड़ने में काम आने वाले वेंटिलेटर, सर्जिकल और फेस मास्क, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और कोविड-19 की जांच किट के आयात पर सीमा शुल्क और स्वाथ्य उपकर हटा दिया है। सरकार के इस कदम का मकसद देश में इन उपकरणों की उपलब्धता को बढ़ाना है।

सरकार के इस कदम का मकसद देश में इन उपकरणों की उपलब्धता को बढ़ाना है।

राजस्व विभाग ने एक बयान में कहा कि कोरोना की **बाकी पेज 8 पर**

ट्रंप के आभार के जवाब में मोदी ने कहा, मिलकर जीतेंगे जंग

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'आभार' के जवाब में गुरुवार को कहा कि कोविड-19 से निपटने में भारत मानव जाति की हरसंभव मदद करेगा। भारत और अमेरिका मिलकर कोरोना संक्रमण के खिलाफ जंग जीत लेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भेजे पत्र में यह बात कही। इससे पहले ट्रंप ने मलेरिया रोधी हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्वीन दवा के निर्यात की अनुमति देने के फैसले के लिए भारत का शुक्रिया अदा किया।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दवा निर्यात करने की मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'शानदार' शख्स बताया और कहा कि ऐसे मुश्किल वक्त **बाकी पेज 8 पर**

डोनाल्ड ट्रंप ने दवा निर्यात करने की मंजूरी देने के लिए मोदी को 'शानदार' शख्स बताया और कहा कि ऐसे मुश्किल वक्त में भारत की मदद को 'भुलाया नहीं जाएगा।'

ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने मलेरिया रोधी दवा हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्वीन के उत्पादन की खातिर ब्राजील को कच्चा माल उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है।

'कोरोना संक्रमण पर न करें राजनीति'

फंड रोकने की ट्रंप की धमकी पर डब्लूएचओ प्रमुख ने कहा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) का वित्त पोषण रोक देने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी को लेकर इस संस्था ने बुधवार को कहा कि कोरोना विषाणु के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक एकता की जरूरत है। डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडहनोम घेब्रेयेसस ने जिनेवा में कहा कि अमेरिका और चीन को एक साथ आना चाहिए और इस खतरनाक दुश्मन से लड़ना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'सभी राजनीतिक दलों का ध्यान अपने लोगों को बचाने पर होना चाहिए। कृपया इस वायरस पर राजनीति न करें।

ट्रंप ने कहा था, 'वैश्विक संस्था ने अपना काम ठीक से नही किया और कोरोना संक्रमण को लेकर वह चीन की तरफ झुकी रही। हम डब्लूएचओ पर खर्च की जाने वाली राशि पर रोक लगाने जा रहे हैं।'

डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस ने कहा, 'अमेरिका और चीन को एक साथ आना चाहिए और इस खतरनाक दुश्मन से लड़ना चाहिए। यदि आप और लाशें नहीं देखना चाहते हैं, तो आप इसका राजनीतिकरण न करें।'

इससे पहले ट्रंप ने डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस पर चीन का पक्ष लेने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस वैश्विक संस्था ने अपना काम ठीक से नहीं किया और कोरोना संक्रमण को लेकर वह चीन की तरफ झुकी रही। जबकि, चीन इस विषाणु से जुड़ी भयावहता को छिपाने की कोशिश कर रहा था और डब्लूएचओ ने यह जानते हुए भी उसका साथ दिया। उन्होंने कहा था, 'हम डब्लूएचओ पर खर्च की जाने वाली राशि पर रोक लगाने जा रहे हैं। हम इस पर बहुत प्रभावशाली रोक लगाने जा रहे हैं।'

ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए टेड्रोस ने अमेरिका से आरोप-प्रत्यारोप के खेल में लिप्त होने के बजाय चीन के साथ मिल कर बीमारी का मुकाबला करने का आग्रह किया। डब्लूएचओ प्रमुख ने कहा, 'यदि आप और लाशें नहीं देखना **बाकी पेज 8 पर**

कोरोना : चौबीस घंटे में 20 की मौत, संक्रमण के 591 नए मामले

गुरुवार को ठीक हुए 67 मरीज, 5218 का इलाज जारी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

देश में कोरोना विषाणु के संक्रमण से चौबीस घंटे में 20 लोगों की मौत हो गई जबकि संक्रमण के मामले 591 बढ़े हैं। गुरुवार को संक्रमितों की संख्या 5,865 हो गई। वहीं, इस महामारी से अब तक 169 लोगों की मौत हो चुकी है। अभी 5,218 मरीजों का इलाज जारी है जबकि 477 लोग ठीक हो चुके हैं। चौबीस घंटे में 67 मरीज ठीक हुए हैं।

16 दिन

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार शाम पांच बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक चौबीस घंटे में मरने वालों में महाराष्ट्र के आठ, गुजरात के तीन, मध्य प्रदेश के तीन, जम्मू कश्मीर के दो, कर्नाटक का एक, पंजाब का एक, तमिलनाडु का एक और उत्तर प्रदेश का एक मरीज शामिल है।

अब तक सबसे ज्यादा मौत महाराष्ट्र में हुई हैं जिनकी संख्या 72 है। इसके बाद गुजरात में 16, मध्य प्रदेश में 16, दिल्ली में नौ, पंजाब में आठ, तमिलनाडु में आठ, तेलंगाना में सात, पश्चिम बंगाल में पांच, जम्मू-कश्मीर में चार, उत्तर प्रदेश में चार, आंध्र प्रदेश में चार, हरियाणा में तीन, राजस्थान में तीन और केरल में दो लोगों की **बाकी पेज 8 पर**

भारत में संक्रमित	कुल मौतें	मृतक बढ़े	कुल ठीक हुए
बुध : 5,274	बुध : 149	बुध : 25	बुध : 410
गुरु : 5,865	गुरु : 169	गुरु : 20	गुरु : 477

दुनिया भर में 89 हजार लोगों की गई जान

पेरिस, 9 अप्रैल (एएफपी)।

दुनिया भर में फैली कोरोना महामारी से गुरुवार को मृतकों की संख्या बढ़कर 88,981 पहुंच गई। यह जानकारी सरकारी सूत्रों से मिले आंकड़ों को एएफपी द्वारा जोड़ने पर सामने आई है। दुनिया के 192 देशों में इस

11 भारतीयों ने अमेरिका में कोरोना विषाणु से दम तोड़ा

संक्रमण के 1,519,260 घोषित मामले हैं। अबतक 3,12,100 लोग ठीक हो चुके हैं। अमेरिका में **बाकी पेज 8 पर**

ओड़ीशा ने 30 अप्रैल तक बढ़ाई पूर्ण बंदी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

देशभर में पूर्ण बंदी बढ़ाने को लेकर चल रही चर्चा के बीच ओड़ीशा सरकार ने इस बारे में कदम उठा लिया है। प्रदेश की नवीन पटनायक सरकार ने राज्य में पूर्ण बंदी की अवधि 30 अप्रैल तक के लिए बढ़ाने की घोषणा की है। ऐसा करने वाला ओड़ीशा देश का पहला राज्य बन **बाकी पेज 8 पर**

पंजाब के जवाहरपुर गांव में कोरोना के 22 मामले

चंडीगढ़, 9 अप्रैल (भाषा)।

पंजाब के मोहाली जिले में डेरा बस्सी का जवाहरपुर गांव कोरोना संक्रमण के 22 मामले सामने के बाद कोविड-19 के प्रसार के लिहाज से नया संवेदनशील क्षेत्र बन गया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कोरोना संक्रमितों की संख्या के लिहाज से मोहाली जिला पंजाब में सबसे ऊपर है **बाकी पेज 8 पर**

डॉक्टरों की सलाह पर ही दी जाए हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्वीन

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना पर रोक के लिए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन की अगुआई में गठित मंत्री समूह (जीओएम) ने गुरुवार को वायरल रोधी दवा हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन के सीमित इस्तेमाल की जरूरत पर बल दिया। जीओएम ने कहा कि यह दवा सिर्फ चिकित्सकों के परामर्श पर ही दी जाए। मंत्री समूह न कोरोना से निपटने के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा की। इस बैठक में मंत्री समूह ने स्पष्ट निर्देश दिया कि हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन का इस्तेमाल सिर्फ चिकित्सकीय परामर्श **बाकी पेज 8 पर**

कोरोना पर बने मंत्री समूह ने जारी किए निर्देश

चिह्नित किए संक्रमित इलाकों की निगरानी बढ़ाई गई

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के 15 जिलों में सील किए गए सभी अत्यधिक संक्रमण वाले स्थानों (हॉट स्पॉट) को सेक्टर में बांटकर हर सेक्टर में एक मजिस्ट्रेट की तैनाती के आदेश दिए हैं और साथ ही वहां निगरानी गतिविधियों को बढ़ाने को कहा है। योगी ने गुरुवार को लखनऊ में अपने आवास पर प्रदेश में लागू लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कहा, 'चिन्हित किए गए अत्यधिक संक्रमण वाले स्थानों को सेक्टर के अनुसार विभाजित करते हुए प्रत्येक क्षेत्र में मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाए।' उन्होंने सील किए गए क्षेत्रों में निगरानी गतिविधियों को बढ़ाए जाने के भी निर्देश भी दिए।

अत्याधिक संक्रमण वाले स्थानों में चिकित्सा दल घर-घर जाकर गहन स्वास्थ्य परीक्षण करेगा और सेनेटाइजेशन दल पूरे इलाके में सघन रूप से स्वच्छता कार्यक्रम संचालित करेगा। चिन्हित अत्यधिक संक्रमण वाले क्षेत्रों में सभी तरह के प्रतिष्ठान पूरी तरह बंद रहेंगे। इन इलाकों के निवासियों को जरूरी **बाकी पेज 8 पर**

उत्तर प्रदेश में सील किए गए इलाकों का जिम्मा मजिस्ट्रेट को

घर-घर गहन स्वास्थ्य परीक्षण के आदेश

योगी का निर्देश : सील किए गए इलाकों में कोई ढील न हो

दरअसल

वृद्धि दर घट कर 4.8 फीसद रहने का अनुमान

मंदी की आहट

दुनिया भर में आर्थिक बदहाली की आशंका

कोरोना से लड़खड़ा सकती है अर्थव्यवस्था

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

संयुक्त राष्ट्र ने अपनी एक रिपोर्ट में कोरोना महामारी के कारण भारत की अर्थव्यवस्था के लड़खड़ाने की आशंका जताई है। उसका अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दर घट कर 4.8 फीसद रह सकती है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र की श्रम संस्था अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने भारत में 40 करोड़ लोगों के गरीब होने की आशंका जताई थी। साथ ही, एशियाई विकास बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी एजंसियां अपनी-अपनी रिपोर्ट में भारत में बड़ी मंदी की आशंका जता चुकी हैं।

कोविड-19 महामारी की वजह से दुनिया भर में गंभीर आर्थिक परिणामों की आशंका जताई जा रही है। भारत की अर्थव्यवस्था के साथ समूचे दक्षिण एशिया की आर्थिकी प्रभावित होगी। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट 'एशिया और प्रशांत का आर्थिक और सामाजिक सर्वेक्षण (ईएससीएपी) 2020: संवहनीय अर्थव्यवस्थाओं की ओर' में कहा गया है कि क्षेत्र में कोविड-19 का दूरगामी आर्थिक और सामाजिक परिणाम हुआ है और सीमापार व्यापार, पर्यटन तथा वित्तीय संबंध सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान भारत की वृद्धि दर घट कर 4.8 फीसद रहने का अनुमान है और वित्त वर्ष 2021-22 के लिए वृद्धि दर 5.1 फीसद रह सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये बेहद प्रारंभिक पूर्वानुमान हैं और दस मार्च तक उपलब्ध आंकड़ों और सूचनाओं पर आधारित हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, चूंकि कोविड-19 महामारी अभी भी तेजी से बढ़ रही है, इसलिए एशिया और प्रशांत की अर्थव्यवस्थाओं पर इसका नकारात्मक असर बहुत अधिक होने की आशंका है। भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमानों में पहले की तुलना में काफी कमी आई है और बेरोजगारी बढ़ने से **बाकी पेज 8 पर**

फरवरी में 4.5 फीसद बढ़ा औद्योगिक उत्पादन

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

खनन, विनिर्माण और बिजली क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से देश के औद्योगिक उत्पादन में इस साल फरवरी में 4.5 फीसद की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। गुरुवार को जारी आधिकारिक **बाकी पेज 8 पर**

गोल्डमैन सैश ने चेताया, जीडीपी 1.6 फीसद रहेगी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

कोरोना का कहर भारत की अर्थव्यवस्था को कई दशक पीछे ले जाएगा। वैश्विक ब्रोकरेज कंपनी गोल्डमैन सैश ने चेताया है कि कोरोना के प्रकोप और पूर्ण बंदी की वजह से चालू वित्त वर्ष **बाकी पेज 8 पर**

www.readwhere.com

कोरोना की चुनौती का सामना कर सकती है होमियोपैथी

डा. एके अरुण

आज विश्व होमियापैथी दिवस

आज कोई डेढ़ दशक बाद जब दुनिया कोरोनावायरस महामारी की चपेट में है और उपचार के नाम पर कोई स्पष्टता नहीं है फिर भी सरकार के स्तर पर कहीं भी होमियोपैथी की सेवाओं के लिए न तो प्रयास है और न ही पहल। कई होमियोपैथिक चिकित्सक जो निजी स्तर पर होमियोपैथिक अनुसंधान और अध्ययन में लगे हैं, चाह कर भी पीड़ितों की आधिकारिक सेवा नहीं कर पा रहे।

कोराना महामारी से उपजे इस वैश्विक संकट के दौर में होमियोपैथी को याद करना न केवल प्रासंगिक है बल्कि यह आज के दौर की एक महत्त्वपूर्ण जरूरत है। चिकित्सा विज्ञान के इतिहास में रुचि रखने वाले चिकित्सक और शोधार्थी चाहें तो 1997 का जनरल ऑफ हिस्ट्री ऑफ मेडिसिन एंड एलाएड साइंसेज में शोधपत्र पढ़ सकते हैं। जिसमें जिक्र है कि 1832 में यूरोप में फैली एसियाटिक कालरा महामारी से तबाह हजारों लोग जब दवा के अभाव में दम तोड़ रहे थे तब आधुनिक चिकित्सा विज्ञान (एलोपैथी) एक तरह असहाय था। सालाना लगभग 20-50 लाख लोग यूरोप में कालरा (हैजा) से मर रहे थे। 1848 से 1854 तक लंदन कई बार कालरा महामारी की चपेट में आया। लाखों बीमार हुए। हजारों लोग मरे। रोग का असल कारण किसी को भी पता नहीं लगा।

एलोपैथी के सभी विशेषज्ञ कालरा को दूषित हवा से फैलने वाला रोग बताते रहे लेकिन समाधान नहीं मिला। 1854 में जब फिर से कालरा महामारी के रूप में फैला, तब पहली बार पता लग पाया कि यह हवा से नहीं दूषित पानी से फैलता है। उस समय के जाने-माने जन स्वास्थ्य वैज्ञानिक डॉ.जान स्नो को बड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी यह स्थापित करने के लिए कि कालरा हवा से नहीं दूषित पानी से फैलता है। बहरहाल, कालरा से बीमार लोगों के उपचार के लिए ब्रिटेन के किंज जार्ज (षष्टम)) ने रॉयल लंदन होमियोपैथिक हास्पीटल के चिकित्सकों की सेवाएं ली गई और हजारों लोगों को मरने से बचा लिया गया।

कोरोना संक्रमण की वजह से लगभग पूरी दुनिया में पूर्ण बंदी है। महामारी अधिनियम 1897 के अनुसार बगैर केंद्र सरकार की अनुमति के कोई भी अन्य चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक अपने स्तर पर उपचार नहीं कर सकते। महामारियों में होमियोपैथी की प्रासंगिकता के कई प्रमाणिक उदाहरण हैं लेकिन कानूनी अड़चन की वजह से कई घातक बीमारियों में लोगों की जीवन रक्षा के लिए होमियोपैथी का विधिवत उपयोग नहीं हो पाता है और हजारों लोगों को अपनी जानें गंवानी पड़ जाती हैं।

कहते हैं कि संकट में उम्मीद के हर अच्छे व तार्किक नुस्खे आजमाए जाते हैं। यूरोप, अमेरिका सहित दुनिया के 209 देश इन दिनों कोराना संक्रमण से दहशत में हैं और लगभग सभी देश (चीन भी) अपनी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को आजमा रहे हैं लेकिन भारत में आधिकारिक चिकित्सा पद्धति होते हुए भी सरकार होमियोपैथी पर उतना भरोसा नहीं कर पाती जितना उसे एलोपैथी पर है। मैं स्वयं ब्रिटेन के दो कोरानावायरस संक्रमित मरीजों का होमियोपैथिक दवा से मुकम्मल उपचार कर चुका हूं। महज एक हफ्ता पहले मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से मेरे एक परिचित ब्रिटिश परिवार ने अपने फ्लू का इलाज पूछा और केवल होमियोपैथिक दवा की मदद से न केवल वे ठीक हुए बल्कि उन्होंने अपने परिवार के संक्रमित अन्य दो लोगों को भी ठीक किया। वे कोराना संक्रमण से इतने दहशत में थे कि अस्पताल जाने की बजाए वे घर में ही उपचार चाहते थे। यह घटना मेरे रिकार्ड में है। इसी तरह मुंबई में जाने माने होमियोपैथिक चिकित्सक डॉ. राजन शंकरन ने मुझे ईरान के होमियोपैथिक डॉ. आदित्य कसारियान तथा इटली के होमियोपैथ डॉ. मसिमो मांगियालावोरि के हवाले से सौ से ज्यादा कोरानावायरस संक्रमित व्यक्तियों के सफल इलाज के प्रमाण भेजे लेकिन अनेक प्रयासों के बावजूद दिल्ली में हम लोगों को कोराना प्रभावित मरीजों के इलाज की अनुमति नहीं मिली।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की व्यक्तिगत दिलचस्पी के बावजूद भारत सरकार के भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) ने इस प्रस्ताव में रुचि नहीं दिखाई। जाहिर है कि वैश्विक महामारी में विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा निर्देशों को मानना जरूरी होता है लेकिन लोगों की जान बचाने के लिए होमियोपैथी जैसे एक हानिरहित सूक्ष्मवैज्ञानिक चिकित्सा पद्धति को मौका देकर सरकार एक बड़ा कदम उठा सकती है।

होमियोपैथिक दवाओं के कार्य करने की पद्धति एकदम सरल है। जब कोई रोग ऐलोपैथिक दवाइयों से ठीक नहीं हो पाता है तब होम्योपैथी एक अच्छा विकल्प सिद्ध हो सकता है। लगभग समाप्त मान लिए गए और दोबारा लौट आए रोग होम्योपैथिक औषधियों से ही ठीक हो रहे हैं। बर्डफ्लू, सार्स एवं स्वाइनफ्लू जैसी संकाम्रक एवं घातक बीमारियों का भय होम्योपैथिक औषधियों से समाप्त किया जा सकता है। होम्योपैथी में जनस्वास्थ्य की चुनौतियों का सामना करने की बहुत बड़ी क्षमता है। होमियोपैथी के आविष्कारक डॉ. सैमुअल हैनिमैन (1755-1843), स्माल पाक्स का टीका ईजाद करने वाले ब्रिटिश चिकित्सक एडवर्ड जेनर (1749-1823) तथा फ्रांस के सूक्ष्म जीव वैज्ञानिक लुइस पास्चर (1822-1895) के शोधों की साम्यता और समय तथा परिस्थितियों को ध्यान से पढें तो आज लगभग 170 वर्षों बाद कोराना विषाणु ने वैसी ही परिस्थितियां दुनिया के सामने पैदा कर दी है। यह वैश्विक मानवीय संकट की घड़ी है। अपने पूर्वाग्रहों को छोड़ कर सभी चिकित्सक और चिकित्सा संगठन तथा पद्धतियां सामने आएं और आपसी समन्वय से मरते लोगों के लिए रामबाण दवा की तलाश करें। यह संभव है। जरूरत है केवल पूर्वाग्रह को छोड़ कर आगे आने की। विश्व संकट की घड़ी में यह एक सुनहरा अवसर भी है। (लेखक जन स्वास्थ्य वैज्ञानिक एवं राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त होमियोपैथिक चिकित्सक हैं।)

प्रधानमंत्री ने वाराणसी भाजपा जिलाध्यक्ष को फोन कर पूछा काशी का हाल

वाराणसी 9 अप्रैल (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी के भाजपा जिला अध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा को फोन करके पहले उनका और उनके पूरे परिवार का हालचाल पूछा। इसके बाद कोरोना के वायरस के संक्रमण को लेकर काशी के जनता के बारे में विधिवत जानकारी ली।

जिलाअध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने मास्क के संबंध में कहा तो प्रधानमंत्री ने कहा कि मास्क केवल डॉक्टरों तथा ड्यूटी पर लगे कर्मचारियों के लिए सुविधाजनक है बाकी गांवों में तो आप लोग अपने सर पर गमछा बांधते हैं या तौलिया रखते हैं उसी से मुंह ढकने की आदत डालने के बारे में लोगों को जागरूक करें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आरोग्य सेतु ऐप को सभी डाउनलोड करें एक भी व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए। मोदी ने पूछा कि क्षेत्र के लोगों की क्या भावना है। इस पर हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि जनता आप के निर्देशों का पालन शत प्रतिशत कर रही है। निर्देश आते ही जनता उसके पालन की तैयारी शुरू कर देती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बहुत जल्दी सब ठीक हो जाएगा ऐसी कामना है।

भोपाल पुलिस ने दो डॉक्टरों की पिटाई की

भोपाल, 9 अप्रैल (भाषा)।

भोपाल एम्स की एक महिला डॉक्टर सहित दो जूनियर डॉक्टरों की बुधवार को कथित तौर पर पुलिस ने पिटाई कर दी है। घटना के बाद एक आरक्षक को लाइन हाजिर कर मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। हालांकि एम्स के निदेशक डॉ सरमन सिंह ने कहा कि हमें पुलिस से अब कोई शिकायत नहीं हैं क्योंकि वरिष्ठ अधिकारियों ने घटना की तुरंत बाद हमसे संपर्क कर मामले में तुरंत कार्रवाई की है। भोपाल उत्तर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सांई कृष्णा थोटा ने कहा कि पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटना के तुरंत बाद एम्स प्रबंधन से संपर्क कर संबंधित आरक्षक को ड्यूटी से हटाकर लाइन हाजिर कर दिया और मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं।

एसपी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एम्स के पास कुछ सब्जी विक्रेता जमा हैं। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस के दो आरक्षक एक चार पहिया वाहन में वहां पहुंचे। पुलिस को देखकर लोग यहां-वहां भागने लगे। वहीं पास में सादे कपड़े में ये दो युवा डॉक्टर खड़े मिले और पुलिसकर्मी भागती हुई भीड़ के बीच इन्हें पहचान नहीं सके। ये डॉक्टर वहां सब्जी नहीं बल्कि पास में ही दूध खरीद रहे थे। तभी इनके बीच कहासुनी हो गई।

सीओएआइ ने सभी प्रीपेड ग्राहकों की वैधता बढ़ाने का प्रस्ताव ठुकराया

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (भाषा)।

दूरसंचार उद्योग के संगठन सेल्युलर आपरेटर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (सीओएआइ) ने सभी प्रीपेड मोबाइल फोन ग्राहकों को वैधता अवधि के विस्तार और टॉकटाइम क्रेडिट का लाभ देने की भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की मांग को ठुकरा दिया है।

सीओएआइ ने गुरुवार को कहा कि कि आपरेटरों ने वित्तीय दबाव के बावजूद कम आय वर्ग के ग्राहकों को पर्याप्त यानी 600 करोड़ रुपए से अधिक की राहत उपलब्ध कराई है, लेकिन सभी प्रीपेड ग्राहकों को इस तरह का लाभ उपलब्ध कराने की उम्मीद करना उचित नहीं होगा।

सीओएआइ के सदस्यों में भारती एअरटेल, रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया जैसी बड़ी दूरसंचार कंपनियां शामिल हैं।

ट्राई ने कुछ दिन पहले ही दूरसंचार आपरेटरों को चुनिंदा आधार पर वैधता अवधि बढ़ाने और टॉकटाइम क्रेडिट का लाभ देने के लिए लताड़ लगाई थी। इसके जवाब में सीओएआइ की यह प्रतिक्रिया आई है।

नियामक ने इस बात पर जोर दिया थ कि मौजूदा लॉकडाउन के दौरान सभी प्रीपेड ग्राहकों को निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए।

सीओएआई ने ट्राई से कहा, सभी प्रीपेड ग्राहकों को लाभ देना अनुचित सबसिडी के समान होगा

सीओएआइ ने कहा कि यदि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) और सरकार को लगता है कि सभी प्रीपेड फीचर फोन ग्राहकों को इस लाभ का विस्तार किया जाना चाहिए, तो यह अन्य आवश्यक सेवाओं की तरह दूरसंचार क्षेत्र को सबसिडी उपलब्ध करा कर किया जा सकता है। ट्राई को लिखे पत्र में सीओएआइ ने कहा कि इसकी भरपाई यूएसओ कोष के जरिए की जा सकती है। सार्वभौमिक सेवा दायित्व (यूएसओ) कोष में 31 मार्च, 2020 तक 51,500 करोड़ रुपए की राशि बिना इस्तेमाल पड़ी थी।

अदालत ने आरोपी से कहा, जमानत के बजाय तुम जेल में सुरक्षित हो

मुंबई, 9 अप्रैल (भाषा)।

बंबई हाई कोर्ट ने गुरुवार को एक आरोपी को अस्थायी जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि उसे छोड़ने की और कोरोना वायरस के संक्रमण के जोखिम में डालने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

न्यायमूर्ति जीएस पटेल ने पिछले 18 महीने से नवी मुंबई की तलोजा जेल में बंद हत्या के एक मामले के आरोपी जितेंद्र मिश्रा की जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए कहा कि जेल के हालात मुंबई शहर से काफी बेहतर हैं।

घाटकोपर निवासी मिश्रा ने कोरोना वायरस महामारी का हवाला देते हुए अस्थायी जमानत मांगी थी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति पटेल ने मिश्रा के वकील शैलेंद्र सिंह से कहा कि आवेदक जेल में बेहतर रहेंगे।

उन्होंने कहा, 'आपको पता नहीं है कि शहर में क्या हो रहा है। जेल अधिकारी बाहर खासतौर पर वर्ली नाका इलाके में निगम अधिकारियों से ज्यादा संसाधन संपन्न हैं।' मध्य मुंबई का वर्ली कोलीवाडा इलाका शहर में कोविड-19 के अति प्रभावित इलाकों में शामिल है।

हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट के इस निर्देश से वाकिफ है कि जहां संभव हो कैदियों को छोड़ा जाना चाहिए, लेकिन अदालत को शहर के हालात पर भी विचार करना होगा।

चार जमातियों पर हत्या के प्रयास में मुकदमा दर्ज : महानिदेशक

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून, 9 अप्रैल।

उत्तराखंड के महानिदेशक (अपराध व कानून व्यवस्था) ने बताया कि प्रशासन और पुलिस के सामने खुद पेश न होने पर हरिद्वार में चार जमात के लोगों पर हत्या के प्रयास की धाराओं में मुकदमे दर्ज किए गए हैं। अब तक प्रदेश में कुल 5 व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हुए हैं।

गुरुवार को पुलिस महानिदेशक ने बताया कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए प्रदेश में लागू देश बंदी के उल्लघंन करने पर कुल 69 अभियोग पंजीकृत किए गए, जिसमें 257 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। प्रदेश में अभी तक कुल 1155 अभियोगों में 4692 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही अभी तक एमवी एक्ट के तहत 13 हजार 768 वाहनों के चालान, 3 हजार 637 वाहन सीज और 64.06 लाख रुपए संयोजन शुल्क वसूला गया। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में भी जमातियों को 6 अप्रैल तक सामने आकर शासन और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई थी। अगर जमाती सामने नहीं आते हैं तो उनके खिलाफ उत्तराखंड के डीजीपी अनिल रतूड़ी द्वारा धारा 307 में मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए गए थे, मगर इसके बावजूद भी कई जमाती सामने नहीं आए, इसको लेकर हरिद्वार पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है और पूरे जिले में अब तक 4 जमातियों और उनकी मदद करने में एक जमाती की मां पर विभिन्न धाराओं और राष्ट्रीय आपदा अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस महानिदेशक ने बताया कि हरिद्वार जिले में तीन जमातियों के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद अब जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन सख्त नजर आ रहा है। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा तमाम जमातियों को सामने आकर प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई, मगर उस अपील के बावजूद भी जमाती सामने नहीं आए। अब पुलिस इन जमातियों पर सख्त रुख अख्तियार कर चुकी है। पुलिस द्वारा रुड़की कोतवाली में दो जमातियों पर मुकदमा दर्ज किया गया था और गुरुवार को हरिद्वार कोतवाली में दो जमाती और मदद करने पर एक जमाती की मां पर मुकदमा दर्ज किया गया। हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सेंथिल अबूदाई कृष्णराज का कहना है कि दो जमाती हमारे सामने नहीं आए हैं, उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है, उनकी तलाश की जा रही है।

नर्स मां का इंतजार करती बच्ची का वीडियो हुआ वायरल

बंगलुरु, 9 अप्रैल (भाषा)।

कर्नाटक में वायरल एक वीडियो ने सभी को भाव-विभोर कर दिया है, जिसमें अपनी मां से मिलने के लिए बेकरार एक छोटी-सी बच्ची दूर से अपनी मां को देख कर रोती दिखाई दे रही है। उसकी मां नर्स है और कोविड-19 के लिए अपनी ड्यूटी के चलते एक पखवाड़े से घर नहीं लौटी है।

इस वीडियो के वायरल होने पर मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने पराचिकित्सा कर्मी से बुधवार को बात की और उसके समर्पण की प्रशंसा की। सुगंधा उत्तर कर्नाटक में बेलागवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के कोविड-19 वार्ड में पिछले 15 दिनों से बिना घर गए और तीन साल की अपनी बेटी से मिले बिना लगातार काम कर रही है।

अपने पिता के साथ दुपहिए वाहन पर बैठ कर अपनी मां से मिलने बच्ची अस्पताल के पास पहुंची। वीडियो में वह अस्पताल के प्रवेश द्वार से कुछ दूरी पर खड़ी अपनी मां की ओर हाथ हिलाते तथा रोती दिख रही है। मां भी भावुक दिख रही है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

नर्स के समर्पण और मां तथा बच्चे के बीच दूरी ने लोगों का दिल छू लिया। इसके चलते येदियुरप्पा ने सुगंधा से फोन पर बात की। येदियुरप्पा को सुगंधा से फोन पर कहते हुए सुना गया, 'आप अपनी बच्ची को देखे बिना कड़ी मेहनत कर रही हैं। मैंने इसे टीवी पर देखा। कृपया सहयोग करें। आपको भविष्य में बेहतर अवसर मिलेंगे। मैं आपके लिए देखूंगा। ईश्वर आपका भला करे।' इस बातचीत की रिकॉर्डिंग यहां मीडिया को जारी की गई।

बाद में नर्स को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री ने कोविड-19 को रोकने के लिए उसकी तरह काम कर रहे डॉक्टरों, नर्सों, एएचएसए (स्वास्थ्य) कर्मियों, पुलिस, निकाय कर्मचारियों, सरकारी कर्मचारियों की निस्वार्थ सेवा की तारीफ की। एक विज्ञप्ति के अनुसार, टेलीफोन पर बातचीत के दौरान नर्स द्वारा उठाए गए स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों की चिंताओं पर विचार करने का आश्वासन देते हुए येदियुरप्पा ने पत्र में कहा कि उन्हें हल करना सरकार की प्राथमिकता है और कोविड-19 स्थिति के एक बार नियंत्रण में आने के बाद वह खुद इन पर गौर करेंगे।

जनसत्ता
क्लासीफाइड
व्यक्तिगत

PUBLIC NOTICE

Public at large it is being informed through instant public notice on behalf of my client Mr. Suresh Chand Bansal S/o Late Sh. Raghubir Singh & Smt. Sudesh Bansal W/o Sh. Suresh Bansal both R/o D-48, Lord Krishna Road, Adarsh Nagar, Delhi-110033 that their son Mr. Sumit Bansal and his wife Mrs. Shruti Bansal W/o Sh. Sumit Bansal are not having cordial relation with them and thus my clients have debarred both of them from inheriting any of their movable and immovable properties. Anybody dealing with them in any manner will be doing so at his own risk and consequences and my clients will not be responsible for any of their act in any manner whatsoever.

Sd/-
(D.K. SHARMA)
Advocate
Office-I: 221, Plot No. 5
Sector-11, Dwarka,
New Delhi-110075

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

कोरोना संक्रमण से इंदौर में डॉक्टर की मौत

इंदौर, 9 अप्रैल (भाषा)।

देश में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में शामिल इंदौर में एक 62 वर्षीय डॉक्टर की गुरुवार सुबह इस वायरस के संक्रमण से मौत हो गई। इससे सतर्क स्वास्थ्य विभाग ने उन मरीजों की खोज शुरू कर दी है जिन्होंने पिछले दिनों इस जनरल फिजिशियन से इलाज कराया था।

यह प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के बाद किसी डॉक्टर की मौत का संभवतः पहला मामला है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रवीण जड़िया ने बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित 62 वर्षीय डॉक्टर ने एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान आखिरी सांस ली। उन्होंने कहा, 'हमें पहली नजर में संदेह है कि कोरोना वायरस संक्रमण के बाद दम तोड़ने वाले डॉक्टर कोविड-19 के किसी मरीज के इलाज के दौरान उसके संपर्क में आए होंगे।

छत्तीसगढ़ में कटघोरा के प्रभावित क्षेत्र में हरेक की जांच होगी

रायपुर, 9 अप्रैल (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कटघोरा शहर में एक साथ सात लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि के बाद राज्य सरकार ने प्रभावित क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति की जांच कराने का फैसला किया है।

राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने गुरुवार को यहां बताया कि राज्य के कोरबा जिले के कटघोरा शहर में एक साथ सात कोरोना वायरस संक्रमित मरीज मिलने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव और जिलाधिकारी को कटघोरा के प्रभावित क्षेत्र को सील करने और वहां के प्रत्येक व्यक्ति की जांच कराने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कटघोरा के लिए एक विशेष टीम बनाने का भी निर्देश दिया है जो पूरी तरह कटघोरा के लिए ही समर्पित रहेगी।

कटघोरा में पिछले एक सप्ताह में नौ लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि कटघोरा के प्रभावित क्षेत्र में पिछले 20 दिनों में आने जाने वाले और उनसे संपर्क रखने वाले सभी व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें पृथक किया जाए। उन्होंने कहा कि इस अवधि में इस क्षेत्र में कार्यरत सभी चिकित्सकों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और अन्य शासकीय कर्मियों की भी जांच कराई जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि कटघोरा के लिए विशेष वार रूम बनाकर तत्काल युद्धस्तर पर कार्यवाही करें।

कोरबा जिले के अधिकारियों के मुताबिक कटघोरा शहर में बीते शनिवार को तबलीगी जमात से जुड़े 16 वर्षीय लड़के के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि के बाद उसके संपर्क में आए लोगों को घर में पृथक किया गया था तथा उनके नमूने जांच के लिए भेजे गए थे। इसमें उन सात लोगों के भी नमूने थे, जिनमें गुरुवार को कोरोना वायरस की पुष्टि हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि संक्रमितों की उम्र 22 वर्ष से 73 वर्ष के बीच है। सभी संक्रमितों को रायपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)में भर्ती कराया जा रहा है। संक्रमितों के परिवारों समेत इस क्षेत्र के लगभग दो सौ परिवारों को घर में पृथक किया गया है।

महाराष्ट्र : सोशल मीडिया पर बंदी के बीच बढ़ी नफरत भरी टिप्पणियां

मुंबई, 9 अप्रैल (भाषा)।

महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू होने के बाद पिछले कुछ दिनों में सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों और नफरत भरी सांप्रदायिक टिप्पणी में वृद्धि दर्ज की है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

राज्य साइबर पुलिस ने लॉकडाउन लागू होने के बाद से सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों, अफवाहों और नफरत फैलाने वाली टिप्पणी के संबंध में बुधवार तक 132 मामले दर्ज किए हैं। इनमें 49 मामले सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन चैनलों पर नफरत भरे बयान से संबंधित हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में साइबर पुलिस ने 20 मामले दर्ज किए हैं, जिनमें से 14 मामले कोरोना वायरस महामारी की स्थिति को सांप्रदायिक रंग देने और छह अफवाह फैलाने के मामले हैं।

महाराष्ट्र साइबर प्रकोष्ठ के पुलिस अधीक्षक बालसिंह राजपूत ने कहा, 'मामलों के आंकड़ों का विश्लेषण करने से यह पता चला कि पिछले पांच दिनों में नफरत भरे बयान से जुड़े मामलों में इजाफा हुआ है।' उन्होंने कहा कि इन मामलों के सिलसिले में कम से कम 35 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 28 अन्य अपराधियों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि ये आपराधिक गतिविधियां ज्यादातर वाट्सऐप, फेसबुक और ट्विटर पर देखी गई हैं।

भाकियू प्रमुख सहित 400 से अधिक लोग घर में पृथक रखे गए

मुजफ्फरनगर, 9 अप्रैल (भाषा)।

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के प्रमुख नरेश टिकैत सहित 400 से अधिक लोगों को यहां उनके क्षेत्र की एक महिला के कोरोना से संक्रमित पाए जाने के बाद घरों में पृथक रखा गया है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रवीण चोपड़ा ने बताया कि नोएडा में कोरोना संक्रमित पाई गई महिला के साथ टिकैत सहित 400 से अधिक लोग मुजफ्फरनगर जिले के एक गांव में एक व्यक्ति की मौत के बाद हुए रस्म-पगड़ी के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने बताया कि महिला के परिवार के 10 लोगों को जिले के एक पृथकवास केंद्र भेज दिया गया है, जबकि सावधानी के तौर पर टिकैत सहित 400 से अधिक लोगों को उनके घरों में पृथक रखा गया है। चोपड़ा ने बताया कि अधिकारियों ने मुजफ्फरनगर के संबंधित गांव को सील कर दिया है।

इस बीच, पुरकाजी कस्बे के एक क्षेत्र को तब सील कर दिया गया जब वहां तबलीगी जमात के तीन सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित मिले।

सरकारी चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को दोगुना वेतन देगी हरियाणा सरकार

चंडीगढ़, 9 अप्रैल (भाषा)।

हरियाणा सरकार ने गुरुवार को कोरोना वायरस से निपटने के लिए अग्रिम पंक्ति में कार्यरत चिकित्सकों, नर्सों और अर्द्ध चिकित्साकर्मियों समेत अन्य सभी को दोगुना वेतन देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिले के आयुर्वेद अधिकारियों, राज्य के विभिन्न जिलों में भारतीय चिकित्सा संघ के प्रमुखों और सिविल सर्जन के साथ हुई बैठक के बाद यह घोषणा की।

उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस से निपटने में लगे सभी लोग चाहे वह चिकित्सक, नर्स, अर्द्ध चिकित्साकर्मी, चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी, एंबुलेंस कर्मचारी और प्रयोगशाला कर्मचारी हों, उन्हें दोगुना वेतन मिलेगा।

मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने कोरोना वायरस का संकट जारी रहने तक दोगुना वेतन देने की बात कही।

वहीं, हरियाणा में गुरुवार को कोरोना वायरस संक्रमण के तीन नए मामले सामने आए, जिसके बाद राज्य में संक्रमितों की संख्या 156 तक पहुंच गई।

www.readwhere.com

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर मुख्यमंत्री ने बनाई कार्ययोजना

कोरोना से बचाएगा 'ऑपरेशन शील्ड'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

कोरोना संक्रमण से दिल्ली को 'ऑपरेशन शील्ड' बचाएगा। गुरुवार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वीडियो कान्फ्रेंस में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए यह कार्य योजना लेकर आए हैं। ऑपरेशन शील्ड का मतलब एस यानी सीलिंग के तहत पूरा इलाका सील होगा। एच–होम क्वारेंटाइन के तहत लोग घर पर रहेंगे। आई–आइसोलेशन और ट्रेसिंग। ई–जरूरी सामान की आपूर्ति, एल–स्थानीय स्तर पर सफाई व डी–घर–घर सर्वेक्षण शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने दिल्ली में मास्क लगाना जरूरी किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मास्क पहनकर खुद को और दूसरों को संक्रमण से बचाएं। घर में बनाकर भी मास्क इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने गुरुवार को ही यह फैसला किया है। हर व्यक्ति जब घर से बाहर निकलेगा तो उसको मास्क पहनना जरूरी है। कई देशों से सीख कर दिल्ली सरकार ने भी यह आदेश दिया है। कई देशों में सुनने को मिला है कि अगर सब लोग मास्क पहनना शुरू कर दें तो कोरोना को काफी हद तक फैलने से रोका जा सकता है। मास्क बाजार से खरीदने की जरूरत नहीं है, आप अपने घर में साफ धुला हुआ कपड़ा या रुमाल इस्तेमाल कर सकते हैं और नाक पर बांध लीजिए, उससे करोना आपके अंदर नहीं घुसेगा।

21 इलाके किए गए हैं सील : मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में 21 ऐसे इलाको की पहचान की गई है, जिन्हें सील लागू किया गया है। इसका मतलब जहां पर हमें कोरोना संक्रमण के कुछ मरीज मिलते हैं, तो वहां हम सील कर देते हैं। उस क्षेत्र के लोग बाहर नहीं जाएंगे ना ही बाहर वाले अंदर आएंगे। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था आम जनता के लिए है इसकी मदद से मामलों को बढ़ने से रोका जा सकेगा। उन्होंने तय नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की। उन्होंने चेताया कि पिछले चौबीस घंटों में अमेरिका के अंदर 2000 लोगों की मौत हो चुकी है।

चिकित्सकों से व्यवहार पर चिंता जताई : सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टर के साथ व्यवहार की घटनाओं पर भी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि इस व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मामले में दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

जरूर मिलेगा राशन, दिक्कत दूर होगी : मुख्यमंत्री ने कहा कि 71 लाख लोगों को पहले ही राशन दे रहे हैं और जिनके पास राशन कार्ड नहीं थे, उनको भी देना शुरू किया है। उन्होंने कहा कि पहले इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं थी, इसलिए देने में दिक्कत आ रही है। अगले दो–चार दिनों में दिक्कतें ठीक हो जाएंगी।

बस थोड़ा सब्र रखिए। आज नहीं तो कल या परसों राशन मिल जाएगा। मैं सबको राशन दिलवा लूंगा। उन्होंने कहा कि इस समय काम धंधा नहीं चल रहा है, इसलिए सरकार को टैक्स आना बंद हो गया है।

शील्ड का मतलब
- एस–सीलिंग
- एच–होम क्वारंटाइन
- आई–आइसोलेशन
- ई–जरूरी सामान की आपूर्ति
- एल–स्थानीय स्तर पर सफाई
- डी–घर–घर सर्वेक्षण

कोरोना बुलेटिन
कुल मामले –	720
नए मामले (आज)–	51
ठीक हुए –	26
मौतें –	12

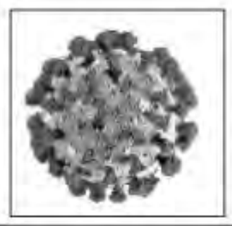

मुख्यमंत्री ने कहा मास्क लगाना जरूरी, मास्क नहीं तो रूमाल से ढकें चेहरा

जीबी पंत में अब नहीं होगा कोरोना संक्रमण का इलाज

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

दिल्ली सरकार ने कहा कि जीबी पंत अस्पताल में कोरोना संक्रमण के मरीजों का उपचार नहीं होगा। दिल्ली सरकार ने अस्पताल को इस सूची से हटा दिया है। ये आदेश दिल्ली सरकार के विशेष सचिव एस एम अली ने जारी किए हैं। आदेशों में बताया गया है कि मामले में स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन की भी मंजूरी ली गई है।

आदेशों के मुताबिक, अब जीबी पंत अस्पताल में कोरोना मरीजों का इलाज नहीं होगा। जीबी पंत अस्पताल दिल्ली सरकार का सुपर स्पेशलिटी अस्पताल है। जिसको पिछले दिनों लोकनायक अस्पताल के साथ मिलाकर केवल कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए तैयार किया गया था। बताया जा रहा है कि इसके कारण मरीजों को बहुत दिक्कत हो रही थी। अब दिल्ली सरकार ने फैसला लिया है कि जीबी पंत अस्पताल जैसे पहले काम करता था। वैसे ही करेगा। जीबी पंत अस्पताल में 500 बिस्तर कोरोना के मरीजों के लिए तय किए गए थे। उनकी जगह अब लोकनायक अस्पताल में अतिरिक्त 500 बिस्तर का इंतजाम किया जाएगा।

महाराजा अग्रसेन अस्पताल की ओपीडी बंद
महाराजा अग्रसेन अस्पताल में कोरोना संक्रमण के मामले सामने आने के बाद अस्पताल की ओपीडी सेवाओं को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। इस बाबत एडीएम धर्मेंद्र कुमार ने आदेश जारी किए हैं। आदेशों में बताया गया है कि अस्पताल में आठ मामले संक्रमण के समाने आ चुके हैं। इसीलिए संबंधित अधिकारियों के साथ हुई बैठक में ओपीडी सेवा बंद करने का निर्णय लिया गया है। अगले आदेशों तक यहां ओपीडी सेवा बंद रहेगी। इसी प्रकार उपायुक्त पश्चिम जिला नेहा बंसल भी एक आदेश जारी कर एक संक्रमित मरीज के संपर्क में आए लोगों को जांच के लिए सामने आने की अपील की ताकि मामलों को बढ़ने से रोका जा सके। आदेशों में बताया गया है कि मरीज शीला देवी जो कि सेन दास कॉलोनी, रोहतक, हरियाणा की रहने वाली हैं। उनको 10 मार्च को महाराजा अग्रसेन अस्पताल में लाया गया था।

सरकार के आदेशों पर बांस-बल्लियों से सील हुए कॉलोनी के मार्ग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

कोरोना संक्रमण का खौफ अब सड़कों पर साफ नजर आ रहा है। दिल्ली में 20 जगहों को दिल्ली सरकार ने बेहद संवेदनशील (हॉटस्पॉट) बताया है और इन क्षेत्रों में गुरुवार को सीलिंग की कच्ची कार्रवाई को अंजाम दिया गया। नत्थू कॉलोनी के पास ऐसे ही एक मार्ग को बांस व बल्लियों की मदद से सील किया गया।

यह क्षेत्र थाना जीटीबी के तहत आता है। पूरे मार्ग को सील कर लोगों ने इस बंद के लिए थाने के आदेश होने की जानकारी भी मुख्य मार्ग पर लगा थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ दिन पहले ही संक्रमण का मामला सामने आया था। बुधवार देर रात आदेश आने के बाद क्षेत्र में आवाजाही को रोक दिया गया है ताकि संक्रमण को अन्य क्षेत्रों में फैलने से रोका जा सके।

'कोविड-19 से मरने वालों को मिलेनियम पार्क के पास स्थित कब्रिस्तान में दफनाया जाएगा'
नई दिल्ली, 9 अप्रैल (भाषा)।

दिल्ली वक्फ बोर्ड ने कोरोना विषाणु संक्रमण से मरने वाले मुस्लिम समुदाय के व्यक्तियों की अंत्येष्टि के लिए दक्षिण दिल्ली में मिलेनियम पार्क के पास स्थित अपना एक कब्रिस्तान निर्धारित किया है। कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की मौत के बाद उनकी अंत्येष्टि में उनके सगे–संबंधियों को आ रही परेशानियों के मद्देनजर बोर्ड ने गुरुवार को यह कदम उठाया। दिल्ली सरकार और स्वास्थ्य विभाग को लिखे एक पत्र में बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस एम अली ने कहा कि इसने मिलेनियम पार्क के पास स्थित जदीद कब्रिस्तान को इसके लिए निर्धारित किया है।

बंद बढ़ने के संकेतों से किराना बाजार में हड़बड़ी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

देशबंदी का आखिरी सप्ताह शुरू हो गया। कोरोना संक्रमण के मामलों के बीच बंद को आगे बढ़ाने की अटकलें भी तेज हो गई हैं। इन अटकलों ने बाजार में अफरातरफी बढ़ा दी। अटकलों के बीच बड़ी संख्या में घरेलू उपभोक्ता व दुकानदार गुरुवार को मंडोली रोड किराना बाजार में पहुंचे। बाद में दुकानों पर भीड़ इतनी बढ़ गई कि पुलिस को दुकानें बंद कर भीड़ को नियंत्रित करना पड़ा।

यमुनापार में मंडोली रोड पर किराना बाजार एक थोक बाजार के तौर पर विकसित हुआ है। यहां गेंहू, चावल, चीनी, खाद्य तेल आदि की थोक की बड़ी दुकानें है। इसके साथ ही रिटेल कारोबारियों के अलावा यहां से स्थानीय लोगों के अतिरिक्त आसपास के इलाकों से भी यहां सामान खरीदारी के लिए लोग आते हैं। गुरुवार के सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग बाजार में सामान लेने पहुंचे थे और हर दुकान पर कम से कम 25–30 लोग तक कतार में थे। कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुए जैसे ही हालात बिगड़ने लगे तो पुलिस ने सभी दुकानों को बंद करा दिया। इससे मंडोली रोड पर अफरातफरी और बढ़ गई।

दुकानदारों से इस दौरान पुलिस कर्मचारियों की तीखी बहस भी बाजर में देखने को मिली। यहां के दुकानदारों का कहना था कि राशन जरूरी चीजों की श्रेणी में आता है और इसके लिए सरकार ने छूट दी है, इसलिए दुकानें बंद करने की जरूरत नहीं। भीड़ को देखते हुए पुलिस ने दुकान खोलने की अनुमति नहीं दी। इसके अतिरिक्त बाजार तक जाने वाले मुख्य मार्ग को भी बंद कर दिया। जिससे लोग वापस अपने घरों की तरफ अन्य मार्ग से पहुंचे। मंडोली रोड मार्केट एसोसिएशन के महासचिव सतेंद्र शर्मा ने बताया कि दिल्ली भर में सीलबंदी होने की घटनाओं के बाद यह अफरातफरी है। छोटे सामान के ग्राहक भी थोक दुकानों पर आ रहे हैं। जो भीड़ बढ़ने की बड़ी वजह है। इस स्थिति को नियंत्रण में करना भी मुश्किल हो रहा है। इस वजह से एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक भी हुई है। जिसमें यह बात भी रखी गई है कि जो दुकानदार भीड़ नहीं संभाल सकते वे दुकान बंद ही रखें। आखिरी निर्णय शुक्रवार को स्थिति को देखते हुए लिया जाएगा। किराना दुकान पर सामान लेने पहुंची सरिता ने बताया कि अभी तक नवरात्र के दिन थे और इन दिनों में राशन कम ही इस्तेमाल हुआ। अब सामान्य दिन हैं और पूरे राशन की जरूरत होती है। इसलिए बाजार में सामान लेने आए हैं। इसके अतिरिक्त लोगों में इस बात का भी डर है कि अगर बंद की सीमा बढ़ जाती है तो इससे परेशानी होगी।

संवेदनशील घोषित इलाकों में से एक खिचड़ीपुर में तैनात पुलिसकर्मी।

- मंडोली रोड किराना बाजार में सुबह से ही लगीं लंबी–लंबी कतारें
- हालात बिगड़ने के बाद पुलिस सक्रिय
- दुकानदारों ने पुलिस के फैसले पर नाराजगी जताई

प्रवासी मजदूरों के लिए किया खाने का बंदोबस्त

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

राजधानी दिल्ली में सहायता राशि और खाने की वस्तुओं के वितरण में राजनीतिक दल, सामाजिक संगठनों ने चप्पे–चप्पे पर प्रवासी मजदूरों और जरूरतमंदों के बीच खाने का बंदोबस्त शुरू किया है। बिहार के विभिन्न जिलों के दिल्ली में फंसे प्रवासी मजदूरों के बीच केरल के रहने वाले और जनता दल एकी के समन्वयक मोहम्मद निसार ने यह बीड़ा अपने कंधे लिया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर निसार ने तमिलनाडु, हरियाणा, बिहार, पंजाब सहित अन्य राज्यों में फंसे लोगों का दिल्ली से संपर्क कर उन्हें जरूरत के सामान वितरित कर रहे हैं।

हर कट्टे में एक किलो तक कम राशन दे रही सरकार : भाजपा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

गरीब परिवारों को सरकार हर सामान के कट्टे पर एक किलोग्राम तक कम राशन दे रही है। भाजपा विधायक अजय महावर ने ये आरोप लगाए हैं। उन्होंने गुरुवार को घोंडा विधानसभा में राशन वितरण केंद्रों की जांच की।

उन्होंने बताया कि 50 किलोग्राम कट्टे में खाद्य सामग्री 11 किलो कम थी। औसतन हर कट्टे में एक से पांच किलो खाद्य सामग्री कम थी। उन्होंने गौतम विहार एमसीडी स्कूल, घोंडा गांव एमसीडी स्कूल, अरविंद नगर स्कूल, उस्मानपुर गांव स्कूल व गढ़ी गांव स्कूल में बने राशन वितरण केंद्र का दौरा किया और वहां बांटे जा रहे राशन में भारी अनियमितता पाई।

दिल्ली के 2500 स्कूलों में मुफ्त राशन की व्यवस्था नहीं : बिधूड़ी
विधानसभा के नेता विपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर राशन को लेकर आ रही समस्याओं की शिकायत की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वादा किया था कि दिल्ली में 2500 स्कूलों में मुफ्त राशन बांटने की व्यवस्था की जाएगी लेकिन आज तक यह व्यवस्था नहीं की गई है। जरूरतमंदों को जो पका हुआ भोजन बांटा जा रहा है उसकी गुणवत्ता को लेकर भी लोग शिकायत कर रहे हैं। लोगों की इन समस्याओं को जल्द सुलझाया जाए। उन्होंने कहा भाजपा के सभी विधायक मुख्यमंत्री से मिलकर राशन को लेकर हो रही दिक्कतों के ऊपर चर्चा करना चाहते हैं और मिलकर जल्द से जल्द इसका समाधान निकालना चाहते हैं। इसके लिए बैठक बुलाई जाए।

स्वास्थ्यकर्मियों ने बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

जनसत्ता संवादाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों ने बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कोरोना फैलाने के नाम पर डॉक्टरों की पिटाई किए जाने का भी विरोध किया, जबकि आरडीए ने डाक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों पर हो रहे हमले के विरोध में हिंसा रोधी केंद्रीय सुरक्षा कानून कानून की मांग उठाई है। दिल्ली सरकार के कोरोना इलाज के लिए चिह्नित सबसे बड़े लोकनायक अस्पताल के नर्सों व दूसरे स्वास्थ्यकर्मियों ने गुरुवार को अस्पताल के सामने प्रदर्शन किया। देहली स्टेट हास्पिटल नर्सेस यूनियन की महासचिव जीमोल शाजी ने कहा कि कोरोना मरीजों का इलाज करके घरों मोहल्लों में रुकने जाने पर जहां बीमारी फैलने का डर है।

पश्चिम विहार इलाके में ड्रोन से किया जा रहा छिड़काव

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में ड्रोन से विषाणुनाशक रसायन का छिड़काव किया गया है, ताकि कोरोना का खतरा कम हो सके। विषाणुनाशक रसायन के छिड़काव के लिए इंडियन रोबोटिक सोल्यूशन की ओर से बनाए गए कोरोना कॉम्बेट ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अब तक कोरोना कॉम्बेट ड्रोन से पांच दिनों में दिल्ली के 15 लोकेशन को सैनिटाइज किया जा चुका है। जिसकी शुरूआत शकरपुर से की गई थी। उसके बाद करोल बाग, पटेल नगर, लाल बाग, सदर बाजार, अशोक विहार, नरेला बाग और पहाड़गंज के कई इलाकों को भी ड्रोन से सैनिटाइज किया गया। इसी कड़ी में दिल्ली के पश्चिम विहार की छह झुग्गी–बस्तियां को पूरी तरह से सैनिटाइज किया गया, जहां लगभग 15 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं। इस मौके पर इंडियन रोबोटिक सोल्यूशन के फाउंडर सागर गुप्ता नौग्रिया ने कहा कि कोरोना वायरस के लगातार बढ़ते प्रकोप के बीच हमारा ड्रोन एक सुरक्षित विकल्प है यह ड्रोन महामारी को रोकने में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद देश के लोगों को इस महामारी की स्थिति में मदद करना और देश का समर्थन करना है।

डॉक्टर पर लगाया संक्रमण फैलाने का आरोप

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

गौतम नगर के एक स्थानीय निवासी ने खरीददारी करने निकली एक महिला डॉक्टर के साथ अभद्रता की। युवक का कहना था कि डॉक्टर सफदरजंग अस्पताल में काम करती हैं और इनके पास आने से कोरोना संक्रमण फैलने का खतरा है। युवक ने न केवल आरोप लगाया बल्कि मारपीट भी की। पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, महिला रेजिडेंट डॉक्टर गौतम नगर में रहती हैं और खरीदारी के लिए बुधवार रात करीब नौ बजे घर से नीचे एक अन्य साथी डॉक्टर के साथ उतरी थीं। तभी यह घटना घटी।

डॉक्टर का आरोप है कि इस दौरान वहां खड़े एक व्यक्ति ने उनके साथ अभद्रता की। उसने सामाजिक दूरी के नाम पर कहा था कि तुम लोग कोरोना फैला सकती हो।

देशबंदी के कारण थैलेसीमिया के मरीजों की बढ़ी परेशानी **दिक्कत** अस्पतालों के बाहर लैब बंद होने की लगा रखी सूचना

बंद है खून की जांच, दवा के लिए भी भटक रहे मरीज

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

दिन भर चक्कर आते रहते हैं। थकान भी महसूस होती है। कमजोरी के कारण पल–पल बेचैनी है। नींद भी नहीं आती। डॉक्टर ने कहा था कि जांच करा लेना, खून जयादा कम हो तो कहीं पर भी खून चढ़वा लेना। जांच कराने कई जगह गई लेकिन कहीं पर भी अभी जांच नहीं हो रही है। हांफती हुई आवाज में थैलेसीमिया की मरीज अफसा ने अपनी यह व्यथा बताई। वे कहती हैं कि देशबंदी के कारण मेरे जैसे मरीजों को ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है।

कोरोना के कहर से दूसरे मरीजों के लिए अस्पतालों की ओपीडी को बंद या कम कर दिया गया है। वहीं, थैलेसीमिया पीड़ित लोगों को जांच के लिए भी जगह–जगह भटकना पड़ रहा है, क्योंकि अधिकतर जगहों पर खून की जांच बंद है। पीड़ितों को दवाई के लिए भी भटकना पड़ रहा है। दिल्ली में करीब ढाई हजार लोग ऐसे हैं जिनको थैलेसीमिया है। तो वहीं, देशबंदी के

बावजूद थैलेसीमिया के मरीजों के लिए दिल्ली सरकार के पांच सहित 13 बड़े अस्पतालों में इलाज की सुविधा मौजूद है, लेकिन जानकारी के अभाव और डर की वजह से थैलेसीमिया के मरीज अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे हैं।

दिलशाद गार्डन में रहने वाली 24 साल की अफसा आगे कहती हैं कि एम्स में इलाज करा रही हूं। एम्स में उनको एक फरवरी को खून चढ़ाया गया था। उसके बाद एक बार गईं तब डाक्टर नहीं मिले थे। उन्होंने कहा कि साधन के अभाव में पड़ी मुश्किल से जुगाड़ करके तीसरी बार एम्स आए हैं। पर फिर से बताया गया कि अभी सब बंद है बाद में आना। अब 16 तारीख को आने को कहा है। परेशान सी आवाज में अफसा कहती हैं कि पता नहीं अभी कितना वक्त लगे। बीमारी बढ़ती जा रही है।

वहीं सगंम विहार में रहने वाले 20 साल के रजनीश को भी थैलेसीमिया ने जकड़ रखा है। उनके पिता ने बताया कि वैसे तो वे एम्स में बच्चे को दिखाते हैं लेकिन खून चढ़ाने के लिए किसी दूसरे अस्पताल पर निर्भर रहना पड़ता है। उन्होंने बताया कि कस्तूरबा गांधी अस्पताल में खून चढ़वाने संगम विहार से दरियागंज जाना पड़ता है। बंद की वजह से आने जाने की भारी दिक्कत है। उन्होंने बताया कि नजदीक के तिगड़ी के ईएसआइ अस्पताल गए थे, लेकिन वहां न तो जांच हुई न ही दवा मिल पाई। डॉक्टर ने लिख कर पकड़ा दिया कि लैब बंद है, जांच नहीं हो सकती। अस्पताल के बाहर लैब बंद का स्टीकर लगा है। कल मालवीय अस्पताल में पता करने गया वहां नहीं होता।

अब तो दवा भी खत्म हो गई है, अब क्या करें : मरीज
थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे वंश (6) का इलाज करवाने पिता सतेंदर के सामने दुविधा यह है कि वे अपने बच्चे को खून चढ़वाने अस्पताल जाएं कि न जाएं। अस्पताल जाने में कोरोना के संक्रमण का खतरा है न जाएं तो थैलेसीमिया की बीमारी के बिगड़ने व जान का संकट। वंश को 30 मार्च को खून चढ़ाया गया था, सात को फिर चढ़वाना था। पर अभी अस्पताल नहीं जा पाए। जाने पर कोरोना का डर है क्योंकि बच्चा कमजोर है। दवा भी खत्म है। दवा बाहर सब जगह मिलती भी नहीं। दवाई न मिले तो पेट में पानी भरने लगता है। पेट फूल जाता है। उन्होंने बताया कि वे कई दिन से आस पड़ोस के डाक्टरों के बीच इसका समाधान ढूंढ़ रहे हैं पर दवा किसी के पास नहीं है, सभी कहते हैं इलाज करवाने एम्स ही जाओ। क्या करें कुछ पता नहीं। बच्चे की हालत देखी नहीं जाती।

13 अस्पतालों में है इलाज का इंतजाम : डॉक्टर
दिल्ली सरकार के जन स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त निदेशक व थैलेसीमिया के प्रभारी डॉ एसके अरोड़ा ने कहा कि एलएनजेपी व जीबी पंत को छोड़कर दिल्ली सरकार के पांच सहित 13 बड़े अस्पतालों में थैलेसीमिया के मरीजों के लिए इंतजाम किए गए हैं। एलएनजेपी में कोरोना का इलाज हो रहा है। इसलिए दूसरे मरीजों को नहीं लाया जाएगा। अस्पताल में दर्ज मरीज दिल्ली के 13 अस्पतालों में से किसी में भी अस्पताल में जाकर इलाज करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जीटीबी, डीडीयू, चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, एम्स सफदरजंग, आरएमएल, नगर निगम के कस्तूरबा गांधी व स्वामी दयानंद अस्पतालों सहित एनडीएमसी के चरक पालिका अस्पताल में थैलेसीमिया के मरीजों का इलाज किए जाने का इंतजाम है।

www.readwhere.com

नोएडा में संक्रमितों की संख्या पहुंची 63

कोरोना से संक्रमण के तीन नए मामले

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 9 अप्रैल।

गौतम बुद्ध नगर में कोविड-19 से संक्रमित लोगों का आकड़ा बढ़ता ही जा रहा हैं। गुरुवार को आई रिपोर्ट में तीन मरीजों में कोरोना की पुष्टि हुई है। जिसके चलते जिले में कोविड-19 मरीजों की संख्या बढ़कर 63 हो गई है। वहीं, इलाज करा रहे दो लोग ठीक होकर घर भेजे गए हैं।

गुरुवार को तीनों संक्रमितों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। दो लोगों के स्वस्थ्य हो जाने से जिले में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 12 हो गई है। विषाणु से ग्रस्त किसी भी रोगी को अभी तक वेंटिलेटर की आवश्यकता नहीं हुई है। गुरुवार को मिले पुष्ट मरीजों में एक व्यक्ति सेक्टर- 50 नोएडा, एक व्यक्ति सेक्टर-93 एल्डिको सोसायटी नोएडा और एक व्यक्ति सिल्वर सिटी ग्रेटर नोएडा सेक्टर पी-12 का है। इन सभी की सोसायटी को सील कर दिया गया है। यहां इन्हें विषाणुमुक्त करने का काम किया जा रहा है। जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने बताया कि 51 सक्रिय व्यक्तियों का अलग-अलग चिकित्सालय में मानकों के अनुसार इलाज कराया जा रहा है। जबकि गुरुवार को 45 अन्य नमूनों की रिपोर्ट नकारात्मक आई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक वर्तमान में यात्रा विवरण के आधार पर 1862 लोगों को चिन्हित किया जा चुका है। इसमे 809 लोग सर्विलांस में है। कुल 1168 नमूने लिए गए, जिसमें 63 में पुष्टि हुई है। एकांतवास व इलाज के लिए आंबेडकर हॉस्टल में 142 लोग, शारदा में चार, सेक्टर-39 अस्पताल में 248, गलगोटिया हॉस्टल में 41, जिम्स में 15, चाइल्ड पीजीआई में 29 व निजी अस्पतालों में तीन लोग भर्ती है।

प्राधिकरण ने दो कार्यालयों में लगाई विषाणुरोधी मशीन

कोविड-19 के संक्रमण के फैलाव की रोकथाम के लिए प्राधिकरण ने सेक्टर-6 स्थित मुख्य प्रशासनिक खंड और सेक्टर- 39 स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में विषाणुमुक्त गुफा स्थापित किए हैं। इसका शुभांरभ सीईओ रितु माहेश्वरी ने किया। उन्होंने बताया कि डिस-इंफेक्ट एक ऐसा बैक्टरीरिया रोधी रसायन (एंटी बैक्टिरियल सोल्यूशन) है, जो लगभग 100 फीसद वायरस व कीटाणु को समाप्त कर देता है। ऐसे में दोनों ही कार्यालय में प्रवेश करने वाले कर्मचारियों को लगाई गई मशीन से होकर ही गुजरना होगा।

जिसके बाद ही वह कार्यालय में प्रवेश कर सकेंगे। फिलहाल अभी दो मुख्य कार्यालयों में ही इसे लगाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इससे निकलने के लिए कर्मचारियों को अपने दोनों हाथ बगल में सीधे 180 डिग्री पर रखने होंगे। जिससे रसायन अच्छी तरह से उन पर गिर सके।

ड्रोन से हो रहा छिड़काव

शहर के संवेदनशील इलाके बने सेक्टर- 8 में गुरुवार को प्राधिकरण ने ड्रोन की मदद से विषाणुमुक्त करने का कार्य किया। ड्रोन की मदद से दोपहर दो बजे कार्य शुरू हुआ। ड्रोन को जमीन से कुछ ऊचाई पर उड़ाया गया और क्षेत्र को विषाणुमुक्त किया गया। ड्रोन में पांच लीटर विषाणुमुक्त करने के लिए द्रव्य रखा जा सकता है।

एम्स में कोरोना के एक मरीज की पुष्टि, 30 लोग किए गए पृथक

राजीव गांधी कैंसर अस्पताल के एक और डॉक्टर सहित तीन कर्मी संक्रमित पाए गए

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

अखिल भारतीय अयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के आपातकालीन वार्ड में आए मरीज में कोरोना संक्रमण पाए जाने के बाद न्यूरो साइंस विभाग से एक संकाय सदस्य सहित कुल करीब 30 लोग पृथक किए गए हैं। इनमें रेजींडेंट डाक्टर, नर्स पैरामेडिकल स्टाफ सहित कई अन्य शामिल हैं।

वहीं, राजीव गांधी कैंसर अस्पताल के एक और डॉक्टर सहित तीन कर्मी संक्रमित पाए गए। यहां भर्ती कैंसर मरीज अभी तक नहीं हटाए जा सके हैं। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि इन मरीजों की जांच करने व रिपोर्ट आने के बाद ही उनको कहीं और भेजने का इंतजाम किया जाएगा।

एम्स के इमरजेंसी वार्ड में शनिवार को एक न्यूरोलॉजी का मरीज आया था। उसे मस्तिष्क की कुछ दिक्कत थी। उस मरीज को भर्ती करना पड़ा। एम्स सूत्रों के मुताबिक बाद में उसे सांस संबंधी दिक्कत होने पर कोरोना की भी जांच की गई। इस मरीज की जांच रिपोर्ट आने के बाद महकमें में हड़कंप मच गया। इस बीच मरीज इमरजेंसी से न्यूरोसाइंस विभाग के वार्ड में भर्ती किया जा चुका था।

लिहाज, इस मरीज को देखने वाले न्यूरो साइंस के एक फेकल्टी सहित सीनियर व जूनियर रेजीडेंट नर्स व सुरक्षा कर्मी सहित कुल 30 लोगों को उनके घरों में ही पृथक किया गया है। इनमें सीधे मरीज को देखने वालों की भी कोरोना की जांच की गई है। बाकी परोक्ष रूप से संपर्क में आए लोगों को लक्षण दिखने पर जांच कराने आने को कहा गया है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि एहतियातन सभी को पृथक किया गया है। इसके पहले भी एम्स के जिन विभागाध्यक्ष का कोरोना पाजिटिव डाक्टर से संपर्क हुआ था उनकी जांच रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट निगेटिव आने से राहत है। इसके अलावा दो डाक्टरों की पहले जांच पाजिटिव आ चुकी है।

बिहार भवन का दावा, सहायता के लिए आए 38 हजार से ज्यादा फोन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

देशबंदी के ऐलान के ठीक बाद सड़कों पर निकले प्रवासी मजदूरों-कामगारों की खोज खबर भले खत्म हो गई हो लेकिन उनकी समस्याएं खत्म नहीं हुई है। पीठ पर बैग, सिर पर थैला रखकर बॉर्डर पहुंचे लाखों लोगों को बेरंग लौटा दिया गया था, वे लगातार घर जाने की जुगत में रहे। नौ अप्रैल तक केवल दो हफ्तों में सहायता के लिए बिहार भवन में कंट्रेल रूम में फोन, वॉट्सएप, गुगलडॉक, नेट आदि के जरिए करीब 38 हजार से ज्यादा कॉल आए। जिनसे जुड़े 8 लाख 2 हजार 722 प्रवासियों को सहायता पहुंचाने का दावा बिहार भवन ने किया।

आंकड़ों के मुताबिक तनाव में आने, घर पहुंचाने, खाने के लाले, आवास और इलाज से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए लोगों ने सहायता मांगी। घर भेजने के आलाव ज्यादातर मामलों का समाधान हुआ। केवल परिवार में हुई मौत के मामले में लोगों को भेजने की व्यवस्था हो सकी। आंकड़ों के मुताबिक दर्जनों लोग ऐसे भी हैं जिनके माता या पिता की मौत इस दौरान हो गई है। उन्हें उनके घर तक पहुचने की व्यवस्था हुई। बिहार के स्थानीय आयुक्त के मुताबिक दिल्ली स्थित बिहार भवन के कंट्रोल रूम से अब तक लाखों प्रवासियों की सहायता की जा चुकी है। भोजन, आवास एवं चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराई गई। साथ ही कई प्रवासियों को विषम परिस्थिति व अनिवार्य कारणों की वजह से बिहार भेजने का इंतजाम भी किया गया।

बिहार सूचना केंद्र के सहायक आयुक्त लोकेश कुमार झा के मुताबिक जरूरतमंद लोग हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर रहे हैं। गुरुवार की शाम छह बजे तक 18,489 लोगों ने फोन व वॉट्सएप के जरिए संपर्क साधा। इसके अलावा 17,631 लोगों ने गुगलडॉक के जरिए और 2377 सूचनाएं अन्य माध्यमों से सहायता के लिए संपर्क साध चुके थे। उन्होंने बताया कि दिल्ली -एनसीआर से पांच हजार से ज्यादा लोगों ने फीडबैक भेज कर संतोष जताया है। हालांकि पूरे देश से 40 हजार से अधिक लोगों ने अपनी समस्या साझा की है। सकारात्मक पहल की सराहनी की है। प्रतिदिन बुनियादी तौर पर भोजन, आवास और चिकित्सा सहायता पर खुशी जताई है। लोकेश कुमार ने बताया कि प्रवासी मजदूरों की मांग पर जरूरतमंदों के खाना आदि मुहैया कराने के लिए दस और नए जगह चिन्हित किए गए। इन केंद्रो पर औसतन 10 हजार से ज्यादा लोग राहत पा रहे हैं। बदरपुर-मीठापुर, सोनिया विहार, पालम कालोनी, किरारी, शकरपुर, बुरारी, गोविन्दपुरी गली नं 2, आदि जगहों पर भी निःशुल्क खाना आदि मुहैया कराया जा रहा है। दोपहर का खाना 12 से 2 और रात के खाने के लिए सात से रात नौ बजे तक का समय निर्धारित है। इन जगहों पर गुरुवार को 10927 लोगों ने भोजन किए।

अंतिम संस्कार के लिए जारी किया गया पास

जानकारी के मुताबिक बिहार के पूर्णिया जिले के रघुनाथपुर निवासी नीरज ठाकुर की माता का देहांत 29 मार्च को हो गया। दिल्ली में फंसे नीरज ठाकुर ने स्थानिक आयुक्त से संपर्क किया ताकि पूर्णबंदी में वो घर जाकर अपनी मां के अंतिम संस्कार में शामिल हो सकें। उन्हें त्वरित पास जारी हुआ। अपने परिवार के साथ नीरज पैत्रिक घर पहुंचाए गए। इसी प्रकार बिहार के किशनगंज जिले के निवासी अनवर आलम ने भी बिहार भवन से संपर्क कर अपने वालिद के इंतकाल की जानकारी दी और घर जाने में मदद मांगी। 21 साल के अनवर आलम को 28 मार्च को दिल्ली से किशनगंज भेजा गया। इसी तरह टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में इंजीनियर के पद पर कार्यरत अपूर्वा दास कर्फ्यू पास के जरिए सात अप्रैल को अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल हो सकीं।

सब्जी को लेकर विवाद, बुजुर्ग की हत्या

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

शाहदरा इलाके के फर्श बाजार इलाके में इस बुजुर्ग की लाठी डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। ये विवाद सब्जी छीनने को लेकर हुआ था। पुलिस अभी जांच कर रही है कि बुजुर्ग सब्जी बेचने के किए लाया था या अपने घर के लिए। देशबंदी के दौरान राजधानी की संजय कॉलोनी इलाके में रहने वाले संतलाल नाम के व्यक्ति अपने छोटे बेटे मनीष के साथ बाहर से सब्जी लेकर अपने घर की तरफ लौट रहे थे। तभी अचानक पड़ोसी नन्ने उनके बेटे से सब्जी छीनने लगा और इस बात पर हाथपाई हो गई। दोनों की लड़ाई देख संतलाल नन्ने को झगड़ा नहीं करने के लिए समझाने लगे। मगर नन्ने ने गुस्से में बुजुर्ग संतलाल सिर पर लाठी डंडे से वार कर दिया और उनकी मौत हो गई।

कोरोना के लक्षण छिपाने या स्वास्थ्य विभाग को सूचित न करने पर

हत्या के प्रयास के तहत हो सकता है मामला दर्ज

फरीदाबाद, 9 अप्रैल (जनसत्ता)।

पुलिस प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए कोविड-19, कोरोना विषाणु से संक्रमित व्यक्ति को स्वास्थ्य विभाग, पुलिस या प्रशासन को सूचित करना अति आवश्यक कर दिया है। बीमारी छिपाने और सूचित ना करने पर कोरोना से संक्रमित व्यक्ति के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

कोरोना विषाणु संक्रमित व्यक्ति या उसके परिवार के द्वारा प्रशासन को जानकारी देने पर उसको पूरी चिकित्सीय सहायता तुरंत मुहैया कराई जाएगी। अन्यथा कोरोना विषाणु के संक्रमण से बीमारी छिपाने पर पुलिस सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक जिला फरीदाबाद में कोविड-19 से पीड़ित व्यक्ति की सूचना स्वास्थ्य विभाग के कंट्रोल रूम नंबर 0129-2415623, 88829-16056 पर दी जा सकती है।

किसी भी तरह की समस्या ,सुविधा एवं सूचना के लिए के लिए जिला प्रशासन के कंट्रोल रूम नंबर 0129-2221000 और 1950 पर संपर्क किया जा सकता है। पुलिस सहायता के लिए पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 100, पुलिस व्हाट्सऐप नंबर 9999150000 पर संपर्क किया जा सकता है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि बीमारी को छिपाना का मतलब अपने परिवार या आसपास के लोगों में बीमारी को फैलाना है। उन्होंने अपील की कि सामाजिक दूरी बनाए रखें। कोरोना से लड़ी जा रही इस लड़ाई में घर में रहकर सरकार का सहयोग करें और खुद को और अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

बीमारी को छिपाने का मतलब अपने परिवार में बीमारी को फैलाना - आयुक्त

35 लोग सामाजिक दूरी का उल्लंघन करते पाए, मामला दर्ज

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद और दिल्ली पुलिस ने बंगाली मार्केट और बाबर रोड के हॉट स्पॉट क्षेत्र में कीटाणुशोधन छिड़काव और सड़क पर घूम रहे लोगों की धरपकड़ के लिए सघन अभियान चलाया गया। पुलिस ने बंगाली मार्केट में मिठाई की दुकान पर 35 लोगों को न तो सफाई का पालन और न ही सामाजिक दूरी का ख्याल नहीं करते पाया गया। इनके खिलाफ संबंधित धाराओ में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है!

नई दिल्ली जिला मजिस्ट्रेट के विशिष्ट निदेर्शों के अनुसार नई दिल्ली नगरपालिका परिषद द्वारा गुरुवार को बंगाली मार्केट, बाबर रोड और उनके आसपास की गलियों, उप-गलियों, आवासीय परिसरों, पार्कों के सील किए गए हॉटस्पॉट क्षेत्र में एक व्यापक कीटाणुशोधन अभियान चलाया गया है। परिषद की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शकुंतला श्रीवास्तव और निदेशक - बागवानी, एस. चेलाहिया के नेतृत्व में 20 से अधिक लोगों की एक टीम ने क्षेत्र को कीटाणुरहित करने के लिए 1% हाइपोक्लोराइट के तरलघोल के 6000 लीटर कीटाणुशोधन द्रव्य का छिड़काव के लिए उपयोग किया। नई दिल्ली जिला मजिस्ट्रेट के निर्देशानुसार, बंगाली मार्केट से कोरोना लक्षणों वाले दो व्यक्तियों को कोविद -19 (कोरोना वायरस) परीक्षण के लिए आरएमएल अस्पताल ले जाया गया। अभी परिणाम की प्रतीक्षा है। तब तक, उन्हें एकांतवास में रखा गया है।

इसके अलावा, दैनिक स्वच्छता गतिविधियां और डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में इस दौरान कोई गड़बड़ी नहीं हुई, ये गतिविधियां नियमित आधार इन क्षेत्रों में जारी रही।

राजधानी के प्रसिद्ध मंदिर मार्ग स्थित बांगला स्वीट्स के मालिक और उनके बेटे सहित रसोइए को कोरोणा संक्रमित पाया गया है। यह परिवार 68 बाबर रोड, मंडी हाउस के पास रहता है। इस इलाके में दिल्ली पुलिस के कई आइपीएस अधिकारी और दिल्ली सरकार के आइएएस अधिकारी का निवास स्थान है। पुलिस ने इन तीनों को संक्रमित पाए जाने पर अस्पताल में भर्ती कराया है और मामले की जांच शुरू कर दी है! बुधवार रात दस बजे बंगाली मार्केट को सील कर दिया गया है। मिठाई की दुकान के मालिक बंगाली मार्केट में रहते हैं। अब ये पता किया जा रहा है कि मिठाई की दुकान पर कौन-कौन लोग आए थे। इस दुकान पर मिठाई के अलावा खाने का अन्य सामान मिलता है।

एकांतवास में रह रहे लोगों के लिए परामर्श, खाली समय में योग करें व संगीत सुनें

जनसत्ता संवाददाता
गाजियाबाद, 9 अप्रैल।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम ने गुरुवार को सुंदरदीप अस्पताल में बनाए गए एकांतवास में रह रहे लोगों को परामर्श दिया। मनोचिकित्सकीय टीम का नेतृत्व कर रहे मनोचिकित्सक डा. साकेतनाथ तिवारी ने बताया सुंदरदीप में बनाए केंद्र में कुल 192 लोग हैं। इनमें से 98 लोगों की चार समूहों में बांटकर परामर्श दिया गया। टीम ने चिन्हित किए आठ लोगों की अलग से काउंसिलिंग की। डा. साकेतनाथ तिवारी की टीम में काउंसलर चंदा यादव, सोमदेव, आकाश और राकेंद्र शामिल रहे।

मनोचिकित्सकीय टीम ने परामर्श के दौरान बताया वह अपने आपको किसी कैद में न समझें। एकांतवास में उन्हें उनकी और उनके परिवार की सुरक्षा के लिए रखा गया है। वह सुरक्षित रहेंगे तो उनका परिवार सुरक्षित रहेगा और परिवार सुरक्षित रहेगा तो समाज सुरक्षित रहेगा।

इस दौरान विशेषज्ञों ने एकांतवास में रहने वालों से पूछा गया कि उन्हें इस वक्त किसी तरह का मानसिक तनाव तो नहीं है। कुछ लोगों ने अपनी समस्या बताई तो उन्हें समाधान बताया गया। उन्हें बताया जा रहा है कि वह खाली समय में टीवी देखें, संगीत सुनें, योगा करें और ठीक तरीके से खाना खाएं। उन्हें यह भी बताया जा रहा है कि हर समय घर जाने को लेकर तनाव न पालें, मास्क पहनें, एक दूसरे से एक मीटर की दूरी बनाए रखें, खांसते छीकते वक्त अपना मुंह - नाक ढक कर रखें। दिन में एक बार जरूर नहाये, कपड़ों को अच्छी तरह धूप में सुखाएं।

सील किए गए 13 क्षेत्रों में घर-घर जाएंगी आशा- सीएमओ

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम के लिए जनपद में सील किए गए सभी 13 क्षेत्रों में आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर जांच करेंगी। गुरुवार को यह जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारीने बताया कि इस अभियान में करीब छह सौ आशा और इतनी ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लगाई जाएंगी। जांच के दौरान इनका काम यह देखना होगा कि क्षेत्र में किसी को कोरोना के लक्षण तो नहीं हैं। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता यह जानकारी भी जुटाएंगी कि क्षेत्र में कोई बाहर से तो नहीं आया है। केवल विदेश से आने वालों की ही नहीं, बल्कि इस बात की भी जानकारी जुटाई जाएगी कि कोई दूसरे राज्य या जनपद से तो नहीं आया है।

कब तक यहां रहना है ?

इस सवाल पर लोगों को समझाया गया कि कोरोना संक्रमण एक आदमी से दूसरे में फैलता है, इसलिए आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा के लिए आपको 14 दिन के लिए यहां रखा गया है। अगर आप इस बीमारी लेकर घर जाते तो घर परिवार आस- पड़ोस में भी संक्रमण फैल सकता था। सरकार ने आपकी सुरक्षा के लिए ही सब कुछ किया है। मानसिक स्वास्थ्य टीम के सदस्यों कांउसलिंग के दौरान एकांतवास में ठहरे हुए लोगों के सामान्य स्वास्थ्य की भी जानकारी ली।

सभी को यह भी समझाया गया कि खांसी जुकाम या बुखार होने का मतलब कोरोना संक्रमण नहीं है। यह इस बदलते मौसम में सामान्य बात है लेकिन इसका उपचार भी तुरंत कराना जरूरी है।

खबरों में शहर

देशबंदी के दौरान 10 बोतल अवैध शराब जब्त

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

देशबंदी के बीच बाबा हरिदास नगर थाने की पुलिस टीम ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से अवैध शराब की 10 बोतलें बरामद की गई है। आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ है। जिला पुलिस उपायुक्त द्वारका एन्टो अल्फोंस ने बताया कि पकड़े गए तस्कर का नाम लवकेश सिंह है। वह मोहन गार्डन के साईं एंक्लेव का रहने वाला है। देशबंदी के दौरान वह बैग में शराब भरकर ला रहा था। चेकिंग के दौरान हेड कांस्टेबल जगबीर और कांस्टेबल रामस्वरूप की टीम ने एक शख्स को बैग लेकर आते हुए देखा। पुलिस को देखते ही वे भागने की कोशिश करने लगा लेकिन पुलिस स्टाफ ने उसे धर दबोचा और उसकी तलाशी ली। तलाशी ली गई तो उसके बैग से 10 बोतल अवैध शराब बरामद हुई जो सिर्फ हरियाणा में बेचे जाने के लिए मान्य थी।

अदालत : गर्मी की छुट्टियां स्थागित

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

कोरोना विषाणु महामारी के कारण लागू देशबंदी के कारण काम के समय की भरपाई के मद्देनजर दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को 1-30 जून के बीच होने वाली गर्मी की छुट्टियों को स्थगित करने का फैसला किया है। हाई कोर्ट ने अधिनस्थ अदालतों की इस साल जून की गर्मी की छुट्टियों को निरस्त करने का भी फैसला किया है। दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और अन्य जजों ने बैठक में पूर्णबंदी के कारण मुकदमों को लेकर लोगों को होने वाली भारी परेशानियों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया। अदालतों की कार्यवाही लगातार बाधित रहने के मद्देनजर भी अवकाश को निरस्त करने का फैसला लिया गया। वर्तमान में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए केवल बेहद जरूरी मुकदमों की सुनवाई की जा रही है।

पुलिस गरीबों को घर पर पहुंचा रही है खाना

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

कोरोना विषाणु संक्रमण को रोकने के लिए देश में पूर्ण बंदी जारी है। इस दौरान दिल्ली सरकार और गैर सरकारी संस्थानों (एनजीओ) की ओर से गरीबों के लिए लगातार खाने का इंतजाम किया जा रहा है। इसके बाद भी यदि किसी व्यक्ति को खाना उपलब्ध नहीं होता है और वह दिल्ली पुलिस को इस संबंध में सूचित करता है तो दिल्ली पुलिस उसे घर पर खाने का सामान उपलब्ध करा रही है।एक ऐसा ही मामला गुरुवार शाम फतेहपुर बेरी स्थिति असोला एक्सटेंशन में सामने आया। यहां चमन सिंह के मकान में रहने वाले किरायेदार रमेश ने 100 नंबर पर पुलिस को फोन किया और बताया कि उसके पास खाने के लिए कुछ नहीं है। फोन के कुछ समय बाद ही एक पुलिसकर्मी सूबे सिंह उसके लिए खाने का सामान लेकर आया। पुलिस की इस सेवा भाव से आसपास रहने वाले लोगों ने पुलिसकर्मी की तालियां बजाकर हौसलाअफजाई की। हालांकि मकान मालिक का कहना है कि किरायेदार ने उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। यदि हमें जानकारी दी होती तो हम ही उसे खाना उपलब्ध करा देते।

उपायुक्त ने हवाई अड्डे पहुंच उपलब्ध कराया सामान

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली 9 अप्रैल।

देशबंदी और धारा 144 का असर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी साफ तौर से पड़ता दिखाई दे रहा है। उड़ाने बंद होने के कारण दिल्ली केइंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर असर पड़ता दिख रहा है। यहां काम कर रहे 45 सौ कर्मचारी, टैक्सी ड्राइवर, ट्रक ड्राइवर और कैंटीन स्टाफ को खाने के सामान नही मिल रहे है। इस बात की जानकारी हवाईअड्डे के पुलिस उपायुक्त को जैसे ही लगी उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और खाने के बंदोबस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही हवाई अड्डे के पास स्थित एलएनटी कंपनी के दफ्तर में मजदूर कैंप पहुंच उनके बीच डिटोल साबुन, सरकार से अधिकृत मास्क और खाने के पैकेट वितरित किए। पुलिस ने कोरोना विषाणु के बाबत सावधानी बरतनी की अपील की।

www.readwhere.com

कोरोना : 50 करोड़ लोग फंस सकते हैं गरीबी के दलदल में : ऑक्सफैम

लंदन, 9 अप्रैल (एपी)।

गरीबी उन्मूलन की दिशा में काम करने वाली एक अग्रणी संस्था ऑक्सफैम ने गुरुवार को चेताया कि विकासशील देशों की मदद के लिए अगर धनी देश त्वरित कदम नहीं उठाएंगे तो कोरोना महामारी के कारण करीब 50 करोड़ लोग गरीबी के भंवर में फंस जाएंगे।

ऑक्सफैम ने विकासशील देशों की मदद के लिए अमीर देशों से अपने प्रयासों में तेजी लाने का अनुरोध किया है। ऐसा नहीं होने पर गरीबी खत्म करने का अभियान एक दशक पीछे चला जाएगा और अफ्रीका तथा पश्चिम एशिया सहित कुछ इलाके 30 साल तक पीछे जा सकते हैं।

ऑक्सफैम इंटरनेशनल के अंतरिम कार्यकारी निदेशक जोस मारिया वेरा ने कहा, 'महामारी के कारण तबाह होती अर्थव्यवस्था की आहट दुनियाभर में महसूस की जा रही है। लेकिन गरीब देशों में गरीब लोग, जो पहले ही भुखमरी का सामना कर रहे हैं, इस भंवर में जाने से खुद को बचा नहीं पाएंगे।'

ऑक्सफैम ने विकासशील देशों की मदद के लिए अमीर देशों से अपने प्रयासों में तेजी लाने का अनुरोध किया है।

किंग कॉलेज लंदन और ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी में हुए अध्ययन पर आधारित रिपोर्ट में चेताया गया है कि वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सरकारों द्वारा अर्थव्यवस्था के समूचे क्षेत्र को बंद करने से वैश्विक आबादी का छह से आठ फीसद हिस्सा गरीबी के भंवर में फंस जाएगा।

रिपोर्ट में उदाहरण देते हुए कहा गया है कि पश्चिम के कई देशों में लॉकडाउन होने के कारण ऑर्डर रद्द होने या स्थगित होने से बांग्लादेश में वस्त्र निर्माण में लगे 10 लाख कामगारों की छुट्टी हो चुकी है या बिना वेतन के उन्हें घर भेज दिया गया है। ऑक्सफैम ने वैश्विक नेताओं से गरीब देशों और गरीब समुदायों को उबारने के लिए आर्थिक पैकेज लाने पर सहमति बनाने का आह्वान किया है।

विभिन्न उपायों के अलावा ऑक्सफैम ने 2020 में विकासशील देशों द्वारा एक खबर डॉलर कर्ज भुगतान को भी रद्द करने की अपील की है।

सैंडर्स ने राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से हटकर बाइडन का रास्ता किया साफ

वाशिंगटन, 9 अप्रैल (एएफपी)।

वामपंथी झुकाव वाले अमेरिकी सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से बुधवार को खुद को बाहर कर इस शीर्ष पद का डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने की जो बाइडन की राह साफ कर दी।

राष्ट्रपति चुनाव में बाइडन का डोनाल्ड ट्रंप को टक्कर देना लगभग तय

इसके साथ ही नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में बाइडन का अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को टक्कर देना लगभग तय माना जा रहा है।

सैंडर्स ने अपने घर से लाइवस्ट्रीम में कहा, 'मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि यह लड़ाई सफल नहीं होगी। उप राष्ट्रपति बाइडन उम्मीदवार होंगे। एक सज्जन पुरुष, जिनके साथ मैं हमारे प्रगतिशील विचार आगे बढ़ाने के लिए काम करूंगा'

भारत, जापान में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामले

न्यूयार्क, 9 अप्रैल (एपी)।

जापान में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं और भारत के भीड़भाड़ वाले शहरों में संक्रमण का खतरा तेज हो रहा है । उधर, अमेरिका और यूरोप के कोविड-19 से बुरी तरह प्रभावित कुछ देशों में इसका प्रकोप कम होता दिख रहा है तथा वे पाबंदियों में ढील देने के बारे में विचार कर रहे हैं। जिन देशों में महामारी का प्रकोप कम हो रहा है, वहां इस संक्रमण को फैलने से रोकने में ये पाबंदियां ही काम आई हैं।

जापान में गुरुवार को पहली बार 500 से अधिक मामले सामने आए। यह बढ़ातेरी चिंताजनक है क्योंकि इस देश में बड़ी आबादी बुजुर्गों की है और यह संक्रमण बुजुर्गों के लिए खासतौर पर घातक है।

प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने इस हफ्ते की शुरुआत में तोक्यो और अन्य छह स्थानों पर आपातकाल घोषित कर दिया था लेकिन लॉकडाउन की घोषणा नहीं की। यहां कंपनियां भी घर से काम को पूरी तरह से अपना नहीं पाई हैं और तोक्यो की सड़कों पर अब भी लोगों का सामान्य आवागमन देखा जा रहा है।

भारत में 1.3 अरब लोग अगले हफ्ते तक पूर्ण बंदी का सामना कर रहे हैं। यहां राजधानी और इसके इर्दगिर्द कई दर्जन हॉटस्पॉट सील कर दिए गए हैं। लोगों को घरों से निकलने की इजाजत नहीं है और आवश्यक वस्तुओं तथा दवाइयों की आपूर्ति उन्हें की जा रही है। भारत में संक्रमण के मामले पांच हजार के आंकड़े को पार कर चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, संक्रमण के कारण 166 लोगों की मौत हो चुकी है।

इस बीच, इटली और स्पेन जैसे स्थान जहां पर मिलाकर 30,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, वहां कोविड-19 का प्रकोप कुछ कम होता दिख रहा है।

पाक का दावा, भारत का छोटा निगरानी ड्रोन गिराया

इस्लामाबाद, 9 अप्रैल (भाषा)।

पाकिस्तान ने गुरुवार को दावा किया कि उसने नियंत्रण रेखा पर हवाई क्षेत्र का कथित रूप से उल्लंघन करने पर भारत के एक छोटे निगरानी ड्रोन को गिरा दिया। पाकिस्तानी सेना के एक बयान के मुताबिक, भारत का ड्रोन 'उकसाने वाली कार्रवाई' करते हुए नियंत्रण रेखा पर संख सेक्टर में निगरानी के लिए पाकिस्तान की तरफ 600 मीटर तक अंदर आ गया था।

पाकिस्तानी सेना ने कहा, 'खुल्लमखुल्ला की गई हरकत का पाकिस्तानी फौज ने आक्रामकता से जवाब देते हुए भारतीय ड्रोन को मार गिराया।' बयान में कहा गया है कि भारतीय सेना की ओर से ऐसे अवांछित कृत्य स्थापित नियमों और दोनों देशों के बीच मौजूदा हवाई समझौते का उल्लंघन है। बयान में कहा गया है कि यह घुसपैठ भारतीय सेना द्वारा 2003 में हुए संघर्षविराम समझौते की लगातार उपेक्षा को दर्शाता है।

कोरोना के बढ़ते खतरे के बीच दर्जनों रोहिंग्या को रिहा किया

पथेन (म्यांमा), 9 अप्रैल (एएफपी)।

म्यांमा के अशांत रखाइन प्रांत से भागने पर हिरासत में लिए गए अनेक रोहिंग्या मुसलिमों पर लगे आरोपों को खत्म किया गया और जेलों में कोरोना के संक्रमण के बढ़ते खतरे के मद्देनजर उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया है। म्यांमा की जेलों में क्षमता से अधिक कैदी बंद हैं और ऐसे में इन स्थानों पर कोरोना वायरस के प्रकोप का खतरा ज्यादा है।

देश में 2017 में रोहिंग्या मुसलिमों के खिलाफ सेना की कार्रवाई के बाद 7,50,000 रोहिंग्या ने बांग्लादेश में शरण ली है। रखाइन में अब भी मौजूद रोहिंग्या मुस्लिमों की पहुंच स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक बेहद कम है। वे अपनी मर्जी से कहीं आने-जाने में भी असमर्थ है। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने उनकी स्थिति को 'रंगभेद' वाला करार दिया है।

कई वर्षों से रोहिंग्या मुसलिम पनाह की तलाश में इधर-उधर भटकते रहे हैं। हाल के महीनों में सैकड़ों को आव्रजन कानून का उल्लंघन करने के आरोप में पकड़ा गया और जेलों में बंद किया गया। बुधवार को एक अदालत ने हिरासत में लिए गए रोहिंग्या के दो समूहों से अचानक आरोप हटा लिए। इनकी संख्या 128 है।

देश में 2017 में रोहिंग्या मुसलिमों के खिलाफ सेना की कार्रवाई के बाद 7,50,000 रोहिंग्या ने बांग्लादेश में शरण ली

न्यायाधीश खिन मियात मियात हतुन ने पथेन अदालत से अयेयारवाडी क्षेत्र में कहा, 'वयस्कों और बच्चों के खिलाफ लगे आरोपों को हटाया जाता है और इन्हें रिहा किया जाए।' एएफपी के एक संवाददाता ने पुष्टि की है कि गुरुवार सुबह पथेन जेल से चार बसों में रोहिंग्या को यांगून ले जाया गया है। एक रोहिंग्या मानवाधिकार कार्यकर्ता ने एएफपी को बताया कि कई अन्य अदालतें भी दर्जनों रोहिंग्या को छोड़ेंगी और उन्हें रखाइन भेजेंगी।

बांग्लादेश में रोहिंग्या शिविर 'पूर्ण बंदी' के दायरे में

कॉक्स बाजार, 9 अप्रैल (एएफपी)।

बांग्लादेश ने कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए कॉक्स बाजार जिले में 'पूर्ण बंदी' लागू कर दी है, जहां म्यांमा से आए दस लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थी रहते हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि यह बीमारी इस जिले में तेजी से फैल सकती है जहां बड़े पैमाने पर रोहिंग्या मुसलिम शिविरों में रहते हैं।

शिविरों में अभी तक किसी मामले की पुष्टि नहीं हुई है लेकिन पास के इलाके में संक्रमण का एक मामला दर्ज किया गया है। देश भर में कोरोना वायरस के 200 से अधिक मामले हैं। इनमें से 20 लोगों की जान जा चुकी है। अधिकारियों ने बुधवार देर रात से जिले में लॉकडाउन का आदेश दिया। निर्देश के अनुसार, 'क्षेत्र में पूर्ण बंदी लागू की जाएगी। जब तक स्थिति में सुधार नहीं होता, तब तक न कोई जिले की सीमा से अंदर आ सकता है और न कोई बाहर जा सकता है।'

खुफिया एजंसी के प्रमुख इस साल इराक के तीसरे प्रधानमंत्री मनोनीत

बगदाद, 9 अप्रैल (एएफपी)।

इराक के राष्ट्रपति बरहम सालेह ने गुरुवार को खुफिया प्रमुख मुस्तफा काधेमी को इस साल देश का तीसरा प्रधानमंत्री मनोनीत किया। इससे कुछ ही देर पहले अदनान जुरफी ने सरकार बनाने से हाथ पीछे खींच लिया। काधेमी को मनोनीत किए जाने के लिए आयोजित समारोह में देश की शीर्ष राजनीतिक हस्तियों ने भाग लिया जिससे संकेत मिलता है कि 53 वर्षीय काधेमी को पूर्व में मनोनीत दोनों प्रधानमंत्रियों से ज्यादा समर्थन प्राप्त है।

पिछले हफ्ते राजनीतिक बैठकों के बाद इराक की राष्ट्रीय खुफिया सेवा के प्रमुख काधेमी के नाम पर आम सहमति बनी।

समारोह में ईरान के जनरल इस्माइल कानी भी थे जिन्होंने बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले के बाद से ईरान की शक्तिशाली कुद्स फोर्स का संचालन संभाल रखा है। जनवरी में अमेरिकी हमले में इस्माइल कानी के पूववर्ती जनरल कासिम सुलेमानी मारे गए थे। तेहरान का इराक पर राजनीतिक और सैन्य प्रभाव है और उसकी मंजूरी को किसी भी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के लिए जरूरी माना जाता है।

ईरान समर्थक तबकों ने जुरफी के मनोनयन का विरोध किया था जिसके बाद अंततः उन्हें प्रधानमंत्री पद के लिए अपनी उम्मीदवारी वापस लेनी पड़ी। जुरफी से पहले पूर्व मंत्री मोहम्मद अलावी भी मंत्रिमंडल को एकजुट नहीं कर सके।

इस बीच, इराक के कार्यवाहक नेता आदिल आब्देल महदी ने कैबिनेट का नेतृत्व संभाला जिन्होंने कई महीने तक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद दिसंबर में इस्तीफा दे दिया था। काधेमी के अमेरिका से करीबी संपर्क बताए जाते हैं लेकिन राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक हाल के महीनों में उन्होंने वाशिंगटन के दुश्मन तेहरान के साथ भी संबंधों को सुधारा है। अब काधेमी के पास विश्वास मत के लिहाज से 329 सदस्यीय संसद को अपने मंत्रिमंडल की सूची सौंपने के लिए 30 दिन का समय है। काधेमी ऐसे समय में कमान संभालने जा रहे हैं जब इराक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। दुनियाभर में तेल के दाम कम होने तथा कोरोना संक्रमण फैलने के कारण इराक के सामने बजट का संकट है।

कोरोना प्रबंधन के लिए 'दीक्षा' पोर्टल पर प्रशिक्षण शुरू

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

कोरोना विषाणु के संकट को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय चिकित्सकर्मियों को तैयार कर रहा है। इसके तहत लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। अब निर्णय किया गया है कि प्रशिक्षण के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 'दीक्षा' पोर्टल का इस्तेमाल किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि भारत सरकार ने अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा महामारी से कारगर रूप से निपटने के लिए क्षमता निर्माण के लिए 'दीक्षा' प्लेटफॉर्म पर कोरोना के प्रबंधन के वास्ते इंटेग्रेटड गवर्मेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग (आइगॉट) नामक प्रशिक्षण माड्यूल शुरू किया है। दीक्षा प्लेटफॉर्म मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया छात्रों एवं शिक्षकों के प्रशिक्षण का प्लेटफार्म है।

मंत्रालय के अनुसार, पोर्टल का उद्देश्य कोरोना महामारी से प्रभावी ढ़ग से निबटने के लिए अग्रिम पंक्ति में तैनात लोगों की क्षमताओं को बढ़ाना है।

मंत्रालय के अनुसार, पोर्टल का उद्देश्य कोरोना महामारी से प्रभावी ढ़ग से निबटने के लिए अग्रिम पंक्ति में तैनात लोगों की क्षमताओं को बढ़ाना है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से चिकित्सकों, नर्सों, अर्द्ध चिकित्साकर्मियों, तकनीशियनों, सहायक नर्सिंग कर्मी (एएनएम), राज्य सरकार के अधिकारियों, नागरिक सुरक्षा अधिकारियों, विभिन्न पुलिस संगठनों, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), नेहरू युवा केंद्र संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, भारत स्काउट और गाइड तथा स्वेच्छा से काम करने के इच्छुक अन्य लोगों के लिए शुरू किया गया है। यह प्लेटफार्म किसी भी जगह, किसी भी समय प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करता है ताकि कोरोना से प्रभावी तरीके से निबटने के लिए आवश्यक कार्यबल को और सशक्त बनाया जा सके।

मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने ट्वीट कर बताया कि यह घोषणा कर खुशी हो रही है कि कोरोना महामारी से मुकाबला करने के निए कोरोना योद्धाओं की मदद के लिए 'आइगॉट' प्लेटफॉर्म शुरू किया जा रहा है। आइगॉट को दीक्षा प्लेटफॉर्म के माध्यम से शुरू किया गया है।

एनटीए ने जेईई मुख्य के परीक्षा केंद्रों में बदलाव की तारीख बढ़ाई

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 9 अप्रैल।

राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) ने इंजीनियरिंग कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मुख्य के परीक्षा केंद्रों में बदलाव की तारीख बढ़ा दी है। लाखों उम्मीदवारों की सुविधा को देखते हुए यह फैसला किया गया है। अब बदलाव 14 अप्रैल शाम पांच बजे तक किया जा सकेगा।

एजंसी के महानिदेशक विनित जोशी की ओर से जारी सूचना के मुताबिक कोरोना संकट को देखते हुए एनटीए ने जेईई मुख्य के परीक्षा केंद्र में बदलाव का मौका उम्मीदवारों को दिया है। उम्मीदवार एनटीए की वेबसाइट पर जाकर परीक्षा केंद्र में बदलाव कर सकते हैं। इतना ही नहीं उम्मीदवार इस अवधि में अपने फॉर्म में अन्य सुधार भी कर सकेंगे। सुधार के बाद आवश्यक होने पर शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यमों से किया जा सकता है। इसके बाद उम्मीदवारों को फॉर्म में सुधार का कोई अवसर नहीं दिया जाएगा।

एम्पी डिस्टिलरीज लिमिटेड
CIN:L15511TN1983PLC010313
एम्पी, टावर, नं. 59, हैरिस रोड पोडुपेट चेन्नई, टी एन-600002

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि अपने आदेश तिथि 20 जनवरी, 2020 (एनसीएलटी आदेश) द्वारा राष्ट्रीय कम्पनी कानून अधिकरण, चेन्नई पीठ (एनसीएलटी) ने एसएनजे डिस्टिलर्स प्राईवेट लिमिटेड (प्रस्ताव आवेदक) द्वारा जमा की गई प्रस्ताव योजना को स्वीकार किया है।

प्रस्ताव योजना के अभिन्न भाग के रूप में तथा एनसीएलटी आदेश की तिथि से कम्पनी का इक्विटी शेयर्स भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों का असूचीकरण) विनियमन, 2019 के विनियमन 3(3) के साथ पठित एनसीएलटी आदेश के अनुसार असूचीबद्ध होगा।

स्वीकृति प्रस्ताव योजना के अनुसार कम्पनी की सम्पूर्ण वर्तमान शेयर धारिता निल हो जायेगा क्योंकि दिवाला तथा दिवालिया संहिता, 2016 की धारा 53 के अंतर्गत परिभाषित रुप में प्राथमिकता के आदेश में बकायों के भुगतान के बाद भारत दिवाला तथा दिवालिया संहिता (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिये दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) के विनियमन 35 के अंतर्गत कम्पनी का परिसमापन मूल्य निल निर्धारित किया गया है। अतएव, कम्पनी में वर्तमान शेयर धारकों का सभी अधिकार समाप्त हो जायेगा तथा किसी भी विद्यमान शेयर धारकों को कम्पनी, उसकी परिसम्पत्तियों अथवा उसके व्यवसायों में किसी भी प्रकार का कोई अधिकार नहीं होगा।

अतएव, वर्तमान इक्विटी शेयरधारक किसी भी प्रकार का भुगतान प्राप्त करने के लिये अधिकृत नहीं होंगे और इस प्रकार प्रस्ताव योजना के अनुसार कम्पनी के वर्तमान इक्विटी शेयर धारकों के लिये कोई भी प्रस्ताव नहीं किया जायेगा।

एस.राजेन्द्रन
प्रस्ताव कर्मी एवं प्रमुख-निगरानी समिति
एम्पी डिस्टिलरीज लि. के मामले में
ईमेलः cs.srajendran.associates@gmail.com
वेबसाईटः http://www.empeegroup.co.in/#

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda India's International Bank
शाखा चाँदनी चौक, दिल्ली –110006
मो. 8130999111

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि **बैंक ऑफ बड़ौदा, चाँदनी चौक, दिल्ली द्वारा निम्नलिखित सम्पत्ति जोकि श्री अरविंद खन्ना पुत्र श्री विपिन खन्ना निवासी बी-35, ग्रेटर कैलाश, पार्ट-I, नई दिल्ली के नाम पर को हाउसिंग लोन हेतु गिरवी रखने के लिए** (i) श्रीमती अंजलि अग्रवाल पत्नी श्री संतोष कुमार अग्रवाल, (ii) श्री अभिषेक अग्रवाल पुत्र श्री संतोष कुमार अग्रवाल, (iii) श्री अनुराग अग्रवाल पुत्र श्री संतोष कुमार अग्रवाल (iv) श्रीमती नेहा अग्रवाल पत्नी श्री अभिषेक अग्रवाल और (v) श्रीमती वाक् अग्रवाल पत्नी श्री अनुराग अग्रवाल सभी निवासी एच-1508, चित्तरंजन पार्क, नई दिल्ली द्वारा अनुरोध दाखिल किया है। यदि किसी को संपत्ति के अधिकार पर कोई टाईटल / दावा / रूचि / दावे है तो, उन्हें अपने दावे को प्रमाणित करने के लिए आवश्यक प्रमाण के साथ 10 दिनों के भीतर बैंक से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। यदि 10 दिनों के भीतर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलती है, तो यह माना जाता है कि संपत्ति किसी भी भार / दावे / इनकम्ब्रेन्स से मुक्त है और बैंक बंधक प्रक्रिया में आगे बढ़ेगा।

संपत्ति का विवरण

प्लॉट नं.35, ब्लॉक–बी, क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज, रिहायशी कॉलोनी जिसे अब ग्रेटर कैलाश, पार्ट – I कहते है, नई दिल्ली, गाँव जमरुदपुर, केंद्र शासित प्रदेश, दिल्ली में स्थित, चौहद्दी : पूरब में – रोड, पश्चिम में – रोड, उत्तर में – प्लॉट नं. बी–33, दक्षिण में – प्लॉट नं. बी–37

प्राधिकृत अधिकार, बैंक ऑफ बड़ौदा

BOI AXA Mutual Fund
(Investment Manager: BOI AXA Investment Managers Private Limited)
Registered Office: B/204, Tower 1, Peninsula Corporate Park, Ganpatrao Kadam Marg, Lower Parel, Mumbai 400013
CIN: U65900MH2007FTC173079

BOI AXA Mutual Fund

NOTICE

DISCLOSURE WITH RESPECT TO HALF-YEARLY PORTFOLIO STATEMENT OF THE SCHEMES OF BOI AXA MUTUAL FUND

Notice is hereby given to the Investors/Unit holders of all the Schemes of BOI AXA Mutual Fund (the Fund) that in accordance with Regulation 59A of Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996 read with SEBI Circular no. SEBI/HO/IMD/DF2/CIR/P/2018/92 dated June 05, 2018, the Half - Yearly Portfolio Statement of Schemes of the Fund for half year ended March 31, 2020, has been hosted on the website of the Fund viz. www.boiaxamf.com and on the website of AMFI viz. www.amfiindia.com.

Investors can submit a request for physical or soft copy of Half - Yearly Portfolio Statements by giving a call to our Service Centre at 1800-103-2263/1800-266-2676 or sending an SMS to 9210012222 from investor's registered mobile number in the format HSTMTE<Space> Folio no. for soft copy and HSTMTP<Space>Folio no. for physical copy or sending an email to service@boiaxa-im.com or writing a letter to Head - Customer Services, BOI AXA Investment Managers Private Limited, B/204, Tower 1, Peninsula Corporate Park, Ganpatrao Kadam Marg, Lower Parel, Mumbai 400 013.

For **BOI AXA Investment Managers Private Limited**
(Investment Manager for BOI AXA Mutual Fund)
Sd/-
Authorised Signatory

Place : Mumbai
Date : April 09, 2020

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

ICICI Prudential Asset Management Company Limited
Corporate Identity Number: U99999DL1993PLC054135

Registered Office: 12th Floor, Narain Manzil, 23, Barakhamba Road, New Delhi - 110 001.
Corporate Office: One BKC, 13th Floor, Bandra Kurla Complex, Mumbai - 400 051.
Tel.: +91 22 2652 5000, Fax: +91 22 2652 8100, Website: www.iciciprumf.com,
Email id: enquiry@icicipruamc.com
Central Service Office: 2nd Floor, Block B-2, Nirlon Knowledge Park, Western Express Highway, Goregaon (E), Mumbai - 400 063. Tel.: 022 2685 2000 Fax: 022 26868313

Notice to the Investors/Unit holders of ICICI Prudential Mutual Fund
Half-Yearly Portfolio Statement of Schemes

NOTICE is hereby given that the half-yearly portfolio statement of schemes of ICICI Prudential Mutual Fund for half year ended March 31, 2020 will be hosted on April 10, 2020 on the website of ICICI Prudential Asset Management Company Limited (the AMC) viz. www.icicipruamc.com and on the website of Association of Mutual Funds in India (AMFI) viz. www.amfiindia.com in accordance with Regulation 59A of Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, read with SEBI Circular No. SEBI/HO/IMD/DF2/CIR/P/2018/92 dated June 5, 2018.

Investors may accordingly view/download the portfolio statement of schemes from the website of the AMC.

Investors can also request for the physical/soft copy of portfolio statement of schemes through any of the following modes:

1. Give a call at our Contact Centre at:
   - MTNL/BSNL: 1800 222 999
   - Others: 1800 200 6666
2. Send an email to enquiry@icicipruamc.com
3. Submit a letter at any of the AMC Offices or our CAMS Investor Service Centres, details of which are available on the AMC website viz. www.icicipruamc.com.

For **ICICI Prudential Asset Management Company Limited**
Sd/-
Authorised Signatory

Place : Mumbai
Date : April 09, 2020
No. 005/04/2020

To know more, call 1800 222 999/1800 200 6666 or visit www.iciciprumf.com

As part of the Go Green Initiative, investors are encouraged to register/update their e-mail id and mobile number to support paper-less communications.

To increase awareness about Mutual Funds, we regularly conduct Investor Awareness Programs across the country. To know more about it, please visit https://www.iciciprumf.com or visit AMFI's website https://www.amfiindia.com

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

L&T Mutual Fund
6th Floor, Brindavan, Plot No. 177
C. S. T. Road, Kalina
Santacruz (East), Mumbai 400 098
call 1800 2000 400
email investor.line@lntmf.co.in
www.ltfs.com

L&T Financial Services Mutual Fund

Notice (No. 02 of F.Y. 2020 – 2021)

Notice is hereby given that in accordance with Regulation 59A of Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996 read with SEBI circular no. SEBI/HO/IMD/DF2/CIR/P/2018/92 dated June 05, 2018, the half-yearly statement of scheme portfolio of L&T Mutual Fund ("the Fund") for half year ended March 31, 2020 has been hosted on the website of the Fund viz. www.ltfs.com and on the website of AMFI viz. www.amfiindia.com.

Investors can request for physical/soft copy of statement of scheme portfolio through any of the following means:
a. SMS: - Send SMS to 567678 from investor's registered mobile number. SMS format "LTMFHPE <Space>Folio no. for soft copy and LTMFHPP <Space> Folio no. for physical copy.
b. Telephone: - Give a call at our toll-free no. at 1800 2000 400 & 1800 4190 200
c. E-mail: - Send an email to investor.line@lntmf.co.in
d. Letter: - Submit a letter at any of the AMC Offices or CAMS investor Service Centres, details available at www.ltfs.com.

As you are aware, due to COVID-19 pandemic and as per the government and Municipal authorities directive, the Investor Service centres of L&T Investment Management and Registrar and Transfer Agent (CAMS) including our Call centers are closed for the temporary period and hence the request for the physical copy will be addressed only after the situation comes under control and until social distancing advisory is withdrawn by the authorities.

Investors/Unit holders are requested to take note of the aforesaid

For L&T Investment Management Limited
(Investment Manager to L&T Mutual Fund)

Kailash Kulkarni
Chief Executive Officer

Date : April 09, 2020
Place: Mumbai

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

www.readwhere.com

जनसत्ता

जांच की कीमत

इस वक्त सारा देश कोरोना विषाणु के संक्रमण का चक्र तोड़ने के हर उपाय आजमा रहा है, फिर भी इस पर काबू पाना मुश्किल बना हुआ है। मांग की जा रही है कि लोगों की जांच में तेजी लाई जाए, पर संसाधनों की कमी के चलते सरकारें इस दिशा में गति नहीं बढ़ा पा रहीं। ऐसे में कुछ निजी प्रयोगशालाओं को भी जिम्मेदारी दी गई है कि वे कोरोना विषाणु की जांच कर सकती हैं। पहले देश में एक सौ अठारह प्रयोगशालाएं प्रति दिन पंद्रह हजार नमूनों की जांच कर पा रही थीं, अब सैंतालीस और निजी प्रयोगशालाओं को जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सरकार ने इस जांच की फीस भी तय कर दी है कि कोई भी प्रयोगशाला इस जांच के लिए साढ़े चार हजार रुपए से अधिक फीस न वसूले। पर यह फीस गरीब तो क्या, मध्य वित्तवर्ग के बहुत सारे लोगों के लिए भी भारी रकम है। इसलिए एक याचिका में सुप्रीम कोर्ट के सामने गुहार लगाई गई थी कि इस जांच का पैसा सरकारें अदा करें। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया है कि वह निजी प्रयोगशालाओं पर नजर रखे, ताकि वे मनमानी फीस न वसूलने पाएं।

जिस तरह हर रोज संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है, उसमें सबसे जरूरी है कि जांच में तेजी लाई जाए और अधिक से अधिक लोगों के नमूने लिए जाएं। इस तरह संक्रमितों की पहचान जल्दी होगी और उन्हें अलग-थलग कर दूसरों में संक्रमण फैलने से रोका जा सकेगा। पर स्थिति यह है कि सरकारी प्रयोगशालाओं की क्षमता इतनी नहीं है कि वे हर रोज लाखों लोगों की जांच कर सकें। फिर ये प्रयोगशालाएं कुछ शहरों में स्थित हैं, इसलिए दूर-दराज के गांवों-कस्बों के लोगों की जांच कर पाना कठिन काम बना हुआ है। ऐसे में निजी प्रयोगशालाओं के सहयोग से जांच में तेजी लाने का सरकार का प्रयास कारगर साबित हो सकता है। हालांकि गरीब लोगों को इसकी जांच और इलाज वगैरह का खर्च उठाने में दिक्कत न पेश आए, इसके लिए आयुष्मान भारत योजना से इसे जोड़ दिया गया है। यानी इस योजना में पंजीकृत लोग निजी अस्पतालों में भी जांच और इलाज करा सकेंगे, जिसका खर्च सरकार उठाएगी। पर हकीकत यह है कि अब भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो आयुष्मान भारत योजना में पंजीकृत नहीं हैं। उन्हें इस सुविधा का लाभ नहीं मिल पाएगा। ऐसे में इस महामारी से आशंकित या प्रभावित बहुत सारे लोगों के सामने जांच की रकम चुकाने की चिंता स्वाभाविक है।

राज्य सरकारें गरीबों को आर्थिक मदद और भोजन संबंधी सुविधाएं मुहैया करा रही हैं। संक्रमितों की पहचान के लिए प्रयास भी पर्याप्त हो रहे हैं। इसी तरह जांच के मामले में भी अगर सरकारें थोड़ी उदारता और बरतें, इसे मुफ्त कराने की व्यवस्था करें, तो निस्संदेह संक्रमितों की पहचान और उनके इलाज में तेजी आएगी। इस समय चिंता यह है कि संक्रमण सामुदायिक स्तर पर न पहुंचने पाए। इसके लिए सामाजिक दूरी बनाए रखने के कड़े उपाय किए गए हैं। पर सही अर्थों में यह तभी संभव होगा जब जांच में तेजी आए। दिल्ली सरकार ने तेज गति से और सभी लोगों तक जांच अभियान की पहुंच सुनिश्चित करने की वचनबद्धता दोहराई है। अन्य राज्य सरकारें भी इस दिशा में तेजी लाने का प्रयास करें, तो जल्दी स्थिति में सुधार की सूरत बनेगी। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर सरकारों को इस दिशा में मुस्तैदी दिखाने की जरूरत है।

भर्ती में मनमानी

सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में पक्षपात, रिश्वत, रसूख, सिफारिश वगैरह का बोलबाला छिपी बात नहीं है। यहां तक कि आरक्षण वाले पदों पर भी इसका प्रभाव देखा जाता है। अनेक जगहों पर भर्तियों में बड़े पैमाने पर अनियमितता की शिकायतें मिलने के बाद उन्हें रद्द किया जा चुका है। हरियाणा में शारीरिक प्रशिक्षकों की भर्ती में हुई अनियमितता के कारण उन्हें रद्द किया जाना इसका ताजा उदाहरण है। करीब चौदह साल पहले इसके लिए आवेदन मंगाए गए थे और फिर चयन प्रक्रिया के बाद दस साल पहले करीब दो हजार प्रशिक्षकों की नियुक्ति कर दी गई थी। उस चयन प्रक्रिया में धांधली की शिकायत की गई, जिस पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने पूरी भर्ती को रद्द करने का आदेश दिया था। उस आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई। अब सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हुए सभी भर्तियों को रद्द कर इन पदों के लिए नए सिरे से चयन प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। इस तरह जो लोग पिछले दस सालों से नौकरी कर रहे थे, उन्हें भी नए सिरे से आवेदन करना और चयन प्रक्रिया में शामिल होना पड़ेगा। गनीमत है, अदालत ने इन पदों पर काम कर रहे लोगों से पैसे वसूलने का आदेश नहीं दिया है।

हरियाणा में यह पहली घटना नहीं है। पहले भी सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की भर्ती में बड़े पैमाने पर हुई अनियमितता की शिकायत मिलने पर अदालत ने उसे रद्द कर दिया था। उसमें कई रसूख वाले राजनेताओं को सजा भी मिली थी। इस तरह के मामले उत्तर प्रदेश में भी पुलिस और शिक्षकों की भर्ती में उठ चुके हैं। छिपी बात नहीं है कि जो भी राजनीतिक दल सत्ता में आता है, वह सरकारी नौकरियों में अपने नजदीकी लोगों को भरने का प्रयास करता है। जबसे कुछ राजनीतिक दलों ने अपना आधार जातीय समीकरण पर बना लिया है, उनके सत्ता में आने पर सरकारी भर्तियों में उन जातियों के लोगों की बहुलता स्पष्ट नजर आती है। हालांकि हर नौकरी के लिए न्यूनतम अर्हता और योग्यता तय होती है, पर जिस तरह चपरासी जैसे पदों के लिए लाखों ऊंची डिग्री वाले लोग भी आवेदन करते देखे जाते हैं, उसमें वही कामयाब हो पाते हैं, जिनकी पहुंच चयन प्रक्रिया में शामिल या सत्ता के निर्णायक पदों का निर्वाह कर रहे लोगों तक हो। इस तरह राजनीतिक दल अपना जनाधार मजबूत करने और चुनाव आदि के लिए धन जमा करते भी देखे जाते हैं।

कई बार सरकारी नौकरियों की चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के उपायों पर जोर दिया जाता है, पर जब सत्ता पक्ष खुद अनियमितताओं में शामिल हो, तो किसी भी उपाय की कोई अहमियत नहीं रह जाती। हरियाणा में शारीरिक प्रशिक्षकों की भर्तियों में भी तत्कालीन सरकार की पक्षपातपूर्ण भूमिका चिह्नित हुई है। राजनीतिक दलों और सत्ता पक्ष के जिम्मेदार लोगों की इस प्रवृत्ति के चलते ही आम लोगों में यह विश्वास बन चला है कि बिना सिफारिश के सरकारी नौकरी नहीं मिलती। हालांकि ऊंचे पदों की भर्ती के लिए राज्यों के लोक सेवा आयोग हैं, जो प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित करते हैं, पर उनमें भी साक्षात्कार के समय पक्षपात की शिकायतें आम हैं। जब तक इस प्रवृत्ति पर काबू करने के पुख्ता इंतजाम नहीं होते, तब तक न तो वास्तविक रूप से हकदार युवाओं को सरकारी नौकरियों में जगह मिल पाएगी और न प्रशासन में सुधार आएगा।

कल्पमेधा

तृष्णा संतोष की शत्रु है, वह जहां पांव जमाती है,
संतोष को भगा देती है।
– सुकरात

कुदरत मुस्कुरा रही है

पंकज चतुर्वेदी

मानवीय दखल के कारण तेजी से दूषित हो रही प्रकृति ने चेतावनी दी है कि उसके साथ ज्यादा खिलवाड़ हुआ तो उसका नतीजा ठीक नहीं होगा। दुनिया यायातात प्रबंधन, जाम, औद्योगिक प्रदूषण, जल की गुणवत्ता आदि दिक्कतों से जूझ रही है और इसके मशीनी निदान पर हर साल अरबों डॉलर खर्च होते हैं। कोरोना संकट ने बता दिया कि मशीनों के अतार्किक उपयोग पर रोक लगेगी, तभी प्रकृति नैसर्गिक बनी रहेगी।

यमुनोत्री से इलाहबाद तक के अपने सफर में यमुना नदी का प्रवाह दिल्ली में महज दो फीसद है, लेकिन यहां का जहर इसके कुल प्रदूषण में छिहत्तर प्रतिशत इजाफा करता है। इसे साफ करने के लिए 1994 से अभी तक दो हजार करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। मगर स्थिति में लेशमात्र बदलाव नहीं आया है। पर जब कोरोना विषाणु के खौफ से राजधानी थमी, तो बारहवें दिन ही यहां की यमुना करीब साठ प्रतिशत तक साफ हो गई।

पूर्ण बंदी के दौरान कल-कारखाने क्या बंद हुए, दो सप्ताह में ही पूरे देश की नदियां जल-संपन्न हो गईं। हमारी नदियों में पानी की मात्रा पिछले दस सालों में सबसे अधिक हो गई है। बंदी के बाद दो अप्रैल तक के आंकड़े बानगी हैं कि गंगा नदी में 15.8 बीसीएम पानी उपलब्ध है, जो कि नदी की कुल क्षमता का 52.6 फीसद है। पिछले साल इसी समय गंगा नदी में मात्र 8.6 बीसीएम पानी था। इसी तरह नर्मदा में क्षमता का 46.5 प्रतिशत यानी 10.4 बीसीएम पानी उपलब्ध है। तापी नदी में छियासठ प्रतिशत जल है। इसी तरह माही, गोदावरी, साबरमती, कृष्णा, कावेरी, हर नदी की सेहत सुधर गई है।

हर त्रासदी अपने साथ कोई सबक लेकर आती है। इसमें कोई शक नहीं कि कोरोना विषाणु से फैली वैश्विक महामारी पूरी दुनिया के लिए खतरा बनी हुई है। अभी न तो इसका कोई माकूल इलाज खोजा जा सका है और न ही इस विषाणु के मानव शरीर में प्रविष्ट होने का मूल कारण। इंसान अपने-अपने घरों में बंद है। 'विकास' नामक आधुनिक अवधारणा और असुरक्षा के नाम पर हथियारों की होड़ नेपथ्य में है। कभी युद्ध में अपने विरोधियों का खून बहाने के लिए इस्तेमाल होने वाले हथियारों को बनाने वाले कारखाने इंसान का जीवन बचाने के उपकरण बना रहे हैं। इंसान अपने भविष्य के प्रति चिंतित है। वहीं प्रकृति जो कि अभी तक अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही थी, अब सुकून की सांस ले रही है।

देश के पचासी से अधिक शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक बीते एक हफ्ते से लगातार सौ से नीचे चल रहा है। यानी इन शहरों में हवा अच्छी श्रेणी की है। बंदी के दौरान प्रदूषण के कारक धूल कण पीएम 2.5 और पीएम 10 की मात्रा में पैंतीस से चालीस फीसद गिरावट आई है। कॉर्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन, सल्फर ऑक्साइड और ओजोन के स्तर में भी कमी दर्ज की गई। यह स्तर बारिश में भी नहीं रहता है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. डी. साहा का कहना कि 2014 में जबसे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बनाया जा रहा है, ऐसा पहली बार है जब प्रदूषण न्यूनतम स्तर पर है।

पंजाब के लुधियाना से हिमचाल प्रदेश की हिमच्छादित-उत्तुंग पर्वतमाला की दूरी भले दो सौ किलोमीटर हो, लेकिन आज दमकते नीले आसमान की छतरी तले इन्हें आराम से देखा जा सकता है। जो प्रवासी पंछी अपने घर जाने को तैयार थे, वे अब कस्बों-गांवों की पोखरों पर कुछ और दिन रुक गए हैं। हिंडन जैसी नदी, जहां पिछले दस सालों में आक्सीजन की मात्रा शून्य थी, अब कुछ मुस्कुरा रही है। जिन नदियों में जल-जीव देखे नहीं जा रहे थे, उनके तटों पर मछली-कछुए खेल रहे हैं। सबसे सुकून में समुद्र है। अब उसकी छाती को चीर कर पूरे जल-गर्भ को तहस-नहर करने वाले जहाज थमे हुए हैं। अधिक मछलियों के लालच में मशीनी ट्राले चल नहीं रहे, तो मछलियों का आकार भी बढ़ रहा है और संख्या भी। जहाजों का तेल न गिरने से अन्य जल-जीवों को सुकून मिल रहा है।

बंदी से भले एकबारगी लगता हो कि देश की अर्थव्यवस्था का पहिया थम गया है, पर बारीकी से देखें तो इससे मानवीय सभ्यता को नई सीख भी मिली है। यातायात के साधन और कारखाने बंद होने से वायु प्रदूषण और सड़क दुर्घटना में हर दिन औसतन पांच सौ लोगों की मृत्यु का आंकड़ा थम गया है। इनके इलाज में होने वाले हर दिन के करोड़ों रुपए के खर्च पर विराम लगा और वाहन न चलने से विदेश से कच्चा तेल खरीदने पर विदेशी मुद्रा के खर्च को भी राहत।

सभी जानते हैं कि बीते दो दशकों में विश्व की सबसे बड़ी चिंता धरती का बढ़ता तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन है। कार्बन की बढ़ती मात्रा दुनिया में भूख, बाढ़, सूखे जैसी विपदाओं को न्योता देता है। पेड़, प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से हर साल कोई सौ अरब टन यानी पांच फीसद कार्बन वातावरण में पुनर्चक्रित करते हैं। वह इन दिनों भरपूर मात्रा में हो रहा है। प्रकृति में कार्बन की मात्रा बढ़ने का प्रमुख कारण है बिजली की बढ़ती खपत। हमारे द्वारा प्रयोग में लाई गई बिजली ज्यादातर जीवाश्म ईंधन (कोयला, प्राकृतिक गैस और तेल) से बनती है। ईंधनों के जलने से कार्बन डाइऑक्साइड निकलता है। हम जितनी ज्यादा बिजली का इस्तेमाल करेंगे, उसके उत्पादन के लिए उतने ही ज्यादा ईंधन की खपत होगी और उससे उतना ही ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होगा। फिर धरती पर बढ़ती आबादी और उसके द्वारा पेट भरने के लिए उपभोग किया गया अन्न भी कार्बन बढ़ोतरी का बड़ा कारण है। खासकर तब जब हम तैयार खाद्य या फिर ऐसे पदार्थ खाते हैं, जिनका उत्पादन स्थानीय तौर पर न हुआ हो।

जलवायु परिवर्तन या तापमान बढ़ने का बड़ा कारण विकास की आधुनिक अवधारणा के चलते वातावरण में बढ़ रही कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा है। हार्वर्ड टीएच चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की ताजा रिपोर्ट बताती है कि इससे हमारे भोजन में पोषक तत्वों की भी कमी हो रही है। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि धरती के तापमान में बढ़ोतरी खाद्य सुरक्षा के लिए दोहरा खतरा है। आईपीसीसी समेत कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों में इससे कृषि उत्पादन घटने की आशंका जाहिर की गई है। इससे लोगों के समक्ष खाद्य संकट पैदा हो सकता है। मगर नई रिपोर्ट और बड़े खतरे की ओर आगाह कर रही है। दरअसल, कार्बन उत्सर्जन से भोजन में पोषक तत्वों की कमी हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार कार्बन उत्सर्जन में बढ़ोतरी के कारण चावल समेत तमाम फसलों में पोषक तत्व घट रहे हैं।

जब पूरी दुनिया में कल-कारखाने, वाहन बंद हो गए, तो अचानक कार्बन उत्सर्जन की मात्रा पांच फीसद घट गई। इसके कारण देश और दुनिया की हवा भी स्वच्छ हो गई है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से पहली बार कार्बन उत्सर्जन का स्तर इतना गिरा है। मानवीय दखल के कारण तेजी से दूषित हो रही प्रकृति ने चेतावनी दी है कि उसके साथ ज्यादा खिलवाड़ हुआ तो उसका नतीजा ठीक नहीं होगा। यह किसी से छिपा नहीं है कि दुनिया यायातात प्रबंधन, जाम, औद्योगिक प्रदूषण, जल की गुणवत्ता आदि दिक्कतों से जूझ रही है और इसके मशीनी निदान पर हर साल अरबों डॉलर खर्च होते हैं। कोरोना ने बता दिया कि मशीनों के अतार्किक उपयोग पर रोक लगेगी, तभी प्रकृति नैसर्गिक बनी रहेगी।

क्या दफ्तर का बड़ा काम घर से हो सकता है? क्या स्कूल में बच्चों का हर रोज जाना जरूरी नहीं? क्या समाज के बेवजह विचरने की आदत पर नियंत्रण हो सकता है? ऐसे कई सवाल और प्रकृति-शुद्धिकरण के विकल्प ये दिन सुझा रहे हैं। यह सही है कि धरती पर कोई भी तूफान न तो स्थायी होता है और न अंतिम, लेकिन इस बार की त्रासदी ने जता दिया कि धरती की प्राथामिकता हथियार नहीं, वेंटिलेटर हैं, सेना से जरूरी डॉक्टर हैं। आम इंसान को भी घरों में बंद रहने के दौरान समझ आ गया कि हमारे पास जितना है, उतने की जरूरत नहीं, जरूरत है तो मानवीय संबंधों के प्रति संवेदना की।

मन कबूतर

अरुणेंद्र नाथ वर्मा

दुनिया मेरे आगे

शरीर घर में तालाबंद है, लेकिन मन को खुले आकाश में पंख मारने से कौन रोक सकता है। सुबह-सुबह जब कमरे की खिड़की से कच्ची किरणों के साथ घुस कर शरारती नीला आकाश मेरी सीमाबद्धता का उपहास उड़ाता है, तो बदला लेने के लिए उसे पलकों में बंद कर लेता हूं। तब अचानक मन में तालाबंद नीले आकाश में श्वेत, श्याम, भूरे कबूतर पर मारने लगते हैं। 'दिल्ली-6' में सोनम कपूर के सिर पर बैठ कर संतुलन और नृत्य का अद्भुत नजारा दिखाती मसक्कली-मटक्कली याद आती है। आकाश के विस्तार से उन्हें वापस अपने घर लौटते देख रस्किन बॉण्ड की कथा 'ए फ्लाईट ऑफ पिजन्स' पर आधारित 'जुनून' फिल्म में गुलाम भारत ने उम्मीद की थी कि उन्हीं की तरह फिरंगी भी एक दिन अपने देश लौट जाएंगे। वहां वे घरवापसी के प्रतीक थे, तो मासूमियत के प्रतीक थे उस कथा में, जिसमें नूरजहां के हाथों से छूट कर शहजादे जहांगीर की प्यारी कबूतरी उड़ गई थी और जहांगीर के प्रश्न 'कैसे?' के जवाब में नूरजहां ने दूसरे कबूतर को उड़ा कर कहा था 'ऐसे'। लखनऊ के नवाब आसफुद्दौला, गाजीउद्दीन हैदर और नसीरुद्दीन हैदर भी कबूतरों पर जान छिड़कते थे। अपने देश में शायद लखनऊ, भोपाल, रामपुर, हैदराबाद जैसी पुरानी मुसलिम रियासतों वाले शहरों में ही कुछ लोग बचे हैं, जिन्हें आज भी कबूतरबाजी का शौक है। शतरंज का खेल, अफीम की गोली, खुशबूदार खमीरे वाली तंबाकू, हुक्के की पेंचदार निगाली, हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत और नवाब वाजिद अली शाह का प्रिय कथक नृत्य, ये सारे शौक जब नवाबी महलों से निकल कर अवाम के मनोरंजन के स्रोत बन कर फैले तो गंगा-जमुनी संस्कृति की पहचान बन कर हिंदू परिवारों में भी आए। लेकिन आम हिंदू परिवारों का कबूतर प्रेम सार्वजनिक स्थानों पर उन्हें दाना डालने तक ही सीमित रहा।

मेरी स्मृतियों में ऐसे तमाम मुसलिम चेहरे शामिल हैं, जो लक्का कबूतर पर जान छिड़कते थे, लोटन कबूतर पर लहालोट हो जाते थे। प्रायः सभी हज्जाम, रंगरेज, जुलाहे जैसे सर्वहारा परिवारों के थे, जबकि हमारे गाजीपुर में धनी शिया और पठान जमींदारों की कमी नहीं थी। खासा महंगा होने के बावजूद कबूतरबाजी का शौक समाज के हाशिये पर रहने वालों को अधिक था। उनके घरों की छतें भले नीची हों, लेकिन उनके नन्हे आंगन से आकाश में पलीता बांधने की कोशिश करती बांस की लग्गियां निकली रहती थीं। लग्गियों के सिरे पर बांस के फट्टों से बने आयताकार छत्ते उनके दिलों में जान से प्यारे कबूतरों के लिए आरक्षित जगह जितने बड़े होते थे। कबूतरों के दड़बे आंगन में इतनी ऊंचाई पर होते थे कि रात के अंधेरे में वार करने वाली बिल्ली और चारे के खर्चों से रात-दिन आजिज रहने वाली बेगम की पहुंच के बाहर रहे।

कल्लन मियां का बांबे हेयर कटिंग सैलून घर में आकर हजामत करने वाले 'सीताराम नाऊ' की अपेक्षा महंगा था, लेकिन कबूतरबाजी का उनका विलक्षण प्रेम मुझे उनकी सैलून तक खींच लाता था। कबूतरों के बारे में उनके लच्छेदार अफसाने अलिफलैला को मात करते। जान से प्यारे अपने कबूतरों की ऊंची उड़ानों के बारे में उनसे भी ऊंची डींग मारने में माहिर थे। लक्का और लोटन किस्म की उनकी दो प्रिय कबूतरियों के नाम थे निम्मी और नर्गिस। उनकी जिंदगी का सबसे खुशनुमा क्षण वह था, जब उन्होंने कबूतरों को दिन-रात कोसने वाली अपनी बेगम को एक दिन चुपके से अपनी चहेती कबूतरी नर्गिस को हथेली में लेकर चूमते हुए पकड़ा था।

कल्लन इतने प्यार से निम्मी और नर्गिस की बातें करते कि मेरे किशोर मन को कुछ अजीब-सा होने लगता। आसमान में गोल बांध कर उड़ने में उनके कबूतरों का जिले में कोई सानी न था। उड़ानों की ऊंचाई और अवधि पर लगाई गई बाजियों में वह हमेशा जीतने का ही दावा करते, लेकिन जब एकाध चश्मदीद गवाहों की मौजूदगी के कारण मानना पड़ता कि इस बार उनके लाड़ले बाजी हार गए थे, तो वे महंगाई को कोसते। पूछते कि मक्की और बाजरे के चारे से और क्या उम्मीद की जा सकती थी। खुद भूखे रह कर भी उन्हें बादाम-पिस्ता खिला सकते, तो बात कुछ और होती। फिर वे हेयरकट का इंतजार करते श्रोताओं के ऊपर हिकारत की नजर फेंकते, जो सहम कर निर्धारित रेट से ऊपर एकाध चवन्नी उन्हें पकड़ा देते।

कल्लन मियां जिस ग्राहक की दरियादिली से खुश होते उसे जुम्मे की नमाज के बाद, जब सैलून बंद रहता, घर बुला कर अपने कबूतरों के करतब देखने की दावत भी देते। कई बार जेबखर्च की चवन्नियां उन कबूतरों के नाम करके मैंने भी उन्हें कल्लन मियां की 'ओह ओह' की टेर पर आकाश की ऊंचाइयों में बीसों मिनट तक गोल-गोल उड़ानें भरते देखने का लुत्फ उठाया था। अब न कल्लन मियां हैं, न आज के मेरे महानगर में ऐसे लोग, जो कबूतरबाजी का अर्थ भी समझ सकें। मन के आकाश में कल्लन मियां के कबूतरों को उड़ानें भरते देखने की और दिवास्वप्न में खो जाने की फुर्सत भी।

शिक्षा की चुनौतियां

शिक्षा प्रत्येक देश की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक विकास की बुनियाद है, इसलिए आज दुनिया के अधिकांश राष्ट्र गुणवत्ता युक्त शिक्षा मुफ्त प्रदान कर रहे हैं। देश के विद्यालयों से निकलने वाले बच्चे ही राष्ट्र निर्माण में सहभागिता निभाते हैं, ऐसा आपने प्रायः राजनेताओं, शिक्षकों, बुद्धिजीवियों, समाजसेवकों के वक्तव्यों में अक्सर सुना होगा। भारत के नागरिकों को संविधान अनेक अधिकार प्रदान करता है, जो लोगों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए संविधान निर्माताओं द्वारा प्रदान किए गए। बच्चों को 'शिक्षा का अधिकार' अधिनियम मौलिक अधिकारों के रूप में संविधान में वर्णित है। इसके लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार, केंद्र शासित प्रदेश, सभी बाध्य हैं। आज देश जब विश्वव्यापी महामारी के खिलाफ जंग लड़ रहा है, इस बीच हमारे देश के कर्णधार शिक्षा से अलगाव महसूस कर रहे थे। बच्चों के लिए निरंतर शैक्षिक कक्षाएं आरंभ करने का माध्यम आज पुनः प्रौद्योगिकी ही बना है। सूचना प्रौद्योगिकी के सहयोग से आज जूम मीटिंग क्लाउड, कैरियर लांचर, गूगल क्लासरूम जैसे अनेक शैक्षिक सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं, जिनके माध्यम से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को पूर्णबंदी के इस दौर में भी जारी रखा जा सकता है।

हाल में, दिल्ली सरकार ने बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं आरंभ की, जिसके लिए सर्वप्रथम सॉफ्टवेयर पर विद्यार्थियों को पंजीकरण करना पड़ता है। दिल्ली के बारहवीं कक्षा में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या लगभग 1.2 लाख है, जबकि अभी तक मात्र नौ हजार विद्यार्थी पंजीकृत हो पाए हैं। इस सर्वेक्षण के आधार पर हजारों विद्यार्थी इस ऑनलाइन शिक्षण प्रक्रिया से वंचित हैं, इसकी अहम वजह आर्थिक असमानता है, क्योंकि सरकारी विद्यालयों में ज्यादातर गरीब तबकों के बच्चे दाखिला लेते हैं। इन तबकों के लोग साधन संपन्न न होने के कारण अपने बच्चों को कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराने में अक्षम हैं। जबकि निजी विद्यालयों में अधिकतर संभ्रांत वर्ग के बच्चे पढ़ते हैं, जो सभी डिजिटल सुविधाओं से संपन्न होते हैं। इसलिए सरकारी विद्यालयों को ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करना एक अहम चुनौती है। आज सभी बच्चों को डिजिटल शिक्षा माध्यम से जोड़ने के लिए सरकारों को स्वयं सरकारी विद्यालयों के इन बच्चों के लिए डिजिटल उपकरण प्रदान करने चाहिए, जिससे शिक्षा में गरीब-अमीर की खाई न बन पाए और सभी बच्चे समान रूप से शिक्षण प्रक्रिया में जुड़े रहें, जब सरकारें सभी बच्चों को समान रूप से शिक्षा प्रदान करेंगी, तभी 'सर्व शिक्षा अभियान' और 'सभी के लिए शिक्षा' के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है, इसके लिए आज सरकारों, अभिभावकों, शिक्षकों, मीडिया क्षेत्रों, बुद्धिजीवियों, गैर-सरकारी संगठनों की प्रतिबद्धता आवश्यक है।

● *अजीत यादव, रोहिणी, दिल्ली*

कोरोना से जंग

भारत इस समय वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के संक्रमण से जूझ रहा है, पर कुछ लोग सोशल मीडिया के जरिए अफवाह फैलाने में लगे हुए हैं और धर्म विशेष के मुद्दों को लेकर भड़काऊ बातें लिख रहे हैं। इस समय इन सबसे दूर रह कर सभी लोगों को एकजुट होकर देशहित में काम करना है। ऐसा कोई काम नहीं करना है, जिससे देशवासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़े। सोशल मीडिया हमें अपनी बात कहने की आजादी देता है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि हम गलत बयानबाजी करके नफरत का माहौल पैदा करें। प्रधानमंत्री ने सभी देशवासियों से हाथ जोड़ कर अपील की है कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए देशहित में कार्य करें। बिना काम के बाहर न निकलें, कोरोना के खिलाफ मुहिम में भागीदार बन कर एक-दूसरे की मदद करें और लोगों को जागरूक करें। किसी बहकावे में न आकर अपने विवेक से काम लें। जब हम जागरूक होंगे और दूसरों को भी जागरूक करेंगे, अफवाहों से दूर रहेंगे और सामाजिक दूरी का पालन करेंगे, तो जरूर इस महामारी से बहुत जल्द पार पा लेंगे।

● *योगेंद्र गौतम, ललऊ खेड़ा बाजार, उन्नाव*

प्रदूषण से मुक्ति

जबसे पूर्णबंदी लागू हुई है, सारे शहर प्रदूषण मुक्त हो गए हैं। राजधानी दिल्ली में हर समय प्रदूषण की चादर बिछी रहती थी, वह अब एकदम साफ-सुथरी और प्रदूषण मुक्त हो रही है। यमुना को साफ करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने न जाने कितने रुपए खर्च कर दिए, पर इसमें कोई सफलता नहीं मिल सकी, लेकिन अब यमुना का पानी साठ प्रतिशत तक साफ हो गया है। कुछ दिनों की पाबंदी से ही प्रदूषण इतनी बड़ी मात्रा में कम हो गया है। सोचने वाली बात है कि हमने अपने शहरों का क्या हाल बना रखा है? समझने की जरूरत है कि प्रदूषण को बढ़ावा देने में हमारा ही सबसे बड़ा योगदान है, हम ही प्रकृति के साथ खिलवाड़ करते रहे हैं, जिससे न जाने हर साल कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। क्या नहीं लगता कि हमें अपने आप में स्वच्छता के प्रति कुछ सुधार करने की जरूरत है। यह समाज, शहर, राज्य, देश हमारा है, तो क्या हम इनको साफ-सुथरा नहीं रख सकते?

● *संजू तैनाण, चौबारा, हनुमानगढ़*

कड़े दंड की जरूरत

इस वक्त डॉक्टरों और पुलिसकर्मियों पर हमला करना न केवल उनके कर्तव्य पालन में बाधा डालना, बल्कि अमानवीयता की पराकाष्ठा है। ऐसा करने वाले देश, समाज और जनता के साथ-साथ स्वयं के शत्रु हैं। कुछ लोगों पर रासुका के तहत कार्रवाई की गई, जो न्यायोचित है। ऐसे लोगों पर न केवल रासुका लगाई जाए, बल्कि उन्हें कड़ा दंड देना चाहिए ताकि अन्य लोगों के हौसले बुलंद न हों।

● *हेमा हरि उपाध्याय, अक्षत खाचरोद, उज्जैन*

प्रेरक पहल

देश में फैली महामारी कोरोना विषाणु की समस्या से निपटने के लिए प्रधानमंत्री सहित देश के सांसदों का एक साल तक वेतन से तीस प्रतिशत की कटौती ऐतिहासिक फैसला है। करोड़ों रुपए की राशि का राष्ट्र हित में कोरोना वायरस की माहमारी से निश्चित ही विजय हासिल करने का लक्ष्य है। संपन्नता होने के बावजूद इस माहमारी के आगे कई देशों ने घुटने टेक दिए। ऐसे में हमारे प्रधानमंत्री का साहसी कदम विपरीत परिस्थितियों में देश के नागरिकों की भावनाओं को जिंदा रखने का जीवंत प्रमाण है। साफ है कि एकजुट होकर देश के नुमाइंदे विदेशों में भी प्रेणादायी बन कर उभरेंगे। एक अच्छे प्रशासन की ऐसे समय में ही पहचान होती है कि देश के नागरिकों के लिए कितना कल्याणकारी, ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं।

● *योगेश जोशी, कंवर कालोनी, बड़वाह*

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

www.readwhere.com

जनसत्ता
सबरंग
10 अप्रैल, 2020 7

नई फिल्म

- लूडो
- *बबलू बैचलर*

बॉक्स ऑफिस

फिल्म	कुल कमाई
अंग्रेजी मीडियम	9.36 करोड़
बागी 3	93.07 करोड़
थप्पड़	30.05 करोड़
शुभ मंगल ज्यादा सावधान	55.55 करोड़

9 अप्रैल तक की कमाई

जन्मदिन

आयशा टाकिया	10 अप्रैल
मोहित सूरी	11 अप्रैल
मंदिरा बेदी	*15 अप्रैल*
लारा दत्ता	16 अप्रैल

बेटी के जन्म से ही घर में बंद हूं : कपिल शर्मा

आरती सक्सेना

कोरोना वायरस को देखते हुए देशभर में बंदी है। बड़े पर्दे से लेकर छोटे पर्दे के तमाम कलाकार भी अपने-अपने घरों में बंद है। कॉमेडी किंग कपिल शर्मा भी इन दिनों परिवार के साथ घर में समय बिता रहे हैं। बंदी पर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि मैं अभी से नहीं बल्कि बेटी की पैदाइश से ही घर में बंद हूं।

सवाल : लॉकडाउन में आप कैसे समय बिता रहे हैं?

● मेरा लॉकडाउन तो तभी हो गया था, जब मेरी बेटी अनायरा ने जन्म लिया था। वो इतनी क्यूट है कि मेरा घर से बाहर निकलने का मन ही नहीं होता था। अगर मैं बाहर आता भी था तो लगता था कब उसके पास चला जाऊं। अब तो लॉकडाउन है। मैं कई दिनों से घर में ही हूं। घर में छोटा बच्चा है इसलिए ज्यादा सावधानी बरतनी पड़ रही है। वैसे भी ये बीमारी काफी खतरनाक है, इसलिए मुझे ही नहीं सभी को सावधानी बरतनी चाहिए। एक समय था जब कहा जाता था जो डर गया वो मर गया। लेकिन अब कहा जा रहा है जो नहीं डरा और घर से बाहर गया समझो वो मर गया।

सवाल : सुना है कि आपने भी कोरोना की इस लड़ाई में करीबन 20 लाख का दान किया है?

● आज जो देश के हालात हैं उसके लिए हर कोई आगे आकर दान दे रहा है। सो मुझसे भी जितना बन सका मैंने भी अपना योगदान दिया। लेकिन इस संबंध में ज्यादा बात करना ठीक नहीं लगता है। मेरी मां कहती है कि जब तुम दाएं हाथ से दान करो तो बाएं हाथ को भी पता नहीं चलना चाहिए। मैं तो भगवान से सिर्फ यही प्रार्थना कर रहा हूं कि जल्द से जल्द इस भयानक बीमारी से निजात मिल जाए और हम सभी की जिंदगी फिर से सामान्य हो जाए।

सवाल : इस लॉकडाउन के दौरान आपकी दिनचर्या क्या है?

● मैं आराम फरमा रहा हूं, देर तक सोता हूं आराम से उठता हूं और फिर चाय नाश्ता करके अपनी बेटी अनायरा के साथ खेलता हूं। आज कल वो बहुत शैतान हो गई है, बहुत मस्ती करती है। पहले तो वह सिर्फ गिन्नी को देख कर हसंती थी लेकिन अब मुझे भी देख कर मुस्कुराने लगी है। मैं कई दिनों से घर में जो हूं। मेरे लिए तो लॉकडाउन अच्छा साबित हुआ है क्योंकि मुझे अपनी प्यारी बेटी के साथ वक्त बिताने का मौका मिल रहा है। अनायरा का मतलब होता है खुशी और जब से मेरी बेटी मेरी जिंदगी में आई है तब से मेरी जिंदगी में खुशी ही खुशी है। लॉकडाउन की वजह से सारा रूटीन बिगड़ गया है। सोने उठने का टाइम बदल गया है, हालांकि धीरे-धीरे उसमें सुधार कर रहा हूं।

सवाल : कुछ लोग इस बीमारी को गंभीरता से नहीं ले रहे और घर से बाहर निकल रहे। ऐसे लोगों से आप क्या कहना चाहेंगे?

● ऐसे लोगों से मैं यही कहूंगा कि करोड़ों की आबादी वाले शहर को लॉकडाउन किया गया है तो निश्चित ही कोई गंभीर समस्या होगी। वर्ना ऐसा करना ही क्यों पड़ता। मेरी जनता से यही अपील है प्रार्थना है कि इस बीमारी को मजाक में ना ले। यह बहुत ही गंभीर बीमारी है, जिसमें सिर्फ आप ही नहीं आपका पूरा परिवार, आपके साथ के सभी लोग मौत के मुंह में जा सकते हैं। लिहाजा घर पर ही रहे, सफाई का पूरा ध्यान रखे, बार-बार हाथ धोएं और जबतक जरूरी न हो घर से बाहर न निकलें। अगर आप अपने आप से और अपने परिवार से प्यार करते हैं तो पूरी तरह सावधानी बरतें। और कुछ समय तक सारे नियमों का पालन करें जो आपके अच्छे के लिए सरकार ने बनाए हैं।

सवाल : कुछ समय पहले आपने पर्सनली और प्रोफेशनली बहुत बुरा दौर देखा। उस बुरे दौर से आपने क्या सीखा?

● यही की वक्त अच्छा हो या फिर बुरा टिकता नहीं है और कुछ समय के बाद चला ही जाता है। परिवर्तन जीवन का नियम है, जिसे झेलने और सहने की ताकत हममे होनी चाहिए। बुरे दौर में कुछ ऐसा नहीं करना चाहिए, जिसकी वजह से जिंदगी भर पछताना पड़े। मैंने कभी ये नहीं सोचा था कि मैं अवसाद में चला जाउंगा और ये भी कि अच्छा वक्त दोबारा आएगा। मेरी जिंदगी वापस लौट आएगी, गिन्नी और अनायरा आएंगे। मुझे सलमान सर का साथ मिलेगा और मेरी डुबती नैया को किनारा मिल जाएगा।

बुरे दौर से यही सीखा कि जिंदगी में कभी गलत काम मत करो, किसी का दिल मत दुखाओ, अपने कर्म सही रखो तो बुरे से बुरा वक्त भी निकल जाएगा और आपको अच्छे लोगों का साथ जरूर मिलेगा। मैं आज जो कुछ भी हूं, अच्छे लोगों के साथ की वजह से ही हूं। जैसे मेरी मां, पत्नी, मेरी बेटी और सलमान सर। ये सब मेरी जिंदगी के अहम लोग हैं, जिन्होंने मुझे फिर से एक बार जीना सिखा दिया और मुझे पहले जैसी जिंदगी दोबारा दे दी।

सवाल : बतौर निमार्ता आपका अनुभव कुछ अच्छा नहीं रहा। आपकी फिल्म 'फिरंगी' बॉक्स ऑफिस पर असफल रही, जिसकी वजह से आपको काफी नुकसान उठाना पड़ा। ऐसे में क्या आप भविष्य में बतौर निमार्ता कोई फिल्म बनाएंगे?

● फिलहाल तो इस बारे में कुछ सोचा नहीं है। अभी तो अपने शो पर ही सारा ध्यान है। आगे के बारे में आगे सोचूंगा।

सवाल : आप मुंबई अभिनेता और गायक बनने आए थे। आपका यह सपना अब तक अधूरा है, तो क्या आपको इसका अफसोस है?

● अफसोस मैं किसी बात का नहीं करता। मेरा मानना है कि हमे जो मिले उसमें संतुष्ट होना चाहिए। और मुझपर तो ऊपर वाले की मेहरबानी है। 'द कपिल शर्मा' शो से मुझे इतने लोगों का प्यार मिला है कि उतना तो मुझे दस फिल्मों में काम करके भी नहीं मिलता। जहां तक गाने का सवाल है तो अपने शो में गाने की भड़ास निकाल लेता हूं। अगर भगवान ने चाहा तो आगे प्लेबैक सिंगिंग भी कर लूंगा। मेरी कौन सी उम्र निकली जा रही है। मेरे पास बहुत समय है, नया करने के लिए।

सवाल : आपके 'द कपिल शर्मा' में करीबन हर क्षेत्र के नामी गिरामी सेलीब्रेटी आ चुके हैं। तो क्या कोई ऐसा है जिसे आप शो में लाने की इच्छा रखते हो?

● मेरी इच्छा है कि शो में सुर कोकिला लता दीदी और सचिन तेंदुलकर आएं। लता जी उम्र और सेहत के चलते आने में असमर्थ हैं वहीं सचिन सर को शो में लाने की लगातार कोशिश कर रहा हूं। इन दोनों ही हस्तियों को शो में लाने की मेरी दिली तमन्ना है, जो न जानें कब पूरी होगी।

बधाई

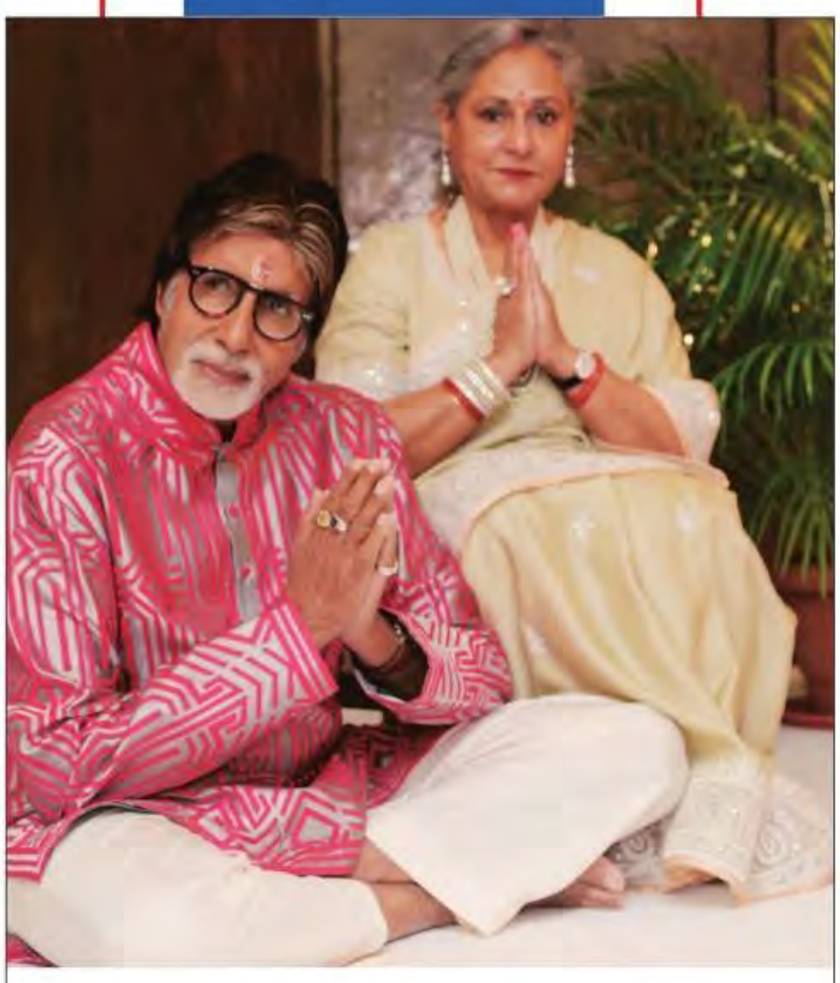

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अभिनेत्री और अपनी पत्नी जया बच्चन के जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा किया है।

पालतू जानवरों को छोड़ने वालों को सोनाक्षी ने लगाई फटकार

कोरोना विषाणु के संक्रमण ने बड़े-छोटे सभी सितारों को सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने के लिए मजबूर कर दिया है। यही कारण है कि इस लॉकडाउन में भी ये सितारे खबरों में बने हुए हैं। ऐसे में दबंग गर्ल सोनाक्षी सिन्हा भला क्यों पीछे रहती। हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा ट्विटर पर उन लोगों से खासा नाराज नजर आईं जो कोरोना के चलते अपने पालतू जानवरों को सड़कों को मरने के लिए छोड़ रहे हैं। अभिनेत्री ने एक डॉगी के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'मैं कुछ समय से कहानियां सुन रही हूं कि लोग अपने कुत्तों को बाहर छोड़ दे रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि वायरस इन जानवरों की वजह से फैल रहा है। मेरे पास आप लोगों के लिए एक खबर है- आप बेवकूफ हैं और आपको सिर्फ अपना अज्ञान और बेदर्दी को छोड़ने की जरुरत है।' सोनाक्षी के इस ट्वीट की खूब प्रशंसा हो रही हैं वहीं इस पर कई लोग की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। सोनाक्षी के अलावा बॉलीवुड के कई दिग्गज सितारों ने भी लोगों से जानवरों के साथ बुरा बर्ताव नहीं करने की अपील की है। इस ट्वीट से पहले सोनाक्षी सिन्हा ने एक और ट्वीट करते हुए उन लोगों को मुंह तोड़ जवाब दिया है जो उन्हें कोरोना विषाणु के खिलाफ जंग में अपना सहयोग ना देने के लिए ट्रोल कर रहे थे। अभिनेत्री ने लिखा, 'एक मिनट का मौन उन लोगों के लिए जो ये सोचते हैं कि अगर अनाउंस नहीं किया तो सहयोग नहीं दिया। नेकी कर दरिया में डाल, सुना तो होगा? कुछ लोग सच में इसे फॉलो करते हैं। अब शांत हो जाओ और अपने इस समय को कुछ अच्छा करने में लगाओ। अनाउंस करना या नहीं करना सबकी अपनी व्यक्तिगत पसंद है।'

खबर कोना

बीवी की मदद कर रहा हूं : रणवीर सिंह

लॉकडाउन के चलते फिल्मी सितारे अपने घरों में बंद हैं। रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण भी घरों में बंद होने वाले सितारों की लिस्ट में शामिल हैं। घर में बैठे-बैठे ये सितारे अपने प्रशंसकों के लिए लगातार कोई न कोई वीडियो और तस्वीरें साझा कर रहे हैं। फिलहाल रणवीर अपने उस कमेंट के लिए सुर्खियों में हैं जो उन्होंने एक लाइव सेशन के दौरान दी। दरअसल इंस्टाग्राम पर जॉनी लीवर और बोमन ईरानी लाइव सेशन में बात कर रहे थे। दोनों मनोवृत्ति और मानवता पर बात कर रहे थे। इस बीच रणवीर सिंह के कमेंट ने सभी का ध्यान खींचा। रणवीर सिंह ने दोनों के लाइव सेशन पर कमेंट किया, 'मैं बीवी की मदद कर रहा हूं जॉनी सर' इस कमेंट को देखते ही बोमन और जॉनी अपनी हंसी न रोक सकें। हालांकि यह पहला मौका नहीं है जब रणवीर सिंह कुछ मजाकिया कर रहे हैं। बॉलीवुड में वे पहले ऐसे अभिनेता हैं जो अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं। फिर चाहे उनके कपड़े हो या फिर बाल या उनकी बातें। इन दिनों रणवीर और दीपिका साथ में वर्कआउट भी कर रहे हैं। रणवीर ने इससे पहले दीपिका के साथ वर्कआउट वाली एक तस्वीर भी साझा की थी।

अब सोनम कपूर बनीं हेयर स्टाइलिस्ट

शादी के बाद सोनम कपूर आहूजा भले ही फिल्मों से गायब हो गई हो लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी सक्रियता बनी हुई है। देश में लॉकडाउन है इसलिए सभी की तरह वह भी घर में बंद हैं। सोनम इन दिनों अपने पति आनंद आहूजा के साथ दिल्ली में हैं और अन्य सितारों की तरह भी वे भी इन दिनों को कुछ नया करते हुए गुजार रही हैं। हाल ही में उनके पति आनंद आहूजा ने सोशल साइट पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें सोनम उनके बालों को सेट करती हुई नजर आईं। इस वीडियो में सोनम अपने पति आनंद आहूजा के बालों को हेयर ड्रायर से, कंघी से और अपने हाथों से सेट करती हैं। बाल के सेट हो जाने पर उसकी तारीफ भी करती हैं। आनंद अपने सिर को हिलाकर सोनम की सेट की हुई हेयरस्टाइल को बदलने की कोशिश करते हैं, तो वे उन्हें रोक देती हैं। कुछ दिन पहले अनुष्का शर्मा ने भी एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वे विराट के बालों को कट देती नजर आई थीं।

मसकली 2.0 गाने से खफा हुए रहमान

हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तारा सुतारिया का गाना 'मस्कली 2.0' रिलीज हुआ है। यह गाना अभिषेक बच्चन और सोनम कपूर की फिल्म 'दिल्ली 6' के गाने मसकली का रीमेक है। यह गाना यू-ट्यूब पर रिलीज किया गया है, जिसे खूब पसंद किया जा रहा है। वहीं ऑरिजनल मसकली गाने के कंपोजर एआर रहमान को यह गाना पसंद नहीं आया है और वह इसके रीमेक से खफा हैं। ट्विटर पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए एआर रहमान ने लिखा, 'कोई शॉर्टकट नहीं अपनाया, अच्छी तरीके से चीजें की, कई रात सोए नहीं, लिखा, बार-बार लिखा, करीब 200 म्यूजीशियन्स, 365 दिन दिमाग लगाते रहे, एक ऐसा म्यूजिक बनाने के लिए जो युवाओं के बीच हमेशा जिंदा रहे। निर्देशक की एक टीम रही, एक कंपोजर और एक लिरिसिस्ट, एक्टर्स ने सपोर्ट किया, डांस निर्देशक ने किया और फिल्म के क्रू ने भी साथ दिया। ऑरिजनल मसकली सुनने का आनंद लें।' इसके साथ ही रहमान ने गाने का लिंक भी साझा किया।

शाहरुख खान ने जीता सबका दिल

बॉलीवुड के किंग खान सचमुच ही किंग है। कोरोना विषाणु से लड़ाई में बॉलीवुड का कोई सितारा प्रधानमंत्री राहत कोष में दान दे रहा है तो कोई सीधा दिहाड़ी मजदूरों के खाते में पैसे भेज रहा है। इन सबके बीच बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान चर्चा में हैं और अपनी दरियादिली से उन्होंने सबका दिल जीत लिया है। दरअसल शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी खान ने कोरोना विषाणु के मरीजों की बढ़ती संख्या देखते हुए सरकार से अपने 4 मंजिले ऑफिस को क्वारंटाइन केंद्र बनाने की पेशकश की है। इसमें बच्चे, बूढ़े और महिलाओं का इलाज हो सकता है। यही नहीं इसके साथ ही शाहरुख खान ने प्रधानमंत्री राहत कोष से लेकर महाराष्ट्र मुख्यमंत्री राहत कोष, मुंबई के 5500 परिवारों की खाद्य आवश्यकताओं, दस हजार लोगों के भोजन किट, दिल्ली के पच्चीस हजार दहाड़ी मजदूरों के लिए किराने और सौ एसिड सर्वाइवर को आर्थिक मदद प्रदान की है।

शक्ति सामंत (13 जनवरी,1926-9 अप्रैल, 2009)

...और फिल्मों में बिकिनी बेमानी हो गई

गणेशनंदन तिवारी

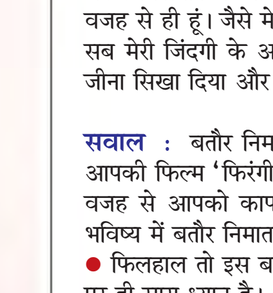

निर्माता- निर्देशक शक्ति सामंत ने 'कटी पतंग', 'कश्मीर की कली', 'आराधना' जैसी कई हिट फिल्में बनाईं। सामंत ने राजेश खन्ना को सुपर स्टार बनाया तो हिंदी फिल्मों को शर्मिला टैगोर और मौसमी चटर्जी जैसी हीरोइनें दीं। कल, गुरुवार को, उनकी नौवीं पुण्यतिथि थी।

हमारी याद आएगी

यमुना में जलक्रीड़ा करतीं गोपियों के चीर चुराते कृष्ण का पौराणिक-धार्मिक आख्यान भारतीयों के जीवन का एक हिस्सा रहा है। उसे श्रद्धा-भाव से पढ़ा सुना जाता रहा है। मगर इसी से मिलता-जुलता सीन जब 1938 की मराठी-हिंदी में बनी फिल्म 'ब्रह्मचारी' में परदे पर आया, तो परंपरागत मराठी समाज में भूकंप आ गया। फिल्म में हीरोइन थीं शादीशुदा मीनाक्षी शिरोडकर (शिल्पा और नम्रता शिरोडकर की दादी) और हीरो थे अभिनेत्री नंदा के पिता मास्टर विनायक। फिल्म में नायिका वन पीस बिकिनी (स्विमिंग सूट) पहने गाती है, 'यमुना जलि खेलू खेल कन्हैया का लाजता...' (मैं यमुना में जलक्रीड़ा कर रही हूं, कृष्ण तुम क्यों शरमा रहे हो)। सिचुएशन ऐसी थी कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुशासन और ब्रह्मचर्य के दर्शन में विश्वास करने वाले हीरो को हीरोइन लुभाती है। इसकी खूब आलोचना हुई, मगर लोगों ने फिल्म को हिट कर दिया।

यह पहला मौका था जब किसी हीरोइन ने फिल्म में बिकिनी पहनी थी। हालांकि पहली बार बिकिनी पहनने का श्रेय शर्मिला टैगोर को दिया जाता है क्योंकि बिकिनी को विवाद के साथ बड़े पैमाने पर प्रतिष्ठा और चर्चा मिली थी 1967 की 'एन इवनिंग इन पेरिस' में। इसकी हीरोइन थी शर्मिला टैगोर। टैगोर को हिंदी फिल्मों में शक्ति सामंत ही 1964 में 'कश्मीर की कली' में लेकर आए थे।

पेशे से शिक्षक सामंत तब तक कलकत्ता (हावड़ा ब्रिज, 1958), सिंगापुर (सिंगापुर, 1960) और कश्मीर (कश्मीर की कली 1964) की खूबसूरती को परदे पर उतार चुके थे और 1967 में पेरिस की सुंदरता पर लट्टू होकर 'एन इवनिंग इन पेरिस' बना रहे थे। उनके हीरो शम्मी ने उनसे कहा कि वह हेलिकॉप्टर पर लटक कर एक गाना गाना चाहते हैं। इच्छा जाहिर कर शम्मी तो भूल गए, मगर उस गाने की कल्पना सामंत ने कर ली थी। नीचे नीला समुंदर होगा, उसके सीने पर वाटर स्केटिंग करते युवक-युवतियों के साथ नीली वन पीस बिकिनी पहने शर्मिला टैगोर होंगी, स्केटिंग से उछलते पानी की सफेद बूंदों को कैमरा फिल्मबंद करेगा और इसके ठीक ऊपर हवा में हेलिकॉप्टर से शम्मी गाना गाते हुए अपनी इच्छा पूरी करेंगे। गजब का खूबसूरत सीन होगा।

सामंत को उम्मीद थी कि शर्मिला बिकिनी पहनने के लिए तैयार हो जाएगी क्योंकि 1966 में टैगोर ने वन पीस बिकिनी क्या टू पीस बिकिनी पहन फोटो सेशन करवाया था, जो एक फिल्म पत्रिका के कवर पर छपा था। इसकी खूब चर्चा हुई थी। सामंत के दिमाग में खटका सिर्फ यह था कि क्या भारतीय समाज इसे पचा पाएगा?

सामंत ने जोखिम उठाना तय किया। सुबह शूटिंग से पहले शम्मी से कहा कि तैयार रहो हेलिकॉप्टर से लटकने के लिए। शम्मी ठंडे पड़ गए क्योंकि उन्होंने तो मजाक किया था। जब सामंत नहीं माने तो दो पैग लगा कर शम्मी तैयार हो गए। इस तरह नीले समुंदर में नीली वन पीस बिकिनी पहने उतरी शर्मिला टैगोर। ऊपर हेलिकॉप्टर से लटकते हुए शम्मी ने गाया, 'आसमान से आया फरिश्ता...'। फिल्म रिलीज हुई तो खूब हंगामा हुआ। सामंत की आलोचना भी हुई मगर दर्शकों ने फिल्म को सुपर हिट कर दिया।

तब से अब पचास साल गुजर गए। दर्शकों की पीढ़ियां बदल गईं। अब किसी हीरोइन के बिकिनी पहनने से बवाल नहीं मचता है। शर्मिला के बाद मुमताज, परवीन बॉबी, जीनत अमान से लेकर आज की प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोन, श्रद्धा कपूर सभी बिकिनी पहन चुकी हैं। मगर आज के दर्शकों के लिए हीरोइनों का बिकिनी पहनना बेमानी हो गया है। अब न उसपर विवाद होता है, न ही उसकी चर्चा।

www.readwhere.com

मशहूर हस्तियों को विशेषज्ञों ने दी सलाह

कोरोना : जानकारी साझा करते समय बरतें सावधानी

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना महामारी के इस दौर में सोशल मीडिया और सामाजिक मुद्दों से जुड़े विशेषज्ञों ने देश की मशहूर हस्तियों को कोई भी जानकारी साझा करने से पूर्व अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन हस्तियों के प्रशंसकों की तादाद काफी बड़ी होती है, लिहाजा उनके द्वारा साझा की गई एक गलत जानकारी लाखों-करोड़ों लोगों को प्रभावित कर सकती है। साथ ही उनकी छवि पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

तथ्यों की जांच करने वाली वेबसाइट 'ऑल्ट न्यूज' के संपादक प्रतीक सिन्हा ने कहा, 'मशहूर हस्तियों को बहुत सम्मान की नजर से देखा जाता है। लोग उनकी बात मानते हैं। लेकिन जब बहुत अधिक फॉलोवर वाली बड़ी हस्तियां गलत सूचनाएं साझा करती हैं तो वह खतरनाक हो सकता है।' यह मुद्दा इसलिए एक बार फिर चर्चा में है क्योंकि सोशल मीडिया पर लाखों प्रसंशक रखने वाले अमिताभ बच्चन, रजनीकांत और मोहनलाल समेत कई नामचीन हस्तियां हाल ही में गलत सूचनाएं फैलाने की शिकार हुई हैं।

अमिताभ बच्चन के ट्विटर पर चार करोड़ फॉलोवर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर रविवार को जब लोगों ने अपने-अपने घरों की बत्तियां बुझाकर चिराग, मोमबत्तियां, दीये और मोबाइल की टॉर्च जलाए तो अमिताभ ने एक ट्वीट साझा किया जिसमें दुनिया के मानचित्र की एक तस्वीर में भारत का नक्शा जगमगाता दिख रहा था। अमिताभ का मानना था कि वह तस्वीर प्रधानमंत्री की अपील के अनुसरण के बाद की है। हालांकि बाद में वह तस्वीर फर्जी साबित हुई।

इससे पहले उनके एक ट्वीट की भी काफी आलोचना हुई थी जिनमें उन्होंने 22 मार्च को 'जनता कर्फ्यू' के दौरान शाम पांच बजे ताली और थाली बजाने की प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए लोगों को एक सलाह दी थी। उन्होंने लिखा था, '22 मार्च को शाम 5 बजे अमावस्या, महीने का सबसे काला दिन, वायरस, बैक्टीरिया और बुरी ताकतें अपने सबसे ज्यादा प्रभाव में होगीं। ताली और शंख की कंपन से इस वायरस की शक्ति कम/नष्ट हो जाएगी। चांद नए नक्षत्र 'रेवती' में प्रवेश करेगा। शरीर में खून का बहाव बेहतर होगा।' इसके अलावा उन्होंने 25 मार्च को एक वीडियो ट्वीट कर 'लैंसेट' के अध्ययन का हवाला देते हुए दावा किया था कि चीन के विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड-19 मक्खियों के जरिए फैलता है। हालांकि बाद में स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस दावे को खारिज कर दिया था।

ट्विटर ने हाल ही में जनता कर्फ्यू को लेकर अभिनेता और नेता रजनीकांत का एक वीडियो हटाया है। पिछले महीने 19 मार्च को साझा इस वीडियो संदेश में रजनीकांत ने कहा था, 'यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति से फैलने में 12 से 14 घंटे का समय लेता है, लिहाजा प्रधानमंत्री द्वारा 22 मार्च को जनता कर्फ्यू की जो अपील की गई है उससे भारत सामुदायिक संक्रमण के तीसरे और मुश्किल चरण में जाने से बच जाएगा।' हालांकि ट्विटर ने इस उस वीडियो में दी गई सूचना को फर्जी बताते हुए इसे हटा दिया था।

इसी तरह जब जनता कर्फ्यू से एक दिन पहले यानि 21 मार्च को भारत में कोरोना वायरस से लड़ रहे स्वास्थ्यकर्मियों के समर्थन को सलामी देने के लिए कई लोग थालियां बजाते हुए अपनी-अपनी बालकनी में आए तो मलयालम फिल्मों के स्टार मोहनलाल ने मनोरमा समाचार चैनल से कहा कि ऐसा करने से वायरस मर सकता है। पुडुचेरी की राज्यपाल भी मुर्गियों का एक वीडियो ट्विटर पर साझा करके विवाद में पड़ गई थीं। उन्होंने दावा किया था कि कूड़े में फेंके गए अंडे कोरोना वायरस के चलते फूट गए हैं। समाजशास्त्री संजय श्रीवास्तव कहते हैं, 'पश्चिमी देशों की तुलना में भारत में मशहूर हस्तियों की बातों पर बहुत कम संदेह किया जाता है। हस्तियों की आलोचना न किया जाना एक तरह से उनकी हर बात को मान्यता देने जैसा है। लिहाजा उनके द्वारा गलत सूचनाएं फैलाने के बेहद गंभीर परिणाम हो सकते हैं।'

'ऑल्ट न्यूज' के संपादक प्रतीक सिन्हा ने कहा कि समाज के हर वर्ग से गलत सूचनाएं फैलाई जा रही हैं और कोविड-19 के संदर्भ में तो सही जानकारी का अभाव और भी स्पष्ट दिखाई देता है। सिन्हा की बातों से इत्तेफाक रखते हुए श्रीवास्तव कहते हैं कि इन हस्तियों को अपने प्रशंसकों का ख्याल रखते हुए सही जानकारी पेश करनी चाहिए।

रेलवे ने 13 लाख कर्मचारियों के लिए तैयार किया दिशानिर्देश

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (भाषा)।

मध्य रेलवे ने अपने कर्मचारियों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने के लिए दिशानिर्देश तैयार किया है जिसमें सभी 13 लाख कर्मचारियों की जानकारी एकत्र कर उन सब के लिए संभावित पृथकवास सुविधाओं की पहचान करना शामिल है। 'रेल परिवार देख रेख मुहिम' दस्तावेज में कर्मचारियों को सुरक्षित रखने के लिए जोनल रेलवे द्वारा पालन किए जाने वाले दिशानिर्देशों की एक सूची है।

अधिकारियों ने बताया कि रेलवे के सभी 17 जोन सुझाए गए उपायों को लागू करने की तैयारी कर रहे हैं। रेलवे देश का सबसे बड़ा नियोक्ता है। देश में इस वायरस से अब तक 5,700 से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं और कम से कम 166 लोगों की मौत हो चुकी है। दस्तावेज के अनुसार संबंधित डिवीजनों/कार्यशालाओं/मुख्यालय के सभी कर्मचारियों की जानकारी जुटानी है। इसके तहत कर्मचारियों का नाम, वर्तमान आवासीय पता, फोन नंबर इस तरह से रखा जाना चाहिए कि उनसे कभी भी संपर्क किया जा सके। इसके अलावा हर कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्यों के लिए संभावित पृथकवास केंद्र की पहचान की जानी चाहिए।

सूत्रों ने कहा कि महामारी के कारण दो रेलवे कर्मचारियों की मौत के बाद कुछ जोन में यह दिशानिर्देश पहले से ही लागू है। सूत्रों ने कहा कि सभी संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को हर समय कर्मचारियों की पूरी जानकारी रखने की सलाह दी गई है। इसके अलावा उन्हें स्वस्थ कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का एक डेटाबेस बनाने के लिए भी कहा गया है। दिशानिर्देश (प्रोटोकॉल) में कहा गया है कि ऐसे कर्मचारियों और उनके आश्रितों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए जो पहले से ही बीमार हैं।

गोल्डमैन सैश ने चेताया, जीडीपी 1.6 फीसद रहेगी

पेज 1 का बाकी

यानी 2020-21 में देश के सकल घरेलू उत्पाद में बढ़त दर महज 1.6 फीसद रह जाएगी। गोल्डमैन सैक्श ने अपने पहले के अनुमान में भारी कटौती की है। इसके पहले उसने अनुमान लगाया था कि भारत की अर्थव्यवस्था में इस वित्त वर्ष में 3.3 फीसद की बढ़त होगी। कंपनी के अनुसार वर्ष 2020 में अमेरिका में 6.2 फीसद की बढ़त होगी यानी वहां इतने की गिरावट आएगी। कंपनी का कहना है कि यह बढ़त 70, 80 और 2009 के दशक में देखी गई मंदी के दौर से भी कमजोर है।

हालांकि, गोल्डमैन सैक्श ने यह भी कहा है कि इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में अर्थव्यवस्था में अच्छा सुधार हो सकता है। उसने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि हमें उम्मीद है कि रिजर्व बैंक अपनी मौद्रिक नीति में नरमी जारी रखेगा और प्रणाली में नकदी डालने के उपाय भी करता रहेगा। यदि अगले कुछ महीनों में देश-दुनिया में इस महामारी पर काबू पाने में सफलता नहीं मिली तो अर्थव्यवस्था की गति में सुधार और देरी से होगा। हाल में रेटिंग एजंसी मूडीज ने भारत के जीडीपी अनुमान को कैलेंडर वर्ष 2020 के लिए 5.3 फीसद से घटाकर महज 2.5 फीसद कर दिया।

कर्नाटक सरकार 13 अप्रैल तक बंद खत्म करने की रणनीति को अंतिम रूप देगी

बंगलुरु, 9 अप्रैल (भाषा)।

कर्नाटक सरकार बंद खत्म करने की रणनीति पर फैसला करने के लिए विशेषज्ञों और अन्य पक्षकारों से बात कर रही है और इसपर 13 अप्रैल को अंतिम रुख तय करेगी। मेडिकल शिक्षा मंत्री सुधाकर के ने गुरुवार को बताया, 'परसों प्रधानमंत्री के साथ हमारी वीडियो कॉन्फ्रेंस है।' सुधाकर राज्य में कोविड-19 से संबंधित सभी मामलों के प्रभारी हैं। उन्होंने राज्य की रणनीति पर सवाल के जवाब में उक्त टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ डॉक्टरों के एक कार्य बल ने बुधवार को सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी जिसमें सिफारिशें की गईं हैं।

मंत्री ने कहा, 'हम समाज के काफी सारे पक्षकारों के साथ बैठकें कर रहे हैं और उनके विचार जान रहे हैं।' उन्होंने बताया कि इस पर कैबिनेट में भी चर्चा होगी। सुधाकर ने कहा, 'परसो प्रधानमंत्री के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान चर्चा के बाद, सरकार 13 अप्रैल तक इस पर रुख तय करेगी। अबतक हमने इस पर कोई रुख नहीं बनाया है।' मंत्री ने कहा कि भारत में कोविड-19 के मामले धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं लेकिन इटली, स्पेन और अमेरिका जैसे देशों की तरह इनमें बढ़ोतरी नहीं हो रही है,

दुनिया भर में 89 हजार लोगों की गई जान

पेज 1 का बाकी

कोविड-19 से कम से कम 11 भारतीयों की मौत हो गई है, जबकि 16 और लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। अमेरिका में अब तक 14,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चार लाख से अधिक लोग संक्रमित हैं।

एएफपी द्वारा राष्ट्रीय अधिकारियों और विश्व स्वास्थ्य संगठन से इकट्ठा की गई जानकारी हालांकि संक्रमितों की वास्तविक संख्या का केवल एक अंश दर्शाती है। अमेरिका के न्यूयॉर्क में बुधवार को कोरोना से 779 लोगों की मौत हो गई, जो एक दिन में यहां इस बीमारी से होने वाली अब तक की सर्वाधिक मौत हैं। कई देश सिर्फ गंभीर मामलों की जांच कर रहे हैं।

इटली में सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं जहां 17,669 लोगों ने दम तोड़ा है, जबकि संक्रमण के 139,422 मामले हैं। स्पेन में 15,238 लोगों की मौत हुई है और संक्रमण के 152,446 मामले हैं। अमेरिका में संक्रमितों की तादाद सबसे ज्यादा है, जहां इस बीमारी ने 14,817 लोगों की जान ले ली। वहीं 432,132 लोग संक्रमित हैं।

फ्रांस में 10,869 लोगों की मौत हो चुकी है और 112,950 लोग विषाणु का शिकार हुए हैं। फ्रांस में पिछले 24 घंटे में 541 और लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही देश में इस वैश्विक महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या 10,869 पर पहुंच गई। शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारी जेरोम सैलोमन ने बताया कि 7,148 लोग आइसीयू में हैं। इसके बाद ब्रिटेन में 7,097 लोगों ने संक्रमण से दम तोड़ा है और पुष्ट मामलों की संख्या 60,733 है। चीन, जहां से यह संक्रमण शुरू हुआ था, वहां 3,335 मौत हुई हैं और 81,865 मामले हैं। 77,279 लोग इलाज के बाद ठीक हो गए।

सोमालिया ने भी कोरोना एक व्यक्ति की मौत का एलान किया है। अमेरिका में घातक संक्रमण से जिन भारतीय नागरिकों की मौत हुई है, वे सभी पुरुष हैं। इनमें से दस न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी क्षेत्र से हैं। मृतकों में से चार न्यूयॉर्क शहर में टैक्सी चालक बताए जा रहे हैं। फ्लोरिडा में एक भारतीय नागरिक की कथित तौर पर कोरोना से मौत हो गई। कैलिफोर्निया और टेक्सास राज्यों में अधिकारी कुछ अन्य भारतीय मूल के लोगों की राष्ट्रीयता का भी पता लगा रहे हैं।

इसके अलावा, चार महिलाओं सहित 16 भारतीय को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है और सभी पृथक वास में रह रहे हैं। उनमें से आठ न्यूयॉर्क से, तीन न्यूजर्सी से और बाकी टेक्सास और कैलिफोर्निया जैसे राज्यों से हैं। ये भारतीय उत्तराखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के रहने वाले हैं। अमेरिका में न्यूयॉर्क इससे सबसे ज्यादा प्रभावित शहर है, जहां हुई मौतें देशभर में होने वाली मौतों का लगभग आधा हैं।

कोरोना पर जानकारी छिपाने से चीन का इनकार

बेजिंग, 9 अप्रैल (भाषा)।

चीन ने गुरुवार को इस बात से साफ इनकार किया कि उसने दिसंबर, 2019 में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले आने के बाद उन्हें छिपाया। यह कहकर चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इल्जामों से विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस गेब्रेयेसस का बचाव किया है। ट्रंप ने उनपर 'चीन केंद्रित' होने का आरोप लगाया था।

कोविड-19 संबंधी जानकारी छिपाने के अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ के आरोपों को खारिज करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ज्याओ लिजिआन ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन को कोविड-19 की सूचना देने वाला चीन पहला देश है और इसका यह मतलब नहीं है कि वायरस का जन्म वुहान से हुआ है। ज्याओ ने कहा कि महामारी पहले दुनिया में कहीं भी फैल सकती है। लेकिन उसकी शुरुआत विज्ञान का विषय है और हमें इसे विज्ञान एवं मेडिकल समुदाय पर ही छोड़ देना चाहिए। बताते चलें कि प्रवक्ता ने 12 मार्च को आरोप लगाया था कि अमेरिकी सेना कोरोना वायरस को वुहान लेकर आई है। इस बयान पर अमेरिकी ने राजनयिक विरोध दर्ज कराया था।

हालांकि, ज्याओ ने अपना आरोप दोहराया नहीं, लेकिन पोम्पिओ के आरोपों पर विस्तार से जवाब देते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को एहसास होने लगा है कि चीन का उपाय सही है और चीन का अनुभव बहुत काम का है। कोई भी जिम्मेदार देश वायरस को लेकर किसी पर दोषारोपण करे यह गलत होगा। चीन ने छह अप्रैल को कोरोना वायरस का आधिकारिक घटनाक्रम जारी किया। उसमें चीन ने कहा था कि कोरोना विषाणु का वुहान में सबसे पहले दिसंबर, 2019 के अंत में पता चला, जहां संक्रमण को अज्ञात कारणों से न्यूमोनिया के रूप में देखा गया। लेकिन उसमें विषाणु कहां से आया, इसका कोई जिक्र नहीं है।

ज्याओ ने कहा कि यह आरोप कि चीन ने जानकारी छिपाई और उसमें पारदर्शिता की कमी है, यह आधारहीन है। चीन ने डब्लूएचओ को वायरस का 'जेनेटिक सीक्वेंस' उपलब्ध कराया जिसकी बदौलत अमेरिकी प्रयोगशालाएं इसका टीका तैयार करने में जुटी हैं। डब्लूएचओ की जो टीम वुहान दौरे पर आई थी उसमें एक अमेरिकी विशेषज्ञ भी था।

वुहान के स्थानीय अधिकारियों द्वारा जानकारी छिपाए जाने और वायरस के रोकथाम/उन्मूलन के लिए वक्त पर कार्रवाई नहीं करने संबंधी सवाल पर ज्याओ ने कहा, 'जहां तक बात शुरुआती दिनों की है, यह नया वायरस था।'

महिलाओं के जनधन खातों में एक-एक हजार रुपए

पेज 1 का बाकी

खाताधारकों के खातों में 500-500 रुपए डाल दिए हैं। लाभार्थी इस पैसे को कभी भी निकाल सकते हैं। विभाग ने कहा है कि मई और जून में इन खाताधारकों के खातों में 500-500 रुपए और डाले जाएंगे।

विभाग ने लाभार्थियों से किसी तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं देने को कहा है। लाभार्थियों से कहा गया है कि वे अपनी सुविधानुसार एटीएम या बैंक से पैसा निकाल सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक ने भी लाभार्थियों से कहा है कि वे इन अफवाहों पर ध्यान नहीं दें कि यदि वे इस पैसे को नहीं निकालेंगी तो सरकार उसे वापस ले लेगी। इन अफवाहों के चलते बड़ी संख्या में लोग बैंकों में पैसा निकालने के लिए जुट रहे हैं।

डॉक्टरों की सलाह पर ही दी जाए हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्वीन

पेज 1 का बाकी

पर ही हो। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार जीओएम ने हृदय रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए यह दवा नुकसानदायक साबित होने के खतरों को सार्वजनिक तौर पर अवगत कराने का भी निर्देश दिया है। बताते चलें कि भारत में मलेरिया सहित अन्य वायरल जनित बुखार में इस्तेमाल होने वाली इस दवा के प्रयोग को कोरोना संक्रमण के मद्देनजर सीमित कर दिया गया है। कोरोना विषाणु के संक्रमण के इलाज में हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन के कारगर होने के बारे में अब तक पुख्ता वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं होने के कारण स्वास्थ्य मंत्रालय लोगों को एहतियात के तौर पर इस दवा का सेवन नहीं करने की लगातार अपील कर रहा है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) ने भी यह दवा सिर्फ चिकित्साकर्मियों और संक्रमण के संदिग्ध मरीजों को ही देने की सिफारिश की है। हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन की मांग के अनुरूप उपलब्धता को लेकर बैठक में जीओएम ने संतोष जताया। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने जीओएम को देश में इस दवा का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने की जानकारी दी।

बैठक में कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ते मामलों की भी राज्य वार समीक्षा की गई। इसके अलावा संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन को प्रभावी बनाने के लिए राज्य और केंद्र सरकार के समन्वय से किए जा रहे उपायों पर जीओएम ने संतोष व्यक्त किया।

इस बीच, मंत्रालय ने कन्या भ्रूण हत्या को रोकने वाले कानून 'गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम' (पीसीपीएनडीटी) के कुछ प्रावधानों में कोरोना संकट के मद्देनजर ढील दिए जाने संबंधी मीडिया रिपोर्टों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि मंत्रालय ने इस तरह का कोई फैसला नहीं किया है।

बताते चलें कि माकपा पोलित ब्यूरो की सदस्य बृंदा करात ने मंगलवार को डॉ. हर्षवर्धन को पत्र लिखकर यह मामला उठाते हुए कहा था कि पीसीपीएनडीटी कानून के प्रावधानों में ढील दिए जाने से अवैध तौर पर प्रसव पूर्व लिंग परीक्षण कराए जाने का खतरा बढ़ गया है। मंत्रालय द्वारा जारी स्पष्टीकरण में कहा गया है कि कोरोना संकट के मद्देनजर चार अप्रैल को जारी अधिसूचना में प्रसव पूर्व लिंग परीक्षण को रोकने वाले प्रावधानों में कोई ढील नहीं दी गई थी, सिर्फ डायग्नोस्टिक सेंटर के लाइसेंस का नवीनीकरण करवाने संबंधी नियमों में लॉकडाउन के मद्देनजर कुछ समय के लिए ढील दी गई है।

ओड़ीशा ने 30 अप्रैल तक बढ़ाई पूर्ण बंदी

पेज 1 का बाकी

गया है। ओड़ीशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने ट्वीट कर अपने इस फैसले के बारे में जानकारी दी है। इसके साथ ही राज्य सरकार ने केंद्र से इस अवधि के दौरान ट्रेन और विमान सेवाएं नहीं शुरू करने की अपील की है। ओड़ीशा सरकार ने राज्य के सभी शिक्षण संस्थानों को 17 जून तक के लिए बंद करने का फैसला किया है। इस दौरान स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय बंद रहेंगे।

देश में 14 अप्रैल तक के लिए पूर्ण बंदी की घोषणा की गई है। नौ राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इस अवधि को बढ़ाने की मांग केंद्र के सामने रखी है। इस बारे में विचार के लिए प्रधानमंत्री ने 11 अप्रैल को मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई है।

इससे पहले ही गुरुवार को प्रदेश के अपने मंत्रिमंडल की बैठक में नवीन पटनायक ने अवधि बढ़ाने का फैसला लिया और औपचारिक तौर पर केंद्र से भी ऐसा ही करने का आग्रह किया है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुए प्रदेश के मंत्रिमंडल की बैठक में नौ प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

इसमें कोरोना से मुकाबला करने के लिए भविष्य की रणनीति को लेकर प्रस्ताव, आपातकालीन कोष कानून में संशोधन के लिए प्रस्ताव, एक लाख परीक्षण किट संग्रह करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी, महामारी कानून में संशोधन जैसे प्रस्ताव पारित किए गए हैं।

मास्क पहन कर ही बाहर निकलें, नहीं तो मुकदमा : केजरीवाल

पेज 1 का बाकी

काफी हद तक रोका जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे देशों से सीख कर दिल्ली सरकार ने आदेश जारी किया है कि घर से निकलने के बाद हर व्यक्ति को मास्क पहनना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मास्क बाजार से खरीदने की जरूरत नहीं है। आप धुला हुआ कपड़ा या रूमाल को भी मास्क के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

फरवरी में 4.5 फीसद बढ़ा औद्योगिक उत्पादन

पेज 1 का बाकी

आंकड़े के अनुसार औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में इससे पहले फरवरी 2019 में केवल 0.2 फीसद की वृद्धि हुई थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़े के अनुसार विनिर्माण उत्पादन इस साल फरवरी में 3.2 फीसद बढ़ा, जबकि एक साल पहले इसी महीने में इसमें 0.3 फीसद की गिरावट आई थी।

बिजली उत्पादन 8.1 फीसद बढ़ा, जबकि फरवरी 2019 में इसमें 1.3 फीसद की वृद्धि हुई थी। खनन क्षेत्र का उत्पादन इस साल फरवरी में 10 फीसद की दर से बढ़ा, जबकि पिछले साल इसी महीने में इसमें 2.2 फीसद की वृद्धि हुई थी। पिछले वित्त वर्ष में अप्रैल-फरवरी के दौरान आईआईपी वृद्धि दर घट कर 0.9 फीसद रही, जबकि इससे पूर्व 2018-19 की इसी अवधि में इसमें 4 फीसद की वृद्धि हुई थी।

कोरोना से लड़खड़ा सकती है अर्थव्यवस्था

पेज 1 का बाकी

भी उपभोक्ता भावनाएं प्रभावित हुई हैं। भारत को निर्यात के साथ ही कृषि गतिविधियों संबंधी चुनौतियां का सामना करना पड़ रहा है।

कोरोना : चौबीस घंटे में 20 की मौत, संक्रमण के 591 नए मामले

पेज 1 का बाकी

मौत हुई है। वहीं, बिहार, ओड़ीशा और हिमाचल प्रदेश में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। संक्रमितों की संख्या महाराष्ट्र में 1135 तक पहुंच गई है। तमिलनाडु में 738, दिल्ली में 669, तेलंगाना में 442, उत्तर प्रदेश में 410, राजस्थान में 383, आंध्र प्रदेश में 348, केरल में 345, मध्य प्रदेश में 259, कर्नाटक में 181, गुजरात में 179, हरियाणा में 169, जम्मू कश्मीर में 158, पश्चिम बंगाल में 103, पंजाब में 101, ओड़ीशा में 42, बिहार में 39, उत्तराखंड में 35, असम में 28, चंडीगढ़ में 18, हिमाचल प्रदेश में 18, लद्दाख में 14, झारखंड में 13, अंडमान निकोबार द्वीप समूह में 11, छत्तीसगढ़ में 10, गोवा में सात, पुदुचेरी में पांच, मणिपुर में दो, मिजोरम में एक, अरुणाचल प्रदेश में एक और त्रिपुरा में एक मामला सामने आया है।

पंजाब के जवाहरपुर गांव में कोरोना के 22 मामले

पेज 1 का बाकी

और यहां अब तक 37 मामले सामने आ चुके हैं। मोहाली के उपायुक्त गिरीश दयालन ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा, 'जवाहरपुर में एक और मामले की पुष्टि।' बुधवार तक जवाहरपुर में कुल 21 मामले सामने आए थे। अधिकारियों ने कहा कि चार अप्रैल को गांव का 42 वर्षीय पंच संक्रमण की चपेट में आ गया था, जिसके बाद से 20 और लोग इससे संक्रमित पाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि गांव में सामने आए 21 मामलों में से 14 मामले पंच के परिवार से संबंधित हैं। मोहाली जिले में स्वास्थ्य अधिकारी कोरोना वायरस रोगियों के संपर्क में आए लोगों के नमूने ले रहे हैं।

जिला प्रशासन ने गांव के प्रवेश बिंदुओं को पूरी तरह से सील कर दिया है। यह गांव दिल्ली-अंबाला राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्थित है और लोगों की आवाजाही को रोकने के लिए पुलिस की तैनाती की गई है। दयालन ने ट्वीट किया, 'पड़ोसी गांवों में भी घर-घर सर्वे।

चिह्नित किए संक्रमित इलाकों की निगरानी बढ़ाई गई

पेज 1 का बाकी

वस्तुएं मुहैया कराने के लिए घर-घर सामान की आपूर्ति की व्यवस्था को मजबूत और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए हैं। कोरोना वायरस के संबंध में अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश कुमार अवस्थी एवं प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि इन क्षेत्रों की नियमित समीक्षा की जाएगी। ये सभी क्षेत्र प्रदेश के 15 जिलों में हैं। बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी राजकीय अस्पतालों एवं चिकित्सा महाविद्यालयों में उपलब्ध वेंटिलेटर का ऑडिट कराया जाए और उन सभी को क्रियाशील स्थिति में रखा जाए। व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट, इंफ्रारेड थर्मामीटर, पृथक बिस्तर, पृथकवास बिस्तर, सेनेटाइजर, एन-95 मास्क, तीन परत वाले मास्क आदि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

केंद्र ने मंजूर किया राज्यों के लिए तीन चरणों का आपात पैकेज

पेज 1 का बाकी

जाएगा। पत्र के अनुसार, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय जून 2020 तक के पहले चरण के क्रियान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए धन जारी कर रहा है। पहले चरण में जिन गतिविधियों को लागू किया जाएगा, उनमें कोविड-19 के लिहाज से विशेष अस्पतालों, आइसोलेशन ब्लॉक, वेंटिलेटर युक्त आइसीयू के विकास, प्रयोगशालाओं को मजबूती प्रदान करना, अतिरिक्त कर्मियों की भर्ती आदि के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सहयोग देना शामिल है। मंत्रालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से केंद्र द्वारा प्रदान किए जा रहे संसाधनों के अतिरिक्त निजी सुरक्षा उपकरणों, एन-95 मास्कों और वेंटिलेटरों की खरीद में इस धन का इस्तेमाल करने को कहा है।

राज्य सरकारों की ओर से महामारी से लड़ने के लिए केंद्र से विशेष पैकेज की लगातार मांग की जा रही है। यह मुद्दा प्रधानमंत्री की राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बातचीत के दौरान भी उठा। इससे पहले केंद्र सरकार ने राज्यों को 17,287.08 करोड़ रुपए के फंड जारी किए हैं। आंध्र प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, केरल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, सिक्किम, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल को राहत पैकेज के तहत 6100 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम जारी की जा चुकी है। इसके अलावा गृह मंत्रालय की ओर से भी राज्यों को रकम दी गई है। गृह मंत्री अमित शाह ने 11,092 करोड़ के फंड को मंजूरी दी है, जिसका इस्तेमाल राज्यों में पृथक केंद्र बनाने और प्रयोगशालाएं बनाने में किया जा रहा है।

'कोरोना संक्रमण पर न करें राजनीति'

पेज 1 का बाकी

चाहते हैं, तो आप इसका राजनीतिकरण न करें। यह आग से खेलने जैसा है।' मरने वालों की संख्या और संक्रमितों की संख्या का हवाला देते हुए, टेड्रोस ने कहा, 'भगवान की खातिर... कृपया ऐसा न करें।'

विश्व स्वास्थ्य संगठन का मुख्यालय जिनेवा में स्थित है और उसे अमेरिका की ओर से बड़ी धनराशि मिलती है। ट्रंप ने आरोप लगाया, 'उनको मिलने वाले वित्तपोषण का अधिकांश या सबसे बड़ा हिस्सा हम उन्हें देते हैं।

जब मैंने यात्रा प्रतिबंध लगाया था तो वे उससे सहमत नहीं थे और उन्होंने उसकी आलोचना की थी। वे गलत थे। वे कई चीजों के बारे में गलत रहे हैं।

उनके पास पहले ही काफी जानकारी थी और वे काफी हद तक चीन केंद्रित लग रहे हैं।'

बीती फरवरी में ही अमेरिका के बजट प्रस्तावों में ट्रंप प्रशासन ने मांग की थी कि डब्ल्यूएचओ को अमेरिका की फंडिंग 12.26 से घटाकर 5.79 करोड़ डॉलर सालाना कर दी जाए।

ट्रंप के आभार के जवाब में मोदी ने कहा, मिलकर जीतेंगे जंग

पेज 1 का बाकी

में भारत की मदद को 'भुलाया नहीं जाएगा।' ट्रंप ने पिछले हफ्ते फोन पर हुई बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी से मलेरिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाली यह दवा भेजने का अनुरोध किया था। भारत ने इसके निर्यात पर रोक लगा दी थी, जिसे मंगलवार को हटा दिया गया।

चिकित्सा उपकरणों पर सीमा शुल्क, स्वास्थ्य उपकर से छूट

पेज 1 का बाकी

मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए देश में वेंटिलेटर्स और दूसरी सामग्री की जरूरी आवश्यकता पर विचार के बाद केंद्र सरकार ने इन सामानों पर स्वास्थ्य उपकर और मूल सीमा शुल्क से छूट दे दी है।

इसमें कहा गया है कि इन सामानों के विनिर्माण में काम आने वाली सामग्री के आयात पर भी यह छूट लागू होगी। बयान में कहा गया है कि इन सामानों पर मूलभूत सीमा शुल्क में यह छूट इस साल 30 सितंबर तक उपलब्ध होगी।

www readwhere com

स्थिति सामान्य होने पर राजकोषीय उपायों से आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी

आरबीआइ ने अपनी मौद्रिक नीति रिपोर्ट में कहा

मुंबई, 9 अप्रैल (भाषा)।

रिजर्व बैंक ने गुरुवार को उम्मीद जताते हुए कहा कि हाल के मौद्रिक और वित्तीय उपायों से स्थिति कोरोना विषाणु से घरेलू मांग पर पड़े प्रतिकूल प्रभाव को सीमित करने में मदद मिलेगी और जैसे ही स्थिति सामान्य होती है आर्थिक वृद्धि में तेजी आएगी। दुनिया के कई देशों में कोरोना विषाणु महामारी की रोकथाम के लिए जारी 'पूर्ण बंदी' और उसका आर्थिक गतिविधियों पर पड़ रहे प्रभाव के बीच आरबीआइ ने यह बात कही है।

रिजर्व बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति रिपोर्ट में कहा कि कोरोना विषाणु महामारी के बाद दुनिया भर में पूर्ण बंदी से वैश्विक परिदृश्य कमजोर होगा और इसका असर वृद्धि परिदृश्य पर पड़ेगा। केंद्रीय बैंक ने इसके आधार पर कहा कि इस समय वृद्धि के बारे में अनुमान जताना मुश्किल है। आरबीआइ ने कहा कि 2019-20 के दौरान रबी फसल अच्छी होने और खाद्य वस्तुओं के दाम में तेजी को देखते हुए ग्रामीण मांग को सुदृढ़ होने के लिए अनुकूल माहौल है। उसने यह भी कहा कि नीतिगत दर में कटौती के बाद उसका लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के मामले में सुधार दिख रहा है। केंद्रीय बैंक के अनुसार इसके अलावा कर दरों में कटौती व बुनियादी ढांचा व्यय बढ़ाने के उपायों का मकसद घरेलू मांग को गति देना था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि लेकिन कोरोना विषाणु महामारी के कारण यह परिदृश्य बदल गया है। कोरोना विषाणु संक्रमण के बाद के जो

> ● रिपोर्ट में कहा गया है, कोरोना विषाणु और उसके बाद पूर्ण बंदी से 2020 में वैश्विक उत्पादन में गिरावट की आशंका है। इसका वृद्धि परिदृश्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है। परिस्थिति में बदलाव इस बात पर निर्भर करेगा कि कितनी तेजी से महामारी को काबू में किया जाता है और कितनी जल्दी आर्थिक गतिविधियां सामान्य होती हैं।

अनुमान मिल रहे हैं, उससे 2020 में वैश्विक अर्थव्यवस्था के मंदी में जाने का खतरा दिख रहा है। आरबीआइ ने आगे कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में नरमी अगर बनी रहती है तो इससे देश की व्यापार स्थिति बेहतर हो सकती है। लेकिन इससे होने वाला लाभ इतना नहीं है, जिससे देशव्यापी बंद और बाह्य मांग से होने वाले नुकसान की भरपाई हो।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना विषाणु और उसके बाद पूर्ण बंदी से 2020 में वैश्विक उत्पादन में गिरावट की आशंका है। इसका वृद्धि परिदृश्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है। परिस्थिति में बदलाव इस बात पर निर्भर करेगा कि कितनी तेजी से महामारी को काबू में किया जाता है और कितनी जल्दी आर्थिक गतिविधियां सामान्य होती हैं। इसमें कहा गया है कि आरबीआइ के नकदी बढ़ाने को लेकर उठाए गए कदमों व सरकार के राजकोषीय प्रोत्साहन उपायों से घरेलू मांग पर प्रतिकूल प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी व स्थिति सामान्य होने पर आर्थिक गतिविधियों को गति देने में सहायता मिलेगी।

रिपोर्ट के अनुसार मुद्रास्फीति अनुमान को लेकर इस समय जोखिम संतुलित जान पड़ता है और अस्थायी परिदृश्य अपेक्षाकृत नरम रहने का अनुमान है। लेकिन कोरोना विषाणु का असर आने वाले समय में दिखने की आशंका बनी हुई है। आरबीआइ ने कहा कि वह इस समय जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि का अनुमान नहीं देगा, क्योंकि स्थिति अभी सामान्य नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना विषाणु का मुद्रास्फीति पर प्रभाव फिलहाल अस्पष्ट है। खाद्य वस्तुओं के दाम में संभावित गिरावट का असर गैर-खाद्य वस्तुओं में लागत वृद्धि के कारण समाप्त हो सकता है। आपूर्ति गड़बड़ाने से इस समय गैर-खाद्य वस्तुओं की वृद्धि का असर कम होगा।

अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए 200 अरब डॉलर के राहत पैकेज की जरूरत: नारेडको

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (भाषा)।

रीयल एस्टेट कंपनियों के संगठन नारेडको ने सरकार से भारतीय अर्थव्यवस्था को कोविड-19 के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने के लिए कम से कम 200 अरब डॉलर का प्रोत्साहन पैकेज देने की मांग की है। इसके अलावा नारेडको ने कहा है कि कंपनियों को दिवालिया होने से बचाने और विदेशी इकाइयों द्वारा उनके अधिग्रहण की संभावना को समाप्त करने के लिए दिवाला कानून के प्रावधानों को छह महीने के लिए स्थगित रखा जाना चाहिए।

नारेडको के अध्यक्ष निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि कोरोना विषाणु संकट से निपटने के लिए लागू बंदी से रीयल एस्टेट क्षेत्र को कम से कम एक लाख करोड़ रुपए का नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि सरकार को रीयल एस्टेट कंपनियों को एकबारगी ऋण पुनर्गठन की अनुमति देनी चाहिए और उन्हें अतिरिक्त नकदी उपलब्ध करानी चाहिए, जिससे वे कारोबारी गतिविधियां फिर शुरू कर सकें। उन्होंने कहा कि रीयल एस्टेट क्षेत्र में संपत्तियों के दाम 10 से 15 फीसद तक घट सकते हैं। अगर राहत पैकेज नहीं मिलता है तो नौकरियों की कटौती हो सकती है और कर्मचारियों का वेतन घटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सर्दियों की फसल की कटाई और गर्मियों की फसल की बुवाई से क्षेत्र को जून तक श्रमबल की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

दूसरे प्रोत्साहन पैकेज की उम्मीद में सूचकांक 31,150 अंक के पार

मुंबई, 9 अप्रैल (भाषा)।

शेयर बाजारों में गुरुवार को जोरदार तेजी आई और बंबई शेयर बाजार का सूचकांक जहां 1,265 अंक उछला, वहीं एनएसई निफ्टी 9,100 अंक के ऊपर निकल गया। कोरोना विषाणु महामारी और उसकी रोकथाम के लिए जारी 'पूर्ण बंदी' के प्रभाव से निपटने के लिए सरकार के दूसरे प्रोत्साहन पैकेज जारी होने की उम्मीद में बाजार में चौतरफा लिवाली हुई।

कोरोना विषाणु मामलों में बढ़ने की प्रवृत्ति थोड़ी हल्की होने व विभिन्न देशों द्वारा आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए प्रोत्साहन उपायों की उम्मीद से वैश्विक बाजारों में भी तेजी रही। तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक एक समय 31,225.20 अंक के उच्च स्तर तक चढ़ गया। लेकिन बाद में इसमें कुछ गिरावट आई और यह पिछले बंद के मुकाबले 1,265.66 अंक यानी 4.23 फीसद की बढ़त के साथ 31,159.62 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 363.15 अंक यानी 4.15 फीसद की बढ़त के साथ 9,111.90 अंक पर बंद हुआ। अवकाश के कारण कम कारोबारी दिवस वाले इस सप्ताह में सूचकांक 3,568.67 यानी 12.93 फीसद और निफ्टी 1,028.10 अंक यानी 12.71 फीसद मजबूत हुए। शुक्रवार को बाजार में 'गुड फ्राइडे' का अवकाश रहेगा।

सूचकांक के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में महिंद्रा एंड महिंद्रा रही। कंपनी का शेयर 16.74 फीसद मजबूत हुआ। उसके बाद मारुति सुजुकी (13.16 फीसद), टाइटन (11.12 फीसद), हीरो मोटो कार्प (9.65 फीसद), बजाज फाइनेंस (9.32 फीसद) और एचडीएफसी (9.29 फीसद) का स्थान रहा। वहीं दूसरी तरफ एचयूएल, टेक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक और नेस्ले में 3.49 फीसद तक की गिरावट दर्ज की गई।आनंद राठी के इक्विटी शोध प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कहा कि भारतीय बाजारों में सकारात्मक रुख रहा। एशिया के अन्य बाजारों में तेजी का असर घरेलू बाजारों पर भी पड़ा। कोरोना विषाणु के फैलने की गति हल्की होने के बाद नीति निर्माताओं ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को फिर से खोले जाने की प्रक्रिया पर चर्चा की, जिसका असर दुनिया भर के शेयर बाजारों पर पड़ा है। उन्होंने कहा कि करीब एक लाख करोड़ रुपए के दूसरे प्रोत्साहन पैकेज और लुघ व मझोले उद्यमों की मदद पर जोर दिए जाने की उम्मीद से दोपहर के कारोबार में बाजार में चौतरफा लिवाली हुई और तेजी का रुख बन गया।

बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार केंद्र मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए एक और वित्तीय प्रोत्साहन की घोषणा कर सकता है। यह पिछले महीने घोषित 1.70 लाख करोड़ रुपए के पैकेज के समान हो सकता है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने बाजार में तेजी को लेकर निवेशकों को आगाह किया है और सोच-समझ कर निवेश करने की सलाह दी है।

काम पर लौटने में डर रहे हैं पूर्वोत्तर के प्रवासी कामगार

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (भाषा)।

विनिर्माताओं के संगठन ऑल इंडिया मैन्यूफैक्चर्स ऑर्गेनाइजेशन (एआइएमओ) ने गुरुवार को कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों के प्रवासी कामगार अपने राज्यों से बाहर के कार्यस्थलों पर काम पर लौटने में डर रहे हैं। इसकी बड़ी वजह बंद के दौरान उन्हें हुआ कटु अनुभव है। कोरोना के संक्रमण की रोकथाम के लिए केंद्र सरकार ने पूरे देश में 21 दिन का राष्ट्रीय बंद लागू किया है। यह बंद 14 अप्रैल तक के लिए है।

संगठन ने कहा कि पूर्वोत्तर के काफी कामगार अभी कार्यस्थलों में ही फंसे हुए हैं लेकिन वे राष्ट्रीय बंद के समाप्त होते ही अपने गृह राज्य लौट जाना चाहते हैं। प्रवासी कामगारों के लौट जाने के कारण उद्योग जगत के समक्ष पहले की श्रमबल की कमी का संकट मंडरा रहा है। ऐसे में यदि पूर्वोत्तर क्षेत्र के कामगार बंद समाप्त होने के बाद अपने राज्य लौट जाते हैं तो इससे उद्योगों के सामने कामगारों की कमी का आसन्न संकट और गहरा जाएगा।

एआइएमओ ने अपने एक अध्ययन का हवाला देते हुए बताया कि पूर्वोत्तर राज्यों के काफी सारे कामगार अन्य राज्यों में स्थित कार्यस्थलों पर काम पर लौटने में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

संगठन के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (पूर्व) बीपी बख्शी ने अध्ययन के बारे में कहा, 'देश में प्रवासी कामगारों में पूर्वोत्तर क्षेत्र सर्वाधिक योगदान देने वालों में से एक है। विशेषकर खाद्य एवं पेय क्षेत्र, सुरक्षा, चाय व कॉफी बगान, सैलून, सौंदर्य, नर्सिंग आदि क्षेत्रों में इनका काफी योगदान है।' उन्होंने कहा कि संगठन ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के कामगारों की लघु, मध्यम एवं दीर्घावधि में सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार को लंबित वेतन के भुगतान, पर्याप्त खाद्य उपलब्धता तथा रहने के लिये सुरक्षित प्रबंध समेत कई सुझाव दिए हैं।

बख्शी ने कहा कि अध्ययन के अनुसार, पूर्वोत्तर क्षेत्र के कामगारों के लौटने के कारण दिल्ली, चंडीगढ़, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, बंगलुरु, पुणे, हैदराबाद और गोवा आदि में एमएसएमई क्षेत्र को अगले छह से नौ महीने के दौरान कामगारों की कमी के संकट का सामना करना पड़ सकता है।

उत्तराखंड : महिला ने अपनी सारी जमापूंजी 'पीएम केयर्स फंड' में दान की

देहरादून, 9 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु के संक्रमण की चुनौती से जूझ रहे देश की मदद के लिए उत्तराखंड की एक महिला ने दस लाख रुपए की अपनी पूरी जमापूंजी 'प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत कोष (पीएम केयर्स फंड) में दान कर दी। अनुकरणीय उदारता का परिचय देते हुए 60 वर्षीय देवकी भंडारी ने पीएम केयर्स फंड में दान देने के लिए दस लाख रुपए का चेक अधिकारियों को दिया।

चमोली जिले के गौचर की रहने वाली संतानहीन देवकी के पति का कुछ साल पहले देहांत हो चुका है और तब से वह अकेली रहती हैं। देवकी की इस कदम से अभिभूत प्रदेश के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि उन्होंने वैश्विक संकट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पीएम केयर्स फंड में 10 लाख रुपए की अपनी सारी पूंजी दान कर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से सब कुछ त्याग और दान देने की हमारी भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित करते हुए देवकी जी ने अकेले होकर भी पूरे भारतवर्ष को अपना परिवार समझा और हमारे सामने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया।

रावत ने कहा कि इस भारत भूमि में दानवीर कर्ण और राजा बलि की दानवीरता की कहानियां हमने सिर्फ किताबों में पढ़ी थीं, लेकिन आज साक्षात देख भी ली है। उन्होंने कहा कि कोरोना से लड़ने के लिए ऐसा हर एक प्रयास इस जंग को मजबूत करेगा और इस कठिन दौर से हमें बाहर निकालने में मदद करेगा।

महाराष्ट्र के मंत्री को जान से मारने की धमकी

मुंबई, 9 अप्रैल (भाषा)।

महाराष्ट्र के आवास मंत्री जितेंद्र आव्हाड ने गुरुवार को कुछ लोगों के सोशल मीडिया पोस्ट के स्क्रीनशॉट साझा किए जिसमें उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। आव्हाड ने आरोप लगाया कि कुछ लोग उन्हें मारने की योजना बना रहे हैं और पिछले पांच साल में उनके घर की रेकी की गई है। मंत्री ने किसी का नाम तो नहीं लिया लेकिन यह जानने के कोशिश की इसमें कौन शामिल है।

आव्हाड ने कहा कि पुलिस सोशल मीडिया पर ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी और वह अपनी मां के आशीर्वाद की वजह से सुरक्षित हैं। आव्हाड ने ट्विटर पर स्क्रीनशॉट साझा किए हैं जिसमें से एक में एक शख्स ठाणे में एक व्यक्ति को उनके समर्थकों द्वारा कथित रूप से पीटने पर मंत्री का इस्तीफा मांग रहा है और इस्तीफा नहीं देने पर आव्हाड को जान से मारने की धमकी दे रहा है।

एक अन्य स्क्रीनशॉट में यह शख्स अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन का कथित रूप से समर्थन करता दिख रहा है। एक और अन्य स्क्रीनशॉट में एक अन्य शख्स आव्हाड को खून में नहलाने की धमकी दे रहा है। आव्हाड ने ट्वीट किया, 'मैं यह पांच साल से सह रहा हूं। मेरे आवास की रेकी की गई है। किसने यह किया? हत्या की योजना बनाई गई। कौन शामिल हैं? पुलिस कार्रवाई करेगी।' ठाणे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट को लेकर एक व्यक्ति को पीटने के आरोप में आव्हाड के समर्थकों पर मामला दर्ज किया गया है।

कासरगोड में पुलिस वाले करेंगे आवश्यक वस्तुओं की घर तक आपूर्ति

कोच्चि, 9 अप्रैल (भाषा)।

केरल के कासरगोड जिले में काम के बोझ तले दबे पुलिसकर्मियों ने अब आवश्यक सामग्रियां लोगों के घरों तक पहुंचाने की सेवा भी शुरू कर दी है, ताकि पूर्ण बंदी के दौरान लोग घरों में ही रहें। एक शीर्ष अधिकारी ने दावा किया कि यह सुविधा ई-कॉमर्स कंपनी एमेजॉन से भी तेज है।

लोगों की आवाजाही को और सीमित करने के मकसद से शुरू की गई इस नई सुविधा के तहत नागरिक जरूरी किराना सामान और दवाओं आदि की सूची जिला पुलिस द्वारा दिए गए वॉट्सएप नंबर पर भेज सकते हैं। पुलिस महानिरीक्षक विजय सखारे ने जिले के नागरिकों को दिए संदेश में कहा कि अगर आप अपने घरों पर जरूरी वस्तुएं चाहते हैं तो केवल पुलिस के वॉट्सएप नंबर पर एक संदेश भेजिए। कासरगोड राज्य में कोरोना से सबसे बुरी तरह प्रभावित है। आवश्यक वस्तुएं लोगों के घरों तक पहुंचाने की सेवा की शुरुआत किए जाने की घोषणा करते हुए सखारे ने कहा कि घरों में सुरक्षित बंद लोगों को सामान खरीदने के लिए बाहर आने की जरूरत नहीं है। पुलिस आवश्यक सामान उनके घरों तक पहुंचाएगी। एमेजॉन जैसी कंपनी की सेवाओं से तुलना करते हुए अधिकारी ने कहा कि कासरगोड पुलिस की आवश्यक वस्तुएं लोगों के घरों तक पहुंचाने की शानदार सेवा 'एमेजॉन' से ज्यादा तेज है। उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर लिखा कि आपको हमारे वॉट्सएप नंबर पर केवल एक ऑडियो, वीडियो या टेक्स्ट मैसेज भेजना है।

CANARA ROBECO

Canara Robeco Mutual Fund

Investment Manager : Canara Robeco Asset Management Co. Ltd.
Construction House, 4th Floor, 5, Walchand Hirachand Marg, Ballard Estate, Mumbai 400 001.
Tel.: 6658 5000 Fax: 6658 5012/13 www.canararobeco.com CIN No.: U65990MH1993PLC071003

NOTICE-CUM-ADDENDUM NO. 01

Disclosure of Half-yearly Statement of Scheme Portfolio of Canara Robeco Mutual Fund:

All unit holders of Canara Robeco Mutual Fund are requested to note that in terms of SEBI circular no. SEBI/HO/IMD/DF2/CIR/P/2018/92 dated June 05, 2018, the Half Yearly Statement of Scheme Portfolio (along with ISIN) for the period ended March 31, 2020 of Canara Robeco Mutual Fund have been hosted on the website of Canara Robeco Asset Management Company Limited (www.canararobeco.com) and AMFI (www.amfiindia.com). Unit holders may request for a physical or electronic copy of the said report through SMS, telephone, email, written request or by choosing the relevant option under the scheme application forms (applicable for new subscribers). Such copies shall be provided to the unit holders free of cost.

Unitholders are requested to visit www.canararobeco.com to claim their amounts remaining unclaimed or unpaid and follow the prescribed procedure therein.

For and on behalf of Canara Robeco Asset Management Company Ltd.
(Investment manager for Canara Robeco Mutual Fund)

Date: 09-04-2020 **sd/-**
Place: Mumbai **Authorised Signatory**

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

Motilal Oswal Mutual Fund

Motilal Oswal Asset Management Company Limited

Registered & Corporate Office : 10th Floor, Motilal Oswal Tower, Rahimtullah Sayani Road, Opposite Parel ST Depot, Prabhadevi, Mumbai - 400 025
● **Toll Free No.**: +91 8108622222, +91 22 40548002 ● **Email** : mfservice@motilaloswal.com
● **CIN No.**: U67120MH2008PLC188186
● **Website:** www.motilaloswalmf.com and www.mostshares.com

Hosting of Half yearly portfolio statement of the Schemes of Motilal Oswal Mutual Fund (MOMF) for the half year ended March 31, 2020

Notice is hereby given that in accordance with the Regulation 59A of Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996 read with SEBI circular no. SEBI/HO/IMD/DF2/CIR/P/2018/92 dated June 5, 2018, the Half yearly portfolio of the Schemes of Motilal Oswal Mutual Fund (**MOMF**) for period ended March 31, 2020 have been hosted on the website of MOMF i.e. www.motilaloswalmf.com and www.mostshares.com and AMFI Website i.e. www.amfiindia.com.

Investors can request for physical or electronic copy of half yearly portfolio through any of the following means:

1. Email: Send an email to mfservice@motilaloswal.com from registered email-id;
2. Toll free no : Contact us at our toll free no. at +91 8108622222, +91 22 40548002;
3. Letter: Written request can be sent at KFin Technologies Private Limited (Unit - Motilal Oswal Mutual Fund), Selenium Building, Tower-B, Plot Number 31 & 32, Financial District, Nanakramguda, Serilingampaly Mandal, Hyderabad - 500 032, India or by emailing at motilalmf.processing@kfintech.com.

Investors / Unitholders are requested to take note of the above.

For Motilal Oswal Asset Management Company Limited
(Investment Manager for Motilal Oswal Mutual Fund)

Sd/-
Place : Mumbai **Aashish P Somaiyaa**
Date : April 09, 2020 **Managing Director and Chief Executive Officer**

MUTUAL FUND INVESTMENTS ARE SUBJECT TO MARKET RISKS, READ ALL SCHEME RELATED DOCUMENTS CAREFULLY.

MIRAE ASSET Mutual Fund

NOTICE CUM ADDENDUM NO. AD/12/2020

Uploading half yearly portfolio for the period ended March 31, 2020 for the schemes of Mirae Asset Mutual Fund:

NOTICE is hereby given to all investor(s) / unit holder(s) of Mirae Asset Mutual Fund ("the Fund") that in accordance with Regulation 59 (A) of Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996 and read with SEBI (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2018 dated May 30, 2018 and SEBI Circular no. SEBI/HO/IMD/DF2/CIR/P/2018/92 dated June 05, 2018, the half yearly portfolio for the period ended March 31, 2020 has been hosted on AMC website i.e. www.miraeassetmf.co.in and on AMFI i.e www.amfiindia.com.

Investors can request for physical / soft copy of the half yearly portfolio for the year ended March 31, 2020 through any of the following means:

1. Email: **customercare@miraeasset.com**;
2. Toll free number: 1800-2090-777;
3. Letter: Written request letter can be sent at KFin Technologies Private Limited, KFintech, Tower-B, Plot No. 31 & 32, Selenium Building, Financial District, Nanakramguda, Serilingampally, Gachibowli, Hyderabad - 500 032.

For and on behalf of the Board of Directors of
MIRAE ASSET INVESTMENT MANAGERS (INDIA) PVT. LTD.
(Asset Management Company for Mirae Asset Mutual Fund)

Place : Mumbai Sd/-
Date : April 09, 2020 **AUTHORISED SIGNATORY**

MIRAE ASSET MUTUAL FUND (Investment Manager: Mirae Asset Investment Managers (India) Private Limited) (CIN: U65990MH2019PTC324625).
Registered & Corporate Office: 606, Windsor, Off CST Road, Kalina, Santacruz (E), Mumbai - 400098.
☎ 1800 2090 777 (Toll free), ✉ customercare@miraeasset.com 🌐 www.miraeassetmf.co.in

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

Standard Chartered

STANDARD CHARTERED PLC

Standard Chartered PLC (the "**Company**") was incorporated in England and Wales on November 18, 1969 and registered as a public limited company under company number 00966425.
Registered Office and Principal Place of Business in the UK: 1 Basinghall Avenue, London EC2V 5DD
Tel: +44 (0)20 7885 8888; **Fax**: +44 (0)20 7885 7337; **Website**: www.sc.com;
Email: group-corporate.secretariat@sc.com
Compliance Officer for IDRs: Ekta Laiwani;
Tel: +91 22 6115 7853; **Fax**: +91 22 2675 7733; **Email**: ekta.laiwani@sc.com

TERMINATION PROCESS FOR THE OUTSTANDING INDIAN DEPOSITORY RECEIPTS (THE "IDRs") – UPDATE

This is with respect to the ongoing the termination process of the IDR Programme by Standard Chartered PLC (the "**Company**").

The Company had on February 28, 2020, announced that it would commence a share buy-back, to repurchase up to a maximum aggregate value of USD 500 million of its equity shares (the "**Shares**"), and had entered into irrevocable, non-discretionary agreement with J.P. Morgan Securities plc ("**JPMS**") to enable the purchase of Shares on UK recognized investment exchanges (the "**Buy-back Programme**"). Pursuant to the request from the Prudential Regulation Authority, United Kingdom, and as a consequence of the unprecedented challenges facing the world due to the COVID-19 pandemic, the Company has now made an announcement dated April 1, 2020 in relation to the decision of its board of directors to *inter alia* suspend such Buy-back Programme.

The Company implemented the termination process for the IDR Programme with effect from March 18, 2020, and issued the termination operating guidelines, dated March 13, 2020 (the "**Termination Operating Guidelines**"). As part of the Cash-out Option (as defined in the Termination Operating Guidelines), the holders of the outstanding IDRs (the "**IDR Holders**") were entitled to surrender some or all of their IDRs for cash proceeds from the sale of underlying Shares on the London Stock Exchange (the "**LSE**"). The Shares corresponding to the IDRs surrendered under the Cash-out Option by the IDR Holders were to be offered for sale on the LSE in the open market, and could be purchased by JPMS, under the Buy-back Programme, or any third party outside the Buy-back Programme. With the Buy-back Programme being suspended, such **Shares offered for sale on the LSE under the Cash-out Option will not be purchased by JPMS (on behalf of the Company under the Buy-back Programme), but can be purchased by any purchaser on the floor of LSE.**

Separately, in accordance with the Termination Operating Guidelines, the last date for submission of the 'Withdrawal Orders' with KFin Technologies Private Limited (the "**Registrar**") is June 15, 2020 and the mode of such submission is either hand delivery or by registered post or courier. The Company believes that due to the ongoing COVID-19 pandemic (including lock-down at various places, work from home by various organisations, as well as limitation of movements in various cities to essential services), the IDR Holders may face considerable issues in submitting hard copies of the Withdrawal Orders and the enclosures thereto.

Accordingly, with a view to facilitate the participation of the IDR Holders in the termination process and for convenient of the IDR Holders, as well as to reduce hardship to the IDR Holders, it has been decided to provide an **option of submission of soft copy of the Withdrawal Orders and the relevant enclosures by the IDR Holders, for participation in Cash-out Option and/or Conversion Option** (as defined in the Termination Operating Guidelines).

Accordingly, the Termination Operating Guidelines, the frequently asked questions (the "**FAQs**") and the withdrawal order format issued by the Company (the "**Withdrawal Order**") in March 2020 have been amended and restated, to reflect the above aspects. Such amended and restated Termination Operating Guidelines, the amended FAQs and the amended Withdrawal Order format have been enclosed with the letter sent/to be sent to the IDR Holders by the Company. The Company has submitted the amended and restated Termination Operating Guidelines and the amended FAQs to BSE Limited and the National Stock Exchange of India Limited.

COPY OF THE TERMINATION OPERATING GUIDELINES, AS AMENDED AND RESTATED, IS AVAILABLE, ON REQUEST, AT THE OFFICE OF THE COMPANY AT 1 BASINGHALL AVENUE, LONDON, EC2V 5DD, UK, THE DOMESTIC DEPOSITORY AT STANDARD CHARTERED BANK, 23/25 MG ROAD, 3rd FLOOR, FORT, MUMBAI – 400 001, THE OVERSEAS CUSTODIAN AT THE BANK OF NEW YORK MELLON, ONE PICCADILLY GARDENS, MANCHESTER, M1 1RN, UK, AND THE REGISTRAR AT KFIN TECHNOLOGIES PRIVATE LIMITED SELENIUM TOWER B, PLOT NOS. 31 & 32, FINANCIAL DISTRICT NANAKRAMGUDA, SERILINGAMPALLY MANDAL, HYDERABAD – 500 032, AS WELL AS ON THE COMPANY'S WEBSITE AT HTTPS://WWW.SC.COM/EN/INVESTORS/SHAREHOLDER-INFORMATION/INDIAN-DEPOSITORY-RECEIPTS/IDR-INDIAN-DEPOSITORY-RECEIPTS/. TO ASSIST THE IDR HOLDERS, THE COMPANY HAS UPLOADED SOME LIKELY QUESTIONS (AS AMENDED) CONCERNING THE TERMINATION PROCESS AND THE MECHANISM FOR PARTICIPATING IN THE TERMINATION PROCESS ON ITS WEBSITE AT HTTPS://WWW.SC.COM/EN/INVESTORS/SHAREHOLDER-INFORMATION/INDIAN-DEPOSITORY-RECEIPTS/IDR-INDIAN-DEPOSITORY-RECEIPTS/ AND THESE SHOULD BE READ IN CONJUNCTION WITH THESE TERMINATION OPERATING GUIDELINES AND OTHER APPLICABLE LAWS.

To address the queries of the IDR Holders, the Domestic Depository and the Registrar has set up dedicated telephone helplines during the working hours (i.e. 9:00 am to 6:00 pm) on all working days, until completion of the termination process and six (6) months thereafter. The details of the dedicated telephone lines are:

Domestic Depository: +91 (0)22 -6115-7854/ +91 (0)22 -6115-7758
Registrar: 1800 3454 001

IDR Holders should also consult their own counsel and advisors as to business, legal, tax, accounting and related matters under Indian and other applicable laws.

Date : April 10, 2020 For **Standard Chartered PLC**
Mumbai on behalf of Board of Directors
Sd/-

Advertorial 051

www.readwhere.com

खबर कोना

मैं 66 वर्ष का हो गया हूं , 36 या 46 या 56 साल का नहीं हूं।

पता नहीं आगे कितनी कमेंट्री कर सकूंगा : होल्डिंग

किंगस्टन, 9 अप्रैल (भाषा)।

वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग ने संकेत दिया कि बढती उम्र के कारण वह 2021 में क्रिकेट कमेंट्री जारी नहीं रख सकेंगे विश्व क्रिकेट में सबसे मशहूर कमेंटेटरों में से एक 66 वर्ष के होल्डिंग पिछले 21 साल से स्काइ स्पोर्ट्स से जुड़े हैं । उन्होंने बारबाडोस में एक रेडियो टॉकशो में कहा, मुझे नहीं पता कि 2020 के बाद कितनी कमेंट्री कर सकूंगा। मैं 66 वर्ष का हो गया हूं , 36 या 46 या 56 साल का नहीं हूं। उन्होंने कहा , मैंने चैनल से कह दिया है कि इस समय एक साल से ज्यादा का वादा नहीं कर सकता। यदि यह साल पूरा ही खराब हो जाता है तो 2021 के बारे में सोचूंगा।

आस्ट्रेलिया का दो टैस्ट का बांग्लादेश दौरा स्थगित

सिडनी, 9 अप्रैल (एपी)।

आस्ट्रेलिया का जून में होने वाला दो टैस्ट का बांग्लादेश क्रिकेट दौरा कोरोना वायरस के कारण रद्द हो गया है। पहला टैस्ट 11 जून से चटगांव में और दूसरा 19 जून से ढाका में होना था । दोनों विश्व टैस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा थे । क्रिकेट आस्ट्रेलिया के सीईओ केविन राबर्ट्स ने कहा , वैश्विक क्रिकेट कैलेंडर काफी व्यस्त है लेकिन हम इस दौरे को भविष्य में पूरा करने के लिए अपनी ओर से पूरी कोशिश करेंगे।

जब स्मिथ के टिप्स से युवा रियान पराग को मिली रणजी ट्राफी में मदद

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (भाषा)।

असम के युवा आल राउंडर रियान पराग को इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ द्वारा दी गई टिप्स का फायदा रणजी ट्राफी खेलते हुए मिला। पृथ्वी साव की विश्व कप विजेता अंडर-19 टीम के अहम सदस्य रियान ने पिछले साल आइपीएल में राजस्थान रायल्स के लिए अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन उनके लिए सबसे अच्छी चीज स्मिथ की लाल गेंद के क्रिकेट के लिए दी गई बल्लेबाजी टिप्स रही। रियान ने कहा, निश्चित रूप से मैंने स्टीव और जोस बटलर से काफी बातें की थीं। उन्होंने आइपीएल के दौरान मेरी काफी मदद की थी। जब आप स्मिथ जैसी काबिलियत वाले खिलाड़ी के साथ बल्लेबाजी करते हैं और 30,000 से ज्यादा लोग आपको देखते हैं तो यह काफी कठिन हो जाता है।

दुबई होम मैराथन में भाग लेंगे 62 देशों के धावक

दुबई, 9 अप्रैल (भाषा)।

विश्व की पहली होम मैराथन का शुक्रवार को यहां आयोजन किया जाएगा जिसमें 62 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 749 धावक अपने घरों में 42.195 किमी की दूरी तय करेंगे।

इस मैराथन में भाग लेने वालों में 526 पुरुष और 223 महिलाएं शामिल हैं। सबसे युवा भागीदार 18 साल का जबकि सबसे उम्रदराज 65 साल का है।

मैराथन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के समयानुसार सुबह आठ बजे से शाम छह बजे के बीच आयोजित की जाएगी। इस तरह से भागीदार दस घंटे के अंदर इसमें भाग लेंगे।

होम मैराथन में भी 42.195 किमी की दूरी तय करनी होगी और यह सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए खुली है। इसमें इस क्षेत्र के कई धावक भाग ले रहे हैं। यूएई के अलावा कुवैत, सऊदी अरब, ओमान, बहरीन और जोर्डन के धावक भी इसमें हिस्सा लेंगे।

इस मैराथन का आयोजन दुबई खेल परिषद (डीएससी), एएसआईसीएस मिडिल ईस्ट और 5:30 रन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

भागीदार दौड़ने के लिए अपने कोर्स का आकार स्वयं तय कर सकते हैं लेकिन ट्रेडमिल या किसी अन्य उपकरण का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी। सार्वजनिक स्थानों पर दौड़ने की अनुमति भी नहीं होगी।

प्रतिभागियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके पास पूरी तरह से चार्ज स्मार्टवाच और स्मार्टफोन है जिसमें स्ट्रैवा ऐप काम कर रहा है। उन्हें स्ट्रैवा पर मैराथन

इस मैराथन का आयोजन दुबई खेल परिषद (डीएससी), एएसआईसीएस मिडिल ईस्ट और 5:30 रन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

एट होम समूह से जुड़ना होगा और लगातार जुड़े रहना होगा। यह ट्रैक उनका समय और दूरी तय करने में मदद करेगा।

शीर्ष पर रहने वालों के लिए पुरस्कार की व्यवस्था है जबकि दौड़ पूरी करने वालों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

कोहली को शांत रखने के लिए उनसे लड़ने से बचते थे : टिम पेन

होबार्ट, 9 अप्रैल (भाषा)।

टैस्ट कप्तान टिम पेन ने स्वीकार किया कि आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम विराट कोहली से किसी भी तरह की लड़ाई से बचने के लिए बिना वजह उन्हें उकसाने से बचती रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह भारतीय कप्तान के बल्ले को शांत रखने की रणनीति थी ना कि आइपीएल अनुबंध को बचाने की योजना जैसा कि पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने दावा किया था।

पेन ने क्लार्क के उन दावों को खारिज किया कि आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में ऐसा भी दौर था जब वे आइपीएल फ्रेंचाइजी के साथ मोटे अनुबंध हासिल करने के लिए कोहली पर दबाव नहीं बनाते थे।

पेन ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा, मैंने निश्चित रूप से ज्यादा लोगों को विराट के साथ ज्यादा अच्छा व्यवहार करते हुए नहीं देखा था या फिर उन्हें आउट नहीं करने की कोशिश करते हुए नहीं देखा था। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि कौन उनके लिए

टैस्ट कप्तान टिम पेन

माइकल क्लार्क

विराट कोहली

आसानी से गेंदबाजी कर रहा था, हम निश्चित रूप से उन्हें उकसाकर किसी तरह की लड़ाई नहीं करना चाहते थे क्योंकि हमें लगता था कि ऐसा करने से वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं।

पेन ने कहा, कौन जानता है कि इस शृंखला में क्या होगा और हमने डाक्यूमेंट्री में देखा कि उन में से कुछ मैचों के दौरान भी काफी तनाव था। मैं भी निश्चित रूप से खुद को नहीं रोक रहा था लेकिन इस समय आइपीएल मेरे लिए इतना बड़ा नहीं है इसलिए मेरे पास गंवाने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने कहा, लेकिन हमारे खिलाड़ी जब आस्ट्रेलिया के लिए टैस्ट मैच खेलते हैं, वे अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं और मुझे पूरा भरोसा है कि जब वे विराट के खिलाफ गेंदबाजी कर रहे हों या फिर दौड़ रहे हों तो आइपीएल अनुबंध के बारे में नहीं सोच रहे होंगे। पेन ने कहा कि 2018-19 शृंखला के दौरान यह रणनीतिक फैसला था।

हॉकी खिलाड़ी दीवान अमेरिका में फंसे, सरकार से लौटने में मदद मांगी

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (भाषा)।

हॉकी ओलंपियन और 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य अशोक दीवान यात्रा संबंधित पाबंदियों के कारण अमेरिका में फंसे हुए हैं और भारत वापसी के लिए उनकी मदद की गुहार पर खेल मंत्रालय ने गुरुवार को प्रयास शुरू कर दिए हैं ।

उनके स्वास्थ्य में लगातार हो रही गिरावट और परेशानी का कारण बनी हुई है। 65 साल के दीवान ने भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा को फोन करके अनुरोध किया कि उच्च अधिकारियों से इस बाबत बात करें।

मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि खेलमंत्री किरेन रीजीजू को पत्र मिल गया है और उन्होंने इसे विदेश मंत्रालय को सौंप दिया है। सूत्र ने कहा , खेल मंत्रालय ने संबंधित अधिकारियों से हालात की समीक्षा करके इस मामले पर फैसला लेने को कहा है।

दीवान ने अंतरराष्ट्रीय हाकी महासंघ (एफआइएच) के प्रमुख बत्रा को लिखा, मुझे आपकी मदद चाहिए क्योंकि मैं अमेरिका में फंसा हूं और मुझे स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो रही हैं। मुझे पिछले हफ्ते कैलिफोर्निया में अस्पताल में आपात स्थिति में जाना पड़ा था। मैं इन दिनों अच्छा महसूस नहीं कर रहा हूं और साथ ही यहां बीमा भी नहीं है। यहां चिकित्सीय खर्चा काफी महंगा है।

उन्होंने कहा, पहले मुझे 20 अप्रैल को एअर इंडिया से स्वदेश लौटना था लेकिन इस महामारी से पैदा हुए हालात के कारण यात्रा की तारीखों को आगे करना पड़ा।

दीवान ने कहा, मैं आपसे एक अनुरोध करना चाहता हूं कि मेरी मदद के लिए इस संदेश को खेल मंत्री और विदेश मंत्री को फारवर्ड कर दें कि वे मेरे चेक-अप के लिए अस्पताल का इंतजाम करवा सकें या फिर सान फ्रांसिसको से भारत के लिए जल्दी रवानगी का इंतजाम करवा दें।

वर्ष 1975 विश्व कप विजेता टीम के नायक ने साथ ही कहा कि वे भारत लौटने के बाद अपने सारे बिलों का भुगतान कर देंगे।

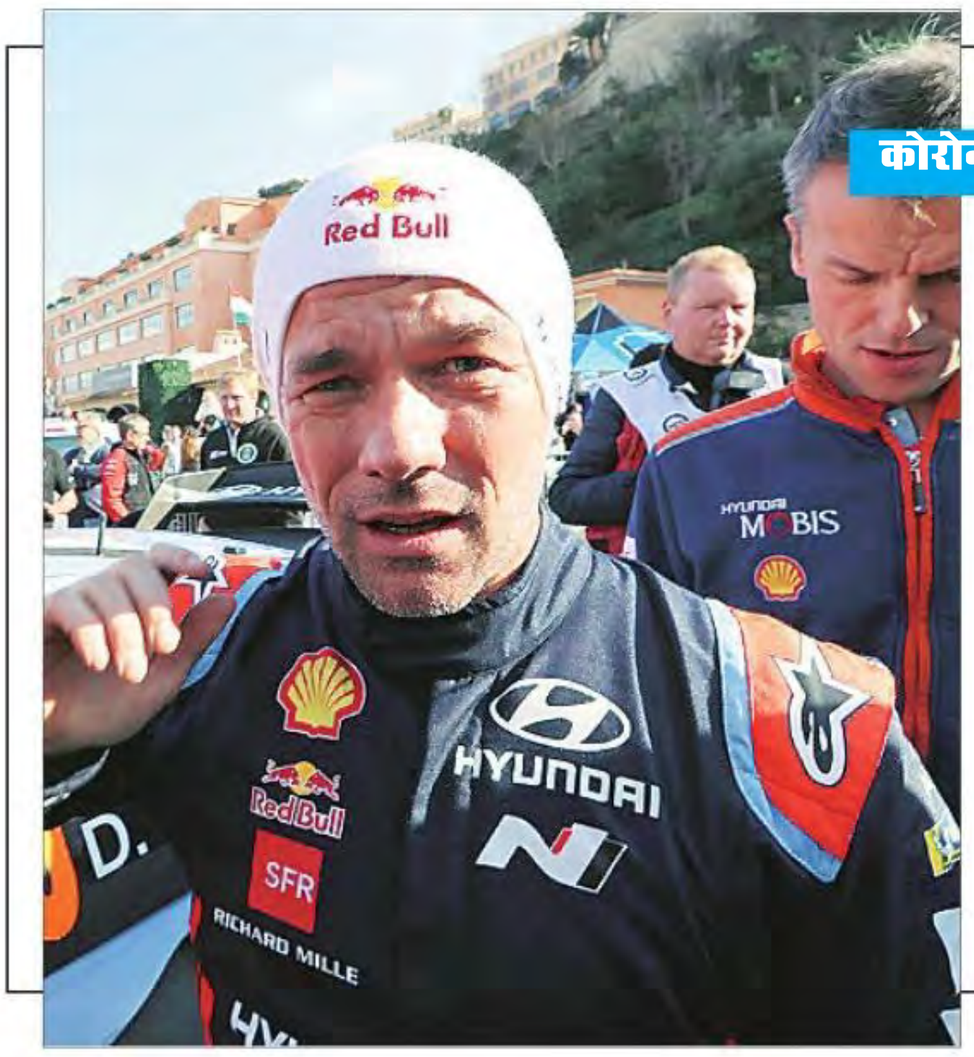

कोरोना बंदी

नौ बार के विश्व रैली चैंपियन सेबेस्टियन लोएब कोरोना वायरस के कारण हुई बंदी के कारण इस समय स्विट्जरलैंड में अपने घर पर हैं और उनका कहना है कि उन्हें यह समय गुजारने और अपना जोशो खरोश बनाए रखने के लिए तरीके खोजने में कोई परेशानी पेश नहीं आ रही है।

कोविड-19 महामारी की मार

पाक खिलाड़ियों का ऑनलाइन फिटनेस टेस्ट होगा

कराची, 9 अप्रैल (भाषा)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) लॉकडाउन के कारण घरों में रह रहे अपने 200 से अधिक खिलाड़ियों का वीडियो लिंक के जरिये फिटनेस परीक्षण करेगा और इस दौरान उन्हें यो-यो टेस्ट से भी गुजरना होगा।

पीसीबी ने कोविड-19 महामारी के दौरान अपने अनुबंधित खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर फिट रखने की कवायद में यह फैसला किया है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार फिटनेस परीक्षण 20 और 21 अप्रैल को किया जाएगा।

कोरोना वायरस के कारण दुनिया भर के अन्य देशों की तरह पाकिस्तान में भी 15 मार्च से क्रिकेट ठप्प पड़ा हुआ है। ऐसे में पाकिस्तान अपने खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर उपाय कर रहा है। पाकिस्तान के कोच और मुख्य

कोरोना वायरस के कारण दुनिया भर के अन्य देशों की तरह पाकिस्तान में भी 15 मार्च से क्रिकेट ठप्प पड़ा हुआ है। ऐसे में पाकिस्तान अपने खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर उपाय कर रहा है। पाकिस्तान के कोच और मुख्य चयनकर्ता मिसबाह उल हक और टीम ट्रेनर यासिर मलिक ने सभी खिलाड़ियों को पत्र लिखकर उन्हें फिटनेस परीक्षण की जानकारी दी है।

चयनकर्ता मिसबाह उल हक और टीम ट्रेनर यासिर मलिक ने सभी खिलाड़ियों को पत्र लिखकर उन्हें फिटनेस परीक्षण की जानकारी दी है।

पत्र में कहा गया है, सभी सीमाओं ओर सीमित संसाधनों के बावजूद हमने फिटनेस के लिए यह नई योजना बनाई है जिसमें सभी को समान मौका मिलेगा।

इसमें कहा गया है, आपको काफी पहले सूचित कर दिया गया है ताकि आप खुद को इसके लिए मानसिक और शारीरिक तौर पर तैयार रखो। सभी परीक्षण आपकी टीम के ट्रेनर द्वारा वीडियो लिंक के जरिये किये जाएंगे।

इसके अनुसार, अपना फिटनेस स्तर बनाए रखने के लिए आपको अनुशासित रहने और कड़ी मेहनत करने की जरूरत है।

केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम के मुख्य ट्रेनर के सामने जबकि प्रांतीय खिलाड़ी अपने राज्यों के ट्रेनर के सामने फिटनेस परीक्षण देंगे।

इस परीक्षण में एक मिनट में 60 पुश अप, एक मिनट में 50 सिट अप, एक मिनट में दस चिन अप आदि के अलावा लेवल 18 का यो-यो टेस्ट भी शामिल है।

पुजारा का ग्लूस्टरशर के साथ करार रद्द

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (भाषा)।

भारत के स्टार बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का ग्लूस्टरशर के साथ काउंटी चैम्पियनशिप के पहले छह मैचों के लिए करार कोविड-19 महामारी के कारण रद्द हो गया। 32 साल के इस भारतीय ने 77 टैस्ट में 48.66 के औसत से 5840 रन बनाए हैं, उन्हें क्लब के पहले छह काउंटी चैम्पियनशिप मैचों में खेलना था।

हालांकि ग्लूस्टरशर ने गुरुवार को कहा कि वैश्विक स्वास्थ्य संकट को देखते हुए यह अनुबंध अब रद्द हो गया है जिसके कारण इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने 28 मई तक सभी पेशेवर क्रिकेट को निलंबित कर दिया है। क्लब ने बयान में कहा, ह्यह्यहमें अब 2020 सत्र में ग्लूस्टरशर के लिए चेतेश्वर पुजारा को खेलते हुए देखने का मौका नहीं मिलेगा। जैसा कि आप वाकिफ होंगे कि मई 2020 के अंत तक कोई भी क्रिकेट नहीं खेला जाएगा।

खुलासा

गाउल्ड ने अपनी आत्मकथा गनर माइ लाइफ इन क्रिकेट के प्रचार के तहत ` टीवी पर जो कुछ देखा उससे उन्हें अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ

गेंद से छेड़छाड़ से काफी पहले नियंत्रण से बाहर हो गया था आस्ट्रेलिया

लंदन, 9 अप्रैल (भाषा)।

आइसीसी एलीट पैनल के पूर्व अंपायर और 2018 के बहुचर्चित केपटाउन टैस्ट के टीवी अंपायर इयान गाउल्ड ने कहा है कि आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर गेंद से छेड़छाड़ मामले से दो तीन साल पहले ही नियंत्रण से बाहर चले गए थे और बेहद औसत इंसान की तरह व्यवहार करने लगे थे।

पिछले साल विश्व कप के बाद संन्यास लेने वाले गाउल्ड ने ही टीवी पर देखने के बाद मैदानी अंपायरों को बताया था कि कैमरून बैनक्राफ्ट अपनी पतलून के अगले वाले हिस्से में सैंडपेपर रख रहे हैं।

गाउल्ड ने अपनी आत्मकथा गनर माइ लाइफ इन क्रिकेट के प्रचार के तहत डेली टेलीग्राफ से कहा, अगर आप पीछे मुड़कर देखो तो आस्ट्रेलिया दो साल और संभवतः तीन साल पहले ही नियंत्रण से बाहर चला गया है लेकिन इस (गेंद से छेड़छाड़) संदर्भ में नहीं। उनका व्यवहार बेहद औसत इंसान के जैसा था।

गाउल्ड ने कहा, मुझे पता नहीं था कि इसके क्या परिणाम निकलेंगे। जब मुझे इस बारे में पता चला तो मुझे विश्वास नहीं था कि आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री भी इन तीनों खिलाड़ियों को लेकर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया देंगे। मैं केवल यही सोच रहा था कि हे ईश्वर कि मैं कैसे ज्यादा शोर शराबा किए बिना खिलाड़ी के पास से उसे (सैंडपेपर) बाहर करवा सकूं।

आस्ट्रेलियाई क्रिकेट की बेहतरी के लिए हुआ : गाउल्ड

गेंद से छेड़छाड़ आइसीसी आचार संहिता के तहत लेवल दो अपराध की श्रेणी में आता था लेकिन इस घटना के बाद इसे लेवल तीन श्रेणी में रख दिया गया जिसके लिए छह टैस्ट या 12 वनडे तक का प्रतिबंध लग सकता है। गाउल्ड ने कहा कि उन्होंने टीवी पर जो कुछ देखा उससे उन्हें अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ लेकिन कहा कि यह खेल विशेषकर आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए अच्छा हुआ। उन्होंने कहा, जब डायरेक्टर ने कहा, वह अपनी पतलून के आगे वाले हिस्से में कुछ रख रहा है तो मैं सतर्क हो गया क्योंकि वह अच्छी बात नहीं थी। निश्चित तौर पर जो कुछ भी हुआ वह क्रिकेट विशेषकर आस्ट्रेलियाई क्रिकेट की बेहतरी के लिए हुआ।

न्यूलैंड्स टैस्ट मैच का प्रभाव काफी पड़ा था। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने मामले में शामिल होने के लिए तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और उप कप्तान डेविड वार्नर पर एक साल का जबकि बैनक्राफ्ट पर नौ महीने का प्रतिबंध लगाया था। इसके बाद ही आस्ट्रेलियाई क्रिकेट की सांस्कृतिक समीक्षा शुरू हुई थी।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 144 *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना- एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

www.readwhere.com